Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/483
वर्ष 13 । अंक 27
नई दिल्ली, शनिवार, 30 नवम्बर 2024
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

स्पोर्ट्स 12

सैयद मोदी इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में सिंधू, लक्ष्य

फाइल चित्र

महाराष्ट्र की कहानी में सस्पेंस, इमोशन, ड्रामा

टीएन रघुनाथ। मुंबई

महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन की तैयारियों के बीच शुक्रवार को अचानक राजधानी मुंबई में उस समय सबकुछ उथल-पुथल हो गया जब शिवसेना नेता और कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नई दिल्ली से लौटने के बाद सीधे सतारा जिले स्थित में अपने पैतृक स्थान पर चले गए। जबकि इससे पहले सरकार गठन को लेकर तैयारी तेजी से आगे बढ़ रही थीं। इस बदले घटनाक्रम के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली महायुति ने नई सरकार की रूपरेखा तय करने के लिए बुलाई गई अपने तीन नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक रद्द कर दिया। इस बदले घटनाक्रम और राजनीतिक अस्थिरता के चलते राज्य में सरकार गठन में अस्पष्ट देरी हुई। हाल ही में संपन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की अगुआई करने वाली सत्तारूढ़ भाजपा भारी जीत हासिल करने के बावजूद खुद को असमंजस में पा रही है कि इन हालातों में शिंदे से कैसे निपटा जाए और मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी के भीतर उभरते परिदृश्य से कैसे निपटा जाए।

शिंदे, जिन्होंने जून 2022 में राज्य में नई सरकार बनाने के लिए सत्तारूढ़ शिवसेना को विभाजित करके और भाजपा के साथ मिलकर काम करके तत्कालीन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को चौंकाते हुए राज्य में नई सरकार बनाने के महायुति के प्रयासों के बीच अपने पैतृक गांव का रुख करके लोगों को हैरान कर दिया था। हालांकि आधिकारिक तौर पर महायुति नेताओं, भाजपा के फडणवीस, शिवसेना (ईएस) के शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एपी) के अजीत पवार की संयुक्त बैठक में क्या हुआ इसकी किसी को जानकारी नहीं है। इस बैठक को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य में सरकार गठन के विवरण को औपचारिक रूप देने के लिए अपने नई दिल्ली आवास पर बुलाया था। इस बदले घटनाक्रम के चलते मुंबई में राजनीतिक भूचाल आ गया है और तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं।

हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया कि शिंदे ने राजधानी से लौटने के बाद अपनी सभी नियुक्तियां रद्द क्यों कीं और पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा जिले में अपने पैतृक गांव दरे के लिए रवाना क्यों हुए, लेकिन यह भी पुष्टि हो गई कि वह नई सरकार में उपमुख्यमंत्री का पद संभालेंगे। हालांकि, भाजपा के जानकार सूत्रों ने कहा कि शिंदे को डिप्टी सीएम का पद स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते भाजपा उन्हें राज्य का महत्वपूर्ण गृह मंत्रालय दे, जो पिछली महायुति सरकार में फडणवीस के पास था। शिंदे के बदले रूख की कीमत को जानते हुए, भाजपा शिवसेना (ईएस) अध्यक्ष को गृह विभाग देने के लिए तैयार नहीं है। शिंदे सेना के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, शायद शिंदे के अपने पैतृक स्थान पर अचानक जाने के पीछे का कारण राज्य मंत्रिमंडल में गृह और कुछ अन्य महत्वपूर्ण विभागों से इनकार किए जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त करना है। महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह, जो सामान्यत: 2 दिसंबर (सोमवार) को होना था, महायुति के भीतर अचानक उत्पन्न उथल-पुथल के कारण 5 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह उथल-पुथल मुख्यमंत्री पद से इनकार किए जाने पर शिंदे की नाराजगी और भाजपा के भीतर नेतृत्व के मुद्दे के कारण हुई है। इस बीच, भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव में देरी ने राज्य के राजनीतिक हलकों में कई लोगों को (शेष पृष्ठ 9)

संभल हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन

बिश्वजीत बनर्जी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के संभल में गत रविवार को हुई हिंसा का सच जानने के लिए प्रदेश सरकार ने घटना की जांच के लिए रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया है। यह निर्णय गुरुवार रात को लिया गया, जब मामला सुप्रीम कोर्ट में आने से कुछ घंटे पहले आया। न्यायीय आयोग की अध्यक्षता सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डी.के. अरोड़ा करेंगे, जिसमें सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अमित मोहन और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अरविंद कुमार जैन सदस्य होंगे। आयोग दो महीने में जांच पूरी करेगा कि क्या हिंसा पूर्व नियोजित थी या अचानक हुई थी। इस जांच में अशांति भड़काने के संदिग्ध व्यक्तियों या समूहों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। इसके अलावा, आयोग घटना के दौरान और उसके बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की भी जांच करेगा। न्यायिक पैनल को अधिसूचना की तारीख से दो महीने के भीतर अपने निष्कर्ष पेश करने का निर्देश दिया गया है, जो हिंसा के पीछे के कारणों का पता लगाने की कोशिश करेगा। यदि इस अवधि को बढ़ाने की आवश्यकता होती है, तो उसे राज्य सरकार से अनुमोदन की आवश्यकता होगी।

हिंसा के कारणों की पहचान करने के साथ-साथ आयोग भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सिफारिशें भी देगा। 28 नवंबर को जारी अधिसूचना में राज्यपाल ने मामले की गहन और पारदर्शी जांच के महत्व पर जोर दिया। इससे न्यायिक प्रक्रिया में जनता का भरोसा सुनिश्चित होगा और न्याय के हित में काम होगा। जांच में घटना के कई पहलुओं की जांच की जाएगी, जिसमें स्थिति से निपटने में स्थानीय कानून प्रवर्तन और प्रशासनिक निकायों की तैयारियों का भी पता लगाया जाएगा। 19 नवंबर से ही संभल में तनाव बढ़ रहा था, जब शाही जामा मस्जिद का (शेष पृष्ठ 9)

संभल में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए खड़ा सुरक्षाबल का जवान

जामा मस्जिद मामले में कार्यवाही पर रोक, चंदौसी में सर्वे रुका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को संभल की निचली अदालत को मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद और चंदौसी में इसके सर्वेक्षण से संबंधित मामले में कार्यवाही रोकने का निर्देश दिया और याचिकाकर्ता मस्जिद समिति को इलाहाबाद उच्च न्यायालय जाने को कहा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने संभल जिले में शांति बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि मस्जिद सर्वेक्षण के बाद कोर्ट कमिश्नर द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को सील कर दिया जाए और अगले आदेश तक नहीं खोला जाए। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को हिंसा प्रभावित शहर में शांति और सद्भाव बनाए रखने का निर्देश दिए। पीठ ने शाही जामा मस्जिद समिति द्वारा निचली अदालत के सर्वेक्षण आदेश के खिलाफ दायर याचिका को तीन कार्य दिवसों के भीतर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सीजेआई ने आदेश में लिखा, हमें लगता है कि याचिकाकर्ता (मस्जिद समिति) को 19 नवंबर, (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली स्कूल को बम धमकी भरा कॉल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के रोहिणी में शुक्रवार सुबह ईमेल से मिली बम की धमकी के बाद एक निजी स्कूल के छात्रों और अभिभावकों में दहशत फैल गई। ज्ञात रहे कि एक दिन पहले स्कूल के एक किलोमीटर के भीतर स्थित एक इलाके में कम तीव्रता का विस्फोट हुआ था। हालांकि बाद में स्कूल परिसर में तलाशी शुरू करने के बाद यह धमकी फर्जी साबित हुई, लेकिन लोगों पर इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, क्योंकि यह इलाका पिछले एक महीने से ज़्यादा समय से बम धमाकों की चपेट में है। रोहिणी के वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल में धमकी के बाद, स्कूल के अधिकारी हरकत में आए और अभिभावकों को छात्रों को जल्दी से जल्दी स्कूल से घर जाने के लिए कहा और अभिभावकों से सुबह 11 बजे तक अपने बच्चों को ले जाने का अनुरोध किया। कुछ बच्चों को स्कूल बसों में भेजा गया, जबकि अन्य बच्चों के अभिभावक अपने बच्चों को लेने के लिए दौड़े, जिससे अफरातफरी का माहौल देखा गया। इसी स्कूल के कक्षा 7 की एक छात्रा की मां, रति अवस्थी ने शहर में हाल ही में हुए धमाकों के मद्देनज़र अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, हम शहर की मौजूदा स्थिति को लेकर बेहद चिंतित हैं। हम अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर कैसे आश्वस्त हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले ही स्कूल से बमुश्किल एक किलोमीटर दूर प्रशांत (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली गैंगस्टरों की राजधानी: केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की कानून व्यवस्था बहुत खराब है। यहां में गैंगस्टर्स का राज है और गृह मंत्री अमित शाह मूकदर्शक बने हुए हैं। पिछले 24 घंटे में तीन जगह गोलीबारी की घटनाएं घट चुकी हैं। लॉरेंस बिश्नोई साबरमती जेल से गैंग चला रहा है। उसे भाजपा का संरक्षण मिला हुआ है। इसलिए अपराधी इतने बेखौफ हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने केंद्रीय गृहमंत्री से अनुरोध किया कि अब आप कार्रवाई कीजिए, नहीं तो दिल्ली की जनता सबक सिखाएगी। आप मुझे न रोंक, बल्कि अपराध को रोकें। उन्होंने कहा कि अपराध पर भाजपा का जीरो टॉलरेंस महज एक ढकोसला के अलावा और कुछ नहीं है। विधानसभा सत्र के पहले दिन आप प्रमुख ने राजधानी में व्यापारियों से जबरन वसूली से संबंधित गोलीबारी बढ़ती घटनाओं को लेकर केंद्रीय मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि रोजाना खुलेआम गोलीबारी हो रही है। ऐसा लगता है कि दिल्ली को गिरोह चला रहे हैं। बढ़ती अपराधीक घटना और शकर की बिड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा के दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा अमित शाह क्या कर रहे हैं। इससे पहले, विधानसभ अध्यक्ष राम निवास गोयल ने नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता को बाहर निकाले का आदेश दिया। गुप्ता चर्चा के दौरान केजरीवाल के संबोधन के दौरान विघ्न डाल रहे थे। बाद में गुप्ता के समर्थन में बाकी भाजपा विधायक सदन से बाहर चले गए। केजरीवाल ने कहा कि विभिन्न इलाकों में हो रही गोलीबारी की विभिन्न घटनाओं मे व्यापारी जबरन वसूली की कॉल और उसके बाद अपनी दुकानों या शोरूम पर हिंसक हमलों के दहशत में रहते हैं। आप प्रमुख ने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की गतिविधियों (शेष पृष्ठ 9)

कठिन फैसले लेने होंगे, खड़गे ने सीडब्ल्यूसी से कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महाराष्ट्र और हरियाणा में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों से आहत कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को चुनावी हार पर मंथन किया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर से मजबूत करने के लिए कठोर निर्णय लेने होंगे, जवाबदेही तय करनी होगी और नेताओं से एकजुट रहने तथा एक-दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयानबाजी करने से बचने की सलाह दी। एआईसीसी मुख्यालय में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में अपने संबोधन में खड़गे ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) ने चुनावी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है और ऐसे में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करवाना निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। कांग्रेस की लगातार हार के कारण फासीवादी ताकतें अपनी जड़ें गहरी कर रही हैं। एक-एक करके वे राज्य की संस्थाओं पर भी कब्जा कर रहे हैं। बैठक की अध्यक्षता खड़गे ने की और इसमें पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, के सी वेणुगोपाल और जयराम रमेश समेत अन्य लोग शामिल हुए। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी, जिसका हिस्सा कांग्रेस है, को चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा, जबकि झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले पार्टी गठबंधन ने जीत दर्ज की। हरियाणा में कांग्रेस को भाजपा के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। खड़गे ने पार्टी में अंदरूनी कलह पर भी निशाना साधा और कहा कि एकजुटता की कमी और अपने ही पार्टी नेताओं के खिलाफ बयानबाजी से पार्टी को बहुत नुकसान होता है। जब तक हम एकजुट होकर चुनाव नहीं लड़ेंगे और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं करेंगे, तब तक हम अपने विरोधियों को राजनीतिक रूप से कैसे हरा पाएंगे। उन्होंने चुनाव परिणामों से सबक लेकर पार्टी में कमियों को दूर करने का आह्वान किया और कहा कि पार्टी को अपने विरोधियों द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार और गलत सूचना का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए रणनीति बनानी होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से चुनाव परिणामों से निराश न होने का अनुरोध करते हुए कहा, यह जरूरी है कि हम अनुशासन का कड़ाई से पालन करें। हमें हर परिस्थिति में एकजुट रहना है। पार्टी के पास अनुशासन का हथियार भी है। लेकिन हम अपने कार्यकर्ताओं को किसी बंधन में नहीं डालना चाहते। इसलिए सभी को यह सोचना होगा कि कांग्रेस की जीत हमारी जीत है और हार हमारी हार है। हमारी ताकत पार्टी की मजबूती में ही निहित है। पार्टी को मजबूत बनाने के लिए जमीनी स्तर से लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी तक बदलाव करने होंगे। एआईसीसी पार्टी की केंद्रीय निर्णय लेने वाली सभा है। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों पर बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनावों में अच्छे नतीजों के बाद विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पार्टी को झकझोर दिया है। राज्य चुनावों में अपेक्षा से कम प्रदर्शन के कारण कुछ कठोर निर्णय लेने होंगे। लोकसभा चुनावों में अपने प्रदर्शन पर सवार होकर कांग्रेस नए जोश के साथ विधानसभा चुनावों में उतरी, लेकिन चुनाव परिणाम पार्टी की उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहे। भाजपा ने 4 में से 2 राज्यों में सरकार बनाई। लेकिन हमारा प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा। भविष्य के लिहाज से यह हमारे लिए एक चुनौती है। हमें चुनाव परिणामों से तुरंत सीख लेने और संगठनात्मक स्तर पर अपनी सभी कमजोरियों और कमियों को दूर करने की जरूरत है। ये परिणाम हमारे लिए एक संदेश हैं। चुनाव के दौरान माहौल कांग्रेस के पक्ष में था, लेकिन सिर्फ माहौल का कांग्रेस के पक्ष में होना जीत की गारंटी नहीं है। समय बदल गया है और चुनाव लड़ने के तरीके बदल गए हैं और पार्टी को अपने विरोधियों की तुलना में अपनी माइक्रो-कम्युनिकेशन रणनीति (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली... अब पेड़ों की गिनती का समय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पेड़ों की कटाई रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने शुक्रवार को पेड़ों की गणना की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि वह पेड़ों की गिनती करने वाले अधिकारी द्वारा किए जाने वाले काम की निगरानी के लिए एक प्राधिकरण बनाने का प्रस्ताव रखा। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में ताज ट्रेपोज़ियम ज़ोन (टीटीजेड) के 10,400 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेड़ों की गणना करने और पेड़ों की अवैध कटाई पर निगरानी रखने के लिए एक तंत्र विकसित करने पर भी विचार किया। जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के सख्त क्रियान्वयन के मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। बेंच ने कहा, पेड़ों की गणना के अलावा, जो आदेश हम पारित करने जा रहे हैं, इसके अलावा हम एक प्राधिकरण भी बनाना चाहते हैं। वह प्राधिकरण यह सत्यापित करेगा कि वृक्ष अधिकारी ने उचित काम किया है या नहीं। पीठ दिल्ली सरकार को सर्वोच्च न्यायालय की अनुमति के बिना पेड़ों की कटाई की अनुमति देने से रोकने की मांग करने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

दिल्ली में पहली वृक्ष गणना दिसंबर 2023 में की गई थी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने 12 क्षेत्रों में 2.50 लाख पेड़ों की पहचान की। 1994 के

अधिनियम के प्रावधान, जो दिल्ली के एनसीटी में पेड़ों के संरक्षण का प्रावधान करते हैं, यह वृक्ष प्राधिकरण की स्थापना और कर्तव्यों और वृक्ष अधिकारी की नियुक्ति से संबंधित हैं। सुनवाई के दौरान, पीठ ने मामले में उपस्थित वकीलों से सुझाव देने को कहा कि किस आधार पर प्राधिकरण का गठन किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया कि न केवल व्यक्तिगत विशेषज्ञों की आवश्यकता है, बल्कि इस प्रक्रिया में एक संस्था को भी शामिल किया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा, हमारा हमेशा से मानना है कि पर्यावरण के मामलों में कठोर आदेश दिए जाने चाहिए। पीठ ने टिप्पणी की कि पर्यावरण के संरक्षण और पेड़ों की सुरक्षा से संबंधित मामलों में उसके समक्ष उपस्थित होने वाले वकील बहुत सहयोगी रहे हैं और उन्होंने हमेशा अदालत के समक्ष निष्पक्ष रुख अपनाया है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा, हम आभारी हैं। माननीय न्यायाधीश हमारे और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ऐसा कर रहे हैं। न्यायालय ने 1994 अधिनियम के प्रावधानों के सख्त क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दे को बहुत महत्वपूर्ण बताया। न्यायालय ने कहा, पक्षों की ओर से उपस्थित होने वाले वकील को इस मुद्दे पर हमसे बात करने में सक्षम बनाने के लिए, हम निर्देश देते हैं कि याचिका 18 दिसंबर को सूचीबद्ध की जाए। मामले में उपस्थित होने वाले वकीलों में से एक ने दिल्ली सरकार द्वारा पिछले दिनों जारी की गई अधिसूचनाओं का हवाला दिया, जिसमें 1994 अधिनियम के प्रावधानों से किसी भी क्षेत्र या पेड़ों की किसी भी प्रजाति को छूट दी गई थी। उन्होंने कहा, अंतरिम रूप से इस शक्ति को कम किया जाना चाहिए। वे धारा 29 (अधिनियम की) के तहत अधिसूचनाएं जारी नहीं कर सकते। अधिनियम की धारा 29 सरकार को छूट देने की शक्ति से संबंधित है। एक वकील ने दावा किया कि लोगों में काफी जागरूकता है, जबकि दूसरे ने जमीनी स्थिति पर दुख जताते हुए कहा कि राजधानी में पेड़ों को काटा जाना दुखद था। इससे पहले दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट परिसर के अंदर दो पेड़ काटे गए थे। वकील ने कहा कि वन विभाग की वृक्ष हेल्पलाइन पर शिकायत करने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। पीठ ने कहा, आप उस शिकायत को रिकॉर्ड (शेष पृष्ठ 9)

यमुना वाटिका, हरित दिल्ली का सपना

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी को हरा-भरा और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। दिल्ली विकास प्राधिकरण 450 एकड़ में फैले यमुना बाढ़ क्षेत्र हरा-भरा बना रहा है। जिसे सार्वजनिक मनोरंजन के लिए मल्टी-एक्टीविटी ग्रीन स्पेस के रूप में तैयार किया गया है। यहां विभिन्न प्रजातियों के पेड़ जिनमें गुलमोहर, अमलतास, चिनार जैसे 8000 स्वदेशी पौधे, 10,000 बांस के साथ 200 चेरी ब्लॉसम लगाए गए है। फूलों के बगीचे और पेड़ों से घिरा और जो जल्द ही दिल्ली में अपनी तरह का सबसे बड़ा स्थान होगा। यहां पर चार तालाब भी विकसित किए गए हैं जो प्रकृति प्रेमियों, परिवारों और फिटनेस के शौकीनों के लिए एक आदर्शस्थान होगा। यमुना वाटिका में फूलों के बगीचे को त्रिस्तरीय फ्लोअर डिजाइन का आकार दिया गया है, जो दिल्ली के शहरी भूदृश्य में एक नया मानक स्थापित करेगा। उपराज्यपाल की इस पहल का उद्देश्य, शहर के परिस्थितिकी को सुंदर बनाने की अपील करना तथा इसे राजधानी का पहला समर्पित फूलों का क्षेत्र बनाना है।

यमुना वाटिका, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा यमुना बाढ़ क्षेत्र के 450 एकड़ में फैले क्षेत्र के पुनरोद्धार की योजना का हिस्सा है। इसे मल्टी-एक्टीविटी वाले हरित स्थान के रूप

में तैयार किया जा रहा है। यहां गुलमोहर, अमलतास, चिनार और विदेशी प्रजातियों जैसे चेरी ब्लॉसम के पौधों के अलावा बांस के पौधे भी यहां पहले ही लगाए जा चुके हैं, जो बाढ़ क्षेत्र के पारिस्थितिकी में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। ये पेड़ न केवल शहर के हरित आवरण को बढ़ाएंगे, बल्कि इनसे यमुना वाटिका में आने वालों को भी एक शानदार प्राकृतिक माहौल भी मिलेगा। इसमें चार बड़े तालाब हैं, इसे रणनीतिक रूप से बाढ़ के दौरान जल संरक्षण के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा यह पानी को संजोने का भी काम करेगा। यह उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना द्वारा दिल्ली को हरा-भरा बनाने की एक और पहल है। इससे पहले बांसेरा, असिता पूर्व, परियोजना 197 हेक्टेयर भूमि पर फैली हुई है, जिसमें से 90 हेक्टेयर डीडीए के पास है और शेष उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसे लोगों के लिए खोल दिया गया। अशोक विहार-दो में वैष्णवी पार्क 10 एकड़ में फैला क्षेत्र है, जिसे डीडीए ने शहरी हरित स्थानों को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया है। जहां ढेर सारा कचरा पड़ा रहता था और स्थानीय लोग इस जगह की खराब हालत से तंग आ चुके थे। पार्क में देशी और औषधीय पौधों की विविधता है, साथ ही वॉकवे, जल निकाय, फव्वारे और रोशनी भी हैं जो जगह को एक सुंदर रूप देते हैं। एलजी की दूसरी परियोजना वासुदेव घाट है, जो यमुना घाट और निगम बोध घाट के बीच यमुना के पश्चिमी तट पर स्थित है। यह घाट शहर में डीडीए द्वारा बनाया गया पहला घाट पहले एक ढलान के कारण दुर्गम स्थल था, कचरे से अटा पड़ा था और पिछले साल जुलाई की बाढ़ से 1.5 फीट गहरी गाद जमा थी। बहाल किए गए नदी तट पर अब नक्काशीदार मंडप और ट्यूलिप, और सदाबहार मौसमी फूलों की क्यारियाँ, 2,000 से अधिक देशी और प्राकृतिक पेड़ और 400,000 नदी घास के पौधे हैं। 145 मीटर लंबे इस घाट में 150 कारों के लिए (शेष पृष्ठ 9)

लखनऊ में होगा प्राधिकरण की आपत्तियों का निवारण

सीएजी के सामने रखा जाएगा 63 के जवाब, सहमति होने पर पीएसी को देंगे जानकारी

● प्राधिकरण के ओएसडी से लेकर डीजीएम स्तर के कई अधिकारी शामिल होंगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रुप हाउसिंग, व्यावसायिक, नियोजन आदि विभाग से जुड़े कामकाज पर लगी आपत्तियों को लेकर आज लखनऊ में सीएजी के साथ प्राधिकरण अधिकारियों की बैठक होगी। इस बैठक में आपसी सहमति से आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा।

निस्तारित होने वाली आपत्तियों की जानकारी लोक लेखा समिति (पीएसी) की बैठक में बताई जाएंगी। हालांकि स्पोर्टस सिटी से जुड़ी किसी भी आपत्ति पर चर्चा नहीं होगी। आज सीएजी की बैठक में 63 आपत्तियों पर बातचीत की जाएगी। इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए प्राधिकरण के ओएसडी से लेकर डीजीएम स्तर के कई अधिकारी शामिल होंगे। लोक लेखा समिति ने पिछले महीने भी सुनवाई की थी। जिसमें स्पोर्टस सिटी को लेकर एक जांच कमेटी बनाई थी। हालांकि इस सुनवाई में ग्रुप हाउसिंग, व्यवसायिक और नियोजन की कई आपत्तियों पर सुनवाई नहीं हो सकी थी। आपत्तियां ज्यादा होने की वजह से ऐसा हुआ था। इसलिए पीएसी ने स्पष्ट कहा था कि प्राधिकरण और सीएजी की टीम आपस में बैठक करके आपत्तियों का निस्तारण करे और जानकारी उपलब्ध कराए। सीएजी आपत्तियों का जवाब देने के लिए प्राधिकरण अधिकारियों अपनी तैयारी पूरी की है। बता दे सीएजी ने साल 2005 से लेकर 2017 तक प्राधिकरण के कामकाज की जांच की थी। इसमें करीब 30 हजार करोड़ रुपए का घोटाला सामने आया था। इसको लेकर सीएजी ने करीब 200 आपत्तियां लगाई थीं। घोटाले से संबंधित पूरी रिपोर्ट दिसंबर 2021 में विधानसभा में रख दी गई थी। इसके बाद इस मामले में आपत्तियों को लेकर लोक लेखा समिति सुनवाई कर रही है। अब आज इस मामले में फिर से आपत्तियों का निपटारा के लिए बैठक होगी।

ग्रुप हाउसिंग के विभाग के कामकाज पर 29 और व्यवसायिक पर 18 आपत्तियां लगाई हुई हैं। इसके अलावा नियोजन और अन्य विभागों की आपत्तियां भी है। जिसको लेकर बैठक होगी। उम्मीद है कि आज होने वाली बैठक में कई आपत्तियों का निवारण कर दिया जाएगा। इसके बाद स्पोर्ट्स सिटी को लेकर आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा।

जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक की समीक्षा करते डीएम मनीष। समस्याओं को जल्द निवारण के दिए निर्देश।

संजीव ने ली पद और गोपनियता की शपथ

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

यूपी में नौ विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के वाले नवनिर्वाचित विधायकों को आज विधानसभा में अध्यक्ष सतीश महाना ने शपथ दिलाई। इसके बाद भाजपा विधायक पार्टी कार्यालय पर पहुंचें जहां उन्हें सम्मानित किया गया।

जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें गाजियाबाद से विधायक संजीव शर्मा, कुंदरकी से रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र सिंह, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और मीरापुर से रालोद की मिथलेश पाल शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य होना गौरव की बात है।

जनता की सेवा का अवसर आपको मिला है। मुख्यमंत्री के कार्यों को लेकर अगर जनता के बीच में जाएं तो हर बार जीत आपको मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना सहित मंत्री और विधायक मौजूद रहे।

दुकान का शटर तोड़कर 10 लाख का सामान चोरी

गाजियाबाद। रावली रोड चुंगी नंबर तीन पुलिस चौकी से कुछ दूरी देर रात चोरों ने दो मोबाइल शॉप के शटर उखाड़ कर लाखों रुपये कीमत के मोबाइल चोरी कर लिये। सूचना पर पुलिस ने वहां जांच शुरू की।

कच्ची सरॉय कॉलोनी निवासी फरमान अंसारी की रावली रोड पर चुंगी नंबर तीन पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर प्रिंस मोबाइल के नाम से दुकान है। फरमान ने बताया कि देर रात चोरों ने दुकान का शटर उखाड़कर कीमती सामान चोरी कर लिया। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंची और जांच शुरू की। खास बात है कि चोरी की वारदात चुंगी नंबर तीन पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर हुई।

डिजिटल अरेस्ट कर इंजीनियर से साइबर ठगी

● मुंबई से ईरान जा रहे कोरियर में ड्रग होने को लेकर महिला को डराया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में रहने वाली सॉफ्टवेयर इंजीनियर महिला को साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट कर लिया।

महिला को डराया गया कि उनके आधार कार्ड से एक कूरियर मुंबई से ईरान जा रहा है। महिला को दो लोगों ने ठगा। पहले व्यक्ति ने खुद को कोरियर कंपनी फेडेक्स से बताया फिर उसी ने टेलीग्राम के जरिए मुंबई क्राइम ब्रांच तैनात व्यक्ति से कराई। इंदिरापुरम पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जान शुरू कर दी है। चौंकाने वाली बात यह है कि महिला ने डिजिटल अरेस्ट रहते हुए ही ऑनलाइन लोन लेकर पैसे दिए। गाजियाबाद में एडीसीपी क्राइ सच्चिदानंद ने बताया की थाना इंदिरापुरम क्षेत्र में रहने वाली महिला ने इंदिरापुरम थाने में साइबर ठगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसमें वह डिजिटल अरेस्ट रही थी।

महिला ने 138000 ठगे जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला ने शिकायत में बताया है कि उसके पास अश्वनी राव नाम से फोन आया उसने खुद को फेडेक्स कंपनी में बताया। अश्वनी ने महिला को बताया कि उनके आधार कार्ड के नंबर का प्रयोग करके एक कूरियर मुंबई से ईरान भेजा जा रहा है जिसमें ड्रग्स है। इसके बाद उसने इसकी शिकायत करने के नाम पर टेलीग्राम के जरिए विक्रम नाम के एक व्यक्ति से बात करवाई जिसे खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच में बताया। विक्रम ने महिला को बताया कि महिला के आधार कार्ड से 55 बैंक खातों से मनी लॉन्ड्रिंग की जा रही है जिसमें मोहम्मद अली नाम का एक बदमाश शामिल है।

साथ ही इनको डराया गया की काल के दौरान किसी और की आवाज या वीडियो पर नहीं दिखना चाहिए। इसके बाद डरी और परेशान महिला ने दोनों ठगों के अनुसार चलना शुरू कर दिया। ठगों ने महिला से उसके बैंक से 97 हजार रुपए का लोन ऑनलाइन लेने के लिए कहा जैसी वह लोन सैंक्शन हुआ उसके बाद वह किसी अकाउंट में मंगवा लिया गया। उसके बाद महिला के सेविंग अकाउंट से 41700 एक खाते में ट्रांसफर करवाए गए महिला करीब 1 घंटे डिजिटल अरेस्ट रही।

संक्षिप्त समाचार

सलाम नमस्ते में युवा महोत्सव का आयोजन

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में युवा महोत्सव का आयोजन हुआ। शुक्रवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में छात्रों के लिए गीत, संगीत, सामाजिक कार्य, कला, संस्कृति, भाषा एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं सलाम नमस्ते द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नोएडा एवं गाजियाबाद के गांव के बच्चे एवं कलाकार ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड वर्षा छबारिया ने बताया कि युवा पीढ़ी को जागरूक करने एवं उनके हुनर को मंच प्रदान करने के लिए हम युवा महोत्सव मना रहे है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारी कोशिश देश की कला संस्कृति एवं स्थानीय भाषाओं को आम जनमानस के बीच पहुंचाना है। आज के कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने ग्राहक जागरूकता, स्वच्छता, भारतीय कला, स्थानीय भाषा एवं गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने अपने संबोधन में कहा कि युवा महोत्सव जैसे आयोजन हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के साथ-साथ उनकी सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने का एक बेहतरीन माध्यम हैं। यह कार्यक्रम न केवल छात्रों को मंच प्रदान करते हैं बल्कि उन्हें समाज और संस्कृति से जुड़ने की दिशा भी दिखाते हैं।

यीडा पहुंचा संयुक्त किसान मोर्चा का धरना

नोएडा। किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का धरना यमुना प्राधिकरण पर जारी है। 2 दिसंबर को अपनी मांगों को लेकर किसान दिल्ली कूच करेंगे। यमुना प्राधिकरण पर चल रहे धरने की कमान अब महिलाओं ने संभाल ली है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता डॉक्टर रुपेश वर्मा, सुखबीर खलीफा, पवन खटाना, सोरन प्रधान, डॉ. विकास, सुनील फौजी, अनिल तालान, अंशुमान ठाकुर, हरवीर नागर, जितेंद्र भाटी सहित अन्य किसान नेताओं ने बताया कि किसान आंदोलन के दबाव के कारण केंद्र सरकार ने तीन काले कानून वापस लिए थे। अब संयुक्त किसान मोर्चा के सभी 10 घटक संगठनों ने 10 फीसदी आबादी प्लाट, नये भूमि अधिग्रहण कानून के सभी लाभों को लागू करने एवं हाई पावर कमेटी द्वारा दी गई सकारात्मक सिफारिशों को तुरंत लागू करने की मांग को दोहराते हुए यह धरना शुरू किया है। उन्होंने बताया कि यमुना प्राधिकरण पर महापड़ाव 1 दिसंबर तक रहेगा।

सिरसा गांव में पास मिला शव, पहचान नहीं

नोएडा। थाना कासना क्षेत्र के सिरसा गांव के पास एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव आज पुलिस को मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह को पुलिस को सूचना मिली कि सिरसा गांव के पास एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव सड? पर पड़ा है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि मृतक भिखारी था। वह आसपास के क्षेत्र में भीख मांग कर अपना गुजारा करता था। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा।

स्तन कैंसर से बचाव में एआई तकनीक कारगर

नोएडा/नई दिल्ली। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने कलिए मैश सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स की तरफ से एक माह तक स्तन कैंसर जागरूकता अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य महिलाओं को जागरुक कर प्रारंभिक चरण में ही स्तन कैंसर के खतरे से बचाना था। इसके लिए एडवांस एआई आधारित थर्मल स्क्रीनिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया। इस अभियान में दक्षिणी दिल्ली और नोएडा स्थित मैश हॉस्पिटल्स में 172 महिलाओं की नि:शुल्क स्क्रीनिंग की गई। मैश मानस हॉस्पिटल की डॉ. सोनाली त्यागी, सीनियर कंसल्टेंट - गायनेकोलॉजी ने बताया कि एआई बेस्ड थर्मोग्राफी पारंपरिक मैमोग्राम की तुलना में नॉन-इनवेसिव, बिना विकिरण और बिल्कुल दर्द रहित होती हैं। मैश सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स की संस्थापक और सीईओ मानसी बंसल झुनझुनवाला ने कहा, समय पर जांच और सही इलाज से इस बीमारी को रोका जा सकता है। मैश हॉस्पिटल के हेड ऑफ मिनिमल एक्सेस एंड सर्जिकल ऑन्कोलॉजी डॉ. सचिन अंबेकर ने बताया कि जिन तीन महिलाओं में कैंसर का पता चला, उन्हें मेटोस्टैसिस नहीं था, उनकी सफल सर्जरी की गई।

चार्जशीट दाखिल होने के बाद पहली बार कोर्ट पहुंचा एल्विस

● अब इस मामले में दिसंबर में सुनवाई होगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जनपद गौतम बुद्ध नगर की न्यायालय में यूट्यूबर एल्विश यादव सांपों के जहर की तस्करी के मामले में चार्जशीट दायर होने के बाद बृहस्पतिवार को पहली बार पहुंचा। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के छुट्टी पर होने की वजह से बृहस्पतिवार को सुनवाई नहीं हुई।

अब इस मामले में दिसंबर माह में सुनवाई होगी। नोएडा के थाना सेक्टर-49 में पीपल फॉर एनिमल संस्था के पदाधिकारी गौरव गुप्ता ने नवंबर माह वर्ष 2023 मे एल्विश यादव और उसके साथियों पर सांपों के जहर का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया था। इस मामले में पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। 1200 पन्नों के आरोप पत्र में नोएडा पुलिस की ओर से बताया गया कि एल्विश का जेल भेजे गए सपेरो से संपर्क था।

एल्विश यादव के अधिवक्ता दीपक भाटी और प्रशांत राठी ने बताया कि चार्जशीट दाखिल होने के बाद इस मामले में पहली बार सुनवाई थी। सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम शिवानी त्यागी की कोर्ट में होनी थी, लेकिन न्यायिक मजिस्ट्रेट किसी कारण वश अवकाश पर रही। इस कारण मामले की सुनवाई अब दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में होगी। एल्विश के कोर्ट आने के दौरान पुलिस भी उसकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट रही। पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। 12 सौ पन्नों के आरोपपत्र में नोएडा पुलिस ने बताया गया कि एल्विश का जेल भेजे गए सपेरों से संपर्क था। एल्विश के अधिवक्ता दीपक भाटी और प्रशांत राठी ने बताया कि चार्जशीट दाखिल होने के बाद मामले में पहली बार सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम शिवानी त्यागी की कोर्ट में होनी थी। लेकिन न्यायिक मजिस्ट्रेट किसी कारणवश अवकाश पर रहीं। इस कारण अब मामले की सुनवाई 23 दिसंबर को होगी।

तेज रफ्तार ने कार ने बुजुर्ग को रौंदा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर कोतवाली क्षेत्र के सिरीयाल गांव के पास सड़क पर टहल रहे एक बुजुर्ग को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनको जेवर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत को देखते हुए ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में डॉक्टर ने रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस संबंध में पीड़ित परिवार ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ कोतवाली में किस दर्ज कराया है। मृतक के बेटे हेमंत ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उनके 75 वर्षीय पिता कुंवरपाल गांव के ही खुर्जा रोड पर गुरुवार शाम पैदल टहल रहे थे। तभी अचानक तेज रफ्तार कार ने उनको पीछे से टक्कर मारकर रौंद दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर कार चालक मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में परिवार के लोगों ने पीड़ति को जेवर कस्बे के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत को देखते हुए रेफर कर दिया। जिनकी इलाज के दौरान देर रात को मौत हो गई। मृतक के बेटे ने चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी में लगी रजिस्ट्री शिविर

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी में आज फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए शिविर लगा है। अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निखिल सिंगला ने बताया कि सिविर में 90 से 100 फ्लैट की रजिस्ट्री होने की उम्मीद है।

प्राधिकरण, बिल्डर और रजिस्ट्री विभाग तथा एओए के लोगों के सहयोग से शिविर चल रहा है। उन्होंने बताया कि सोसाइटी में 1228 फ्लैट है। इनमें 295 फ्लैट की रजिस्ट्री शेष रह गई थी। अक्टूबर में लगाए गए शिविर में 75 लोगों की फ्लैट की रजिस्ट्री हुई थी। 75 से 80 लोग कार्यालय जाकर रजिस्ट्री करा चुके हैं। शेष 90 से 100 फ्लैट की रजिस्ट्री शनिवार को होने की उम्मीद है।

वकीलों ने मानव श्रृंखला बनाकर मनाया काला दिवस

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद कोर्ट में 29 अक्टूबर को जिला जज की कोर्ट में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज की घटना का एक माह पूरा हो गया है। इस घटना के विरोध में वकीलों ने काला दिवस मनाते हुए बाररूम से लेकर जिला मुख्यालय के सर्विस रोड पर मानव श्रंखला बनाकर विरोध जताया।

वकीलों ने कोर्ट रूम से लेकर पूरे कचहरी परिसर में मानव श्रंखला बनाकर घटना का विरोध किया व साथ ही जिला जज के ट्रांसफर और दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को दोहराया। बता दें कि इस घटना के विरोध में वकील अपनी मांगों को पिछले एक महीने से आंदोलन कर हैं। आंदोलन कमान अब 51 सदस्यीय गठित आंदोलन संघर्ष समिति के हाथों में हैं। जो आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगी। समिति के गठन के पहले ही दिन वकीलों ने मानव श्रंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया।

वकीलों ने कहा कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाएंगी तब तक वह हड़ताल जारी रखेंगे। सुबह फिर वकीलों ने कोर्ट में कामकाज ठप कराया। इस प्रदर्शन के चलते गाजियाबाद बार में आज भी कामकाज नहीं हो पाया। समिति ने भी कलमबद्ध हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया है।

तीन मौत का जिम्मेदार कौन, जांच शुरू

● औद्योगिक सेक्टर साइट-4 में सोफा कंपनी में लगी थी आग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिला प्रशासन ने औद्योगिक सेक्टर साइट-4 में सोफा बनाने वाली कंपनी आग लगने से तीन लोगों की मौत के मामले में रिपोर्ट तलब की है। इस संबंध में सीएफओ को पत्र भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन कंपनी को नोटिस जारी कर एक्शन लेगा।

दरअसल इस कंपनी के एक हिस्से में सोफा बनाने वाली छोटी कंपनी चल रही थी। जिसमें हादसा हुआ था। इसके अलावा जिलाधिकारी ने एक कमेटी गठित की है। जिसमें सीएफओ के अलावा डिप्टी कलेक्टर और निदेशक कारखाना शामिल है। ये समिति अभियान चलाकर कंपनियों के ले आउट प्लान और फायर एनओसी की जांच करेगा। इसकी रिपोर्ट डीएम को देगी। डीएम मनीष वर्मा ने बताया कि इसके आसपास जितने भी संस्थान या इंडस्ट्रीज चल रही हैं। उनकी एनओसी की एक बार फिर चेक करा रहे है अगर कहीं पर कोई कमी मिलती है, तो इसमें कड़ी कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया जाएगा। बता दे ग्रेटरनोएडा के औद्योगिक क्षेत्र में कई ऐसी फैक्ट्रियां है जो बिना फायर उपकरण और सुरक्षा के चल रही है। इसमें प्लास्टिक , कपड़ा , केमिकल और अन्य ज्वलन शील पदार्थ का उत्पादन होता है। आग लगने के कारण यहां बड़ा हादसा हो सकता है। नेशनल बिल्डिंग कोड के अनुसार इन इकाइयों में आग बुझाने के यंत्र , धुंआ निकासी के लिए उचित व्यवस्था होनी चाहिए। लेकिन यहां ऐसा नहीं है।

कोचिंग संस्थान के 12 करोड़ के उपकरण हड़पे

● नौ लाख लेने के बाद भी नहीं बनवाया रेंट एग्रीमेंट, आरोपी ने प्राधिकरण से खुद किराए पर ली थी इमारत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

दिल्ली की एक नामी कोचिंग संस्थान के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। नोएडा में संस्थान को किराए पर इमारत देने के बाद भवन मालिक ने ताला डाल दिया है।

कोचिंग सेंटर में 12 करोड़ रुपये से अधिक के उपकरण और फर्नीचर हड़प लिए हैं। संस्थान के डायरेक्टर ने थाना सेक्टर-63 पुलिस से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। इंस्टीट्यूट ऑफ गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज इंडिया के नाम से संस्थान है। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. सैयद एस अब्बास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पिछले दिनों उन्हें नोएडा में एक कोचिंग सेंटर स्थापित करना था ताकि नोएडा या उसके आसपास रहने वाले स्टूडेंट्स को दिल्ली न जाना पड़े। इसके लिए सेक्टर-63 के एच ब्लॉक स्थित एक भवन स्वामी से संपर्क हुआ। भवन स्वामी से किराया तय होने के बाद नौ लाख रुपये बैंक खातों से भवन स्वामी को ट्रांसफर दिए। किराए के एग्रीमेंट के लिए वह बार-बार टरकाता रहा। संस्थान की ओर से कोचिंग सेंटर स्थापित कर दिया गया। करोड़ों के उपकरण लगाकर लैब स्थापित की गई। कुछ महीने बाद पता चला कि भवन मालिक के पास जो भवन है वह नोएडा प्राधिकरण से लीज पर लिया हुआ है। आरोप है कि भवन मालिक ने उनके साथ धोखाधड़ी करके नौ लाख रुपए ले लिए और किराए पर भवन दे दिया। संस्थान ने जब भवन खाली करने के लिए कहा तो आरोपी भवन स्वामी ने कोचिंग सेंटर पर ताला डाल दिया।

शिकायतकर्ता का दावा है कि सेंटर में करीब 12 करोड़ रुपए से अधिक के उपकरण और फर्नीचर हैं। आरोप अब एक साल का एडवांस किराया मांग रहा है, उसके बाद ही खाली करने की बात कह रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

5 लाख रुपये लेने के बाद भी नहीं किया जमीन का बैनामा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● महिला समेत छह पर केस दर्ज

दनकौर कोतवाली क्षेत्र के औरंगपुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने महिला समेत 6 लोगों पर रुपये लेने के बाद भी जमीन का बैनामा नहीं करने का आरोप लगाया है।

इस संबंध में पीड़ति ने कोर्ट के आदेश पर गुरुवार देर रात को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। दनकौर पुलिस का कहना है कि मामले में जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पीड़ति जगदीश ने दर्ज कराई शिकायत में कहा है कि उनको करीब एक वर्ष पहले आवासीय प्लॉट की आवश्यकता थी। जिसके चलते दनकौर कस्बा निवासी एक व्यक्ति ने उनको एक शख्स से मिलाया। जो अपने प्लॉट को बेचने जाता था। जिसके चलते पीड़ित ने इकरारनामा के तौर पर उसको करीब 5 लाख दे दिए। पीड़ति का कहना है कई महीने बीत जाने के बाद भी आरोपी द्वारा बैनामा नहीं कराया गया। काफी प्रयास पीड़ित द्वारा किया गया। लेकिन उसके बावजूद भी बैनामा नहीं हुआ। पीड़ति का कहना है कि आरोपी पक्ष ने रुपये मांगने पर मांगने पर उनके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दे डाली। आरोप है कि शिकायत के बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके चलते पीड़ित ने कोर्ट का दरवाजा खटखटा।

मार्शल बहाली पर आप-भाजपा में तीखी नोंकझोक

● विधानसभा मे दोनों दलों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए

विस सत्र के पहले दिन सदन की ओर जाती सीएम आतिशी। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के पांच साल के कार्यकाल के अंतिम सत्र के पहले दिन शुक्रवार को बस मार्शलों को हटाने के मुद्दे पर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि मार्शलों को बहाल करने का प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास लंबित है।

इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेते हुए आतिशी ने कहा कि अगर उपराज्यपाल वीके सक्सेना 10,000 बस मार्शलों की बहाली के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए राजी हो जाएं तो आम आदमी पार्टी (आप) रोहिणी विधानसभा सीट से विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारेगी। हल्के-फुल्के अंदाज में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यदि गुप्ता प्रस्ताव उपराज्यपाल से स्वीकृत करा देते हैं तो वह चुनाव में उनके लिए प्रचार करेंगी। उन्होंने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का बचाव किया, जिन पर भाजपा ने नवंबर 2023 से बस मार्शलों को हटाने का निर्देश देने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि 20 अक्टूबर 2023 को लिखे अपने पत्र में केजरीवाल ने कहा था कि बस मार्शलों को नहीं हटाया जाना चाहिए और उनके वेतन का भुगतान रोकने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

सत्तारूढ़ आप विधायकों ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने उपराज्यपाल के जरिए बस मार्शलों को हटवाया और इस तरह उनके परिवारों के लिए आजीविका की समस्या पैदा कर दी।

भाजपा विधायकों ने पलटवार करते हुए कहा कि बस मार्शलों को तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल के निर्देश पर हटाया गया था और अब आप उनकी बहाली को लेकर राजनीति कर रही है। भाजपा विधायक अभय वर्मा ने सत्तारूढ़ पार्टी से सवाल किया कि अगर वह बस मार्शलों को उनकी नौकरी वापस नहीं दे सकती तो वह सत्ता में क्यों है। गुप्ता ने आतिशी से जवाब मांगते हुए कहा कि आप सरकार ने बस मार्शलों को तैनात किया और फिर उन्हें हटा दिया। विपक्ष के नेता ने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि सत्तारूढ़ पार्टी कह रही है कि विपक्षी भाजपा को बस मार्शलों को उनकी नौकरी वापस देनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि बस मार्शलों को नियमित करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा सुझाई गई समिति अभी तक गठित नहीं की गई है।

शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुप्ता पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने बस मार्शलों की बहाली के लिए मुख्यमंत्री के साथ उपराज्यपाल से मिलने से बचने की कोशिश की।

आतिशी गुमराह करना बंद करें : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शुक्रवार को कहा कि विधानसभा में मुख्यमंत्री आतिशी ने भी दिल्ली की जनता खासकर बस मार्शलों को गुमराह करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि एलजी ने अक्टूबर अंत में स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था की सिविल डिफेंस वॉलंटियरस को 4 माह के लिये प्रदूषण नियंत्रण ड्यूटी पर लगाया जाये और इस बीच में दिल्ली सरकार वॉलंटियरस की सेवाएं नियमित करने का प्रशासनिक प्रस्ताव तैयार करें। भाजपा नेता ने कहा कि आतिशी ने विधानसभा की बैठक का लम्बे राजनीतिक भाषण के लिए तो इस्तमाल किया पर वॉलंटियरस की ड्यूटी कब कैसे नियमित होगी इसपर एक शब्द नही बोला। उन्होंने कहा है की सीएम आतिशी बस मार्शलों को गुमराह करना बंद करें उनकी सेवाएं नियमित करने के लिए बना प्रशासनिक प्रस्ताव सार्वजनिक करें।

'विपक्ष की आवाज दबा रही है सरकार'

● नियम 280 के तहत भाजपा विधायकों के प्रस्ताव स्वीकार करने के बावजूद उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया गया : विजेंद्र गुप्ता

सदन के बाहर नारेजारी करते नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता व अन्य विधायक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आम आदमी पार्टी की सरकार पर विपक्षी विधायकों की आवाज को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आप सरकार द्वारा अपनी गलतियों और असफलताओं को छुपाने के लिए भाजपा विधायकों को सदन में बोलने का मौका नहीं दिया गया।

नियम-280 के अंतर्गत भाजपा विधायकों ओम प्रकाश शर्मा, मोहन सिंह बिष्ट, जितेंद्र महाजन, अभय वर्मा, अजय महावर और अनिल बाजपेई द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को दिए गए नोटिस को स्वीकार करने के बावजूद उन्हें सदन में बोलने और उसकी चर्चा करने की अनुमति नहीं दी गई। गुप्ता ने आरोप लगाया कि विपक्ष को बोलने का मौका न देने की मंशा के चलते लोकसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल द्वारा नियम-280 के प्रावधान को ही सदन की कार्यवाही से निकाल दिया गया । विरोधस्वरूप विपक्षी विधायकों ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा के विपक्ष अरविंद केजरीवाल के शीशमहल पर करोड़ों रुपये के भोग-विलासिता के संसाधन जुटाये जाने, रोहिंग्याओं को वोटर कार्ड जारी करने और उन्हें वोटर लिस्ट में शामिल करने, कैग की लंबित पड़ी 14 रिपोर्टस को सदन पटल में रखने जैसे मुद्दों पर चर्चा करना चाहता था और सरकार से इन सभी मुद्दों पर जवाब मांगना चाहता था, लेकिन सत्तापक्ष आम आदमी पार्टी की ओर से उनकी आवाज को दबा दिया गया और उन्हें इन मुद्दों पर बोलने की अनुमति नहीं दी गई। सरकार का यह रवैया शर्मनाक है । आम आदमी पार्टी अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाहती है और इसीलिए इस सत्र में प्रश्नकाल का प्रावधान ही नहीं रखा गया। इस साल विधानसभा के जितने भी सत्र बुलाये गए उसमें एक बार भी प्रश्नकाल की व्यवस्था नहीं की गई।

यह विधायकों के संवैधानिक अधिकारों का हनन है । विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के प्रति उत्तरदायी होते हैं और यह सदन ही एक ऐसा मंच है जिसके माध्यम से सभी विधायक प्रश्नकाल में अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हैं और उसके समाधान की मांग करते हैं।

विधानसभा में कैग रिपोर्ट पेश करने में देरी से एलजी नाराज

● उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर जताई चिंता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट विधानसभा में पेश करने में देरी पर मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर चिंता जताई है। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह सार्वजनिक जांच से बचने के लिए जानबूझकर कई रिपोर्ट को दबाकर बैठी है।

पत्र में कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए सक्सेना ने कहा कि सीएजी (कैग) कार्यालय की ओर से त्वरित कार्रवाई के अनुरोध वाले कई अनुस्मारक भेजे गए हैं। सक्सेना ने लिखा, मैं सीएजी रिपोर्टों को विधानसभा के पटल पर न रखे जाने के मुद्दे पर आपका तत्काल ध्यान आकर्षित करने के लिए लिख रहा हूं, जो सत्ता में सरकार की जवाबदेही के संवैधानिक ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि रिपोर्ट शुक्रवार को विधानसभा में पेश नहीं की गई, जबकि फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इसके आखिरी सत्र होने की संभावना है। सक्सेना ने इस देरी को संवैधानिक रूप से घोर अनुचित कृत्य बताया।

पत्र में उन्होंने लिखा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार ने जानबूझकर इस संवैधानिक मानदंड का पालन नहीं करने का फैसला किया है, ताकि सरकार के प्रदर्शन के खुलासे और सार्वजनिक जांच से बचा जा सके।

उपराज्यपाल ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समक्ष बार-बार उठाया। सक्सेना ने आतिशी की तारीफ भी की और कहा, आप शानदार शैक्षणिक योग्यता रखने वालीं एक कुशल राजनीतिक नेता हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप मेरी सलाह मानेंगी और विधानसभा के चालू सत्र के दौरान जनता के भरोसे को बरकरार रखेंगीं।

अधिकारियों के अनुसार, जून 2022 से प्राप्त 12 सीएजी रिपोर्ट अभी तक पेश नहीं की गई हैं। ये रिपोर्ट राज्य के वित्त, वाहन से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम, सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, शराब विनियमन और 2020-21 के वित्तीय खातों जैसे प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित हैं।

सिख दंगा: सज्जन कुमार पर फैसला 16 दिसंबर को

● सरस्वती विहार इलाके मे दो लोगो की हुई थी हत्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत 1984 के सिख-विरोधी दंगों के सिलसिले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ हत्या के एक मामले में 16 दिसंबर को अपना फैसला सुनाएगी।

यह मामला सिख-विरोधी दंगों के दौरान सरस्वती विहार इलाके में दो लोगों की कथित हत्या से जुड़ा है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को शुक्रवार को आदेश पारित करना था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इसे टाल दिया कि फैसला तैयार नहीं है। अदालत ने एक नवंबर, 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से संबंधित मामले में अंतिम दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। हालांकि पंजाबी बाग पुलिस स्टेशन ने शुरू में मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जांच अपने हाथ में ले ली थी। अदालत ने 16 दिसंबर, 2021 को कुमार के खिलाफ आरोप तय किए, जिसमें उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला पाया गया।

सड़क का एक हिस्सा धंसने से अशोक रोड पर यातायात प्रभावित

नई दिल्ली। लुटियंस दिल्ली के अशोक रोड पर शुक्रवार सुबह सड़क का एक हिस्सा धंस जाने से यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विंडसर प्लेस के पास सड़क धंस जाने के कारण अशोक रोड पर यातायात प्रभावित है। यह मार्ग सी-हेक्सागन से विंडसर प्लेस की ओर जाता है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र से वाहनों की आवाजाही न हो इसलिए यहां अवरोधक लगा दिए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि गड्ढे को ढंक दिया गया है जिससे मार्ग के इस हिस्से पर यातायात को सुचारु किया जा सके। उन्होंने बताया कि शेष काम बाद में किया जाएगा।सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि सड़क धंस जाने के कारण वहां एक बस फंस गई, हालांकि बाद में क्रेन की मदद से उसे हटा दिया गया।

चोरी के मामले में पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। अलग-अलग स्थानों पर लाखों की चोरी के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पहला मामला नजफगढ तो दूसरा कल्याणपुरी का है। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि गत 12 नवंबर को नजफगढ़ थाने में चोरी की शिकायत मिली थी। आरोपी सोने व चांदी के लाखों के गहने चुरा ले गए थे। त्रिलोकपुरी में पीड़ित अजय कुमार अपने घर में ताला बंद करके वह परिवार समेत कहीं गए हुए थे।

अहिल्याबाई ने की संस्कृति की पुर्नस्थापना

● पुस्तक विमोचन और व्याख्यान का आयोजन

पायनियर समाार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज में शुक्रवार को शैक्षिक फाउंडेशन एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संयुक्त संयोजन में 'अहिल्याबाई होल्कर-एक आदर्श साम्राज्ञी' पुस्तक का विमोचन एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अतिथि ज्योति चौथाईवाले ने अपने वक्तव्य में कहा अहिल्याबाई होल्कर का जीवन मातृत्व, कृत्रित्व, व्यक्तित्व की उदाहरण व भारतीय बोध से परिपूर्ण है। प्रो. शशिकला वंजारी (कुलपति, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान) ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर जनता की समस्याओं का समाधान करते हुए वे लोकमाता कहलाईं। मुख्य अतिथि प्रो. शशिप्रभा कुमार ने कहा कि यह पुस्तक अहिल्याबाई होल्कर के लोकमाता, साम्राज्ञी, युद्धकला में निपुड़ता, जीवन संघर्ष, करुणामयी जीवन, परोपकारी जीवन, दूरदृष्टि आदि का संक्षिप्त दस्तावेज है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रो. गीता भट्ट (महामंत्री, एबीआरएसएम एवं निदेशक, एनसीडबल्यूईबी ने सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महेंद्र कपूर, प्राचार्य प्रो. दिनेश खट्टर, प्रो. मनोज सिन्हा, प्रो. राकेश पाण्डेय, प्रो. मनोज खन्ना, प्रो. राजीव अग्रवाल, प्रो. अवधेश कुमार मौजूद रहे।

मुनरिका में वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़, पांच महिलाओं को बचाया

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम हिस्से में वेश्यावृत्ति के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच महिलाओं को बचाया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में 45 वर्षीय एकमहिला को गिरफ्तार किया गया है। वह दलाल का काम करती थी।

उन्होंने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सबूत जुटाने के लिए फर्जी ग्राहकों का इस्तेमाल किया और 26 नवंबर को मुनिरका गांव में रामा बाजार के पीछे एक घर में छापेमारी कर वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़ किया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी महिला को फर्जी ग्राहक से दो हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। इस गिरोह से बचाई गई सभी महिलाओं की उम्र 24 से 36 वर्ष के बीच है और वे पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं।

आप सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन

● विरोध में टीएमसी के सासंद भी शामिल हुए, बाकी दलों का भी साथ लेंगे : संजय सिंह

कानून व्यवस्था को लेकर संसद के बाहर नारेबाजी करते संजय सिंह व अन्य।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की कानून-व्यवस्था को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों ने संसद परिसर में शुक्रवार को प्रदर्शन किया। आप सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में इंडिया गुट के घटक दल टीएमसी के सांसद भी मौजूद रहे।

सभी सांसदों ने केंद्रीय गृह मंत्री और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सांसदों ने गृहमंत्री से दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सदन में आकर जबाव देने की मांग की। सिंह ने कहा कि राजधानी अपराधों की राजधानी बन गई है। इस पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को जबाव देना चाहिए।

सिंह ने कहा कि उन्होंने सदन में नोटिस देकर गृह मंत्री से दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर जवाब देने की मांग की है। संजय सिंह ने कहा कि राजधानी दिल्ली में वैसे हालत हैं, जैसे 90 के दशक में माफिया के राज में मुंबई में होते थे। वो स्थिति राजधानी में बन चुकी है। इसलिए शुक्रवार को 267 का नोटिस दिया है कि सदन में आकर गृह मंत्री कानून-व्यवस्था पर जवाब दें। यहां पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रहते हैं। गृह मंत्री की नाक के नीचे उनके घर के आसपास के दस किलोमीटर के अंदर रोज हत्या हो रही है, बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं। लेकिन केंद्र इसे संभालने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं।

जनता चाहती है कांग्रेस सत्ता में आए : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली न्याय यात्रा के चौथे चरण में 22वें दिन राष्ट्रीय ध्वज फहराकर न्याय यौद्धाओं के साथ मुखर्जी पार्क सब स्टेशन राजौरी गार्डन विधानसभा से यात्रा को लेकर आगे बढ़े।

देवेंद्र यादव ने कहा कि अभी 50 विधानसभाओं में मिली सफलता के बाद दिल्ली न्याय यात्रा के साथ अधिक संख्या में दिल्ली की जनता, कांग्रेस समर्थक, कांग्रेस कार्यकर्ता और न्याय यौद्धा अधिक उर्जावान दिखाई दे रही थी। दिल्ली न्याय यात्रा में उत्साहित जनसमूह की मौजूदगी के बाद साबित हो रहा है कि दिल्ली की जनता यह निर्णय ले चुकी हैं कि सत्ता परिवर्तन और बदलाव का अकेला विकल्प कांग्रेस पार्टी है। न्याय यात्रा में प्रदेश सांसद रमेश कुमार, अमरिन्दर सिंह राजा वडिंग, सुखविन्दर सिंह आदि शामिल रहे।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर, 201308 (उ.प्र.)
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक:- वाई0ई0ए0/GM(P)/2024/974 दिनांक: 28.11.2024

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्र सरकार/राज्य सरकार/केन्द्र शासित/अर्द्धशासित/सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यों का कम से कम चार वर्ष का अनुभव रखने वाले ठेकेदारों/फर्मों से ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है। ई-प्रीक्योरमेंट सोल्यूशन द्वारा निविदायें द्वित्तरीय पद्धति से खोली जायेगी।
कार्यालय आदेश संख्या : वाई.ई.ए./GM(P)/2024/973 दिनांक 28.11.2024 के अनुपालन में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की कार्यों में संविदाकार द्वारा बिल ऑफ क्वान्टिटी (बी0ओ0क्यू0) पर डाले गये 10 प्रतिशत कम दरों तक 0.5 प्रतिशत प्रति एक प्रतिशत कम दर पर तथा उसके पश्चात 10 प्रतिशत से अधिक कम दरों पर 1.00 प्रतिशत प्रति एक प्रतिशत कम दर पर सिक्योरिटी/परफॉर्मेन्स गारन्टी प्राप्त की जायेगी तथा परफॉर्मेन्स गारन्टी एफ0डी0आर0/सी0डी0आर0/बैंक गारन्टी/एन0एस0सी0 के रूप में न्यूनतम संविदाकार द्वारा अनुबन्ध गठन से पूर्व देनी होगी, जो कार्य के अन्तिम बीजक होने के बाद वापिस होगी।

क्रम सं0	कार्य का नाम/वर्क सर्किल	अनुमानित लागत
1	Providing and fixing of water supply in affordable houses, sector-22D (group-J&G) YEA WC-2	रु. 34.25 लाख
2	Annual maintenance & Repair work of 120M wide road (CH.4.00-8.20km) in sector-22D YEA WC-2	रु. 37.81 लाख
3	Annual maintenance & Repair work of 120M wide road (CH.4.00-8.20km) in sector-22D YEA WC-2	रु. 40.62 लाख
4	Construction guard room for main gate of LIG, MIG and affordable housing in sector-22D, YEA Wc-02	रु. 18.61 लाख
5	Pond Rejuvention in village suhedi mahiuddinpur, YEA Wc-06	रु. 10.74 लाख

जिन्हें दिनांक 04.12.2024 से 16.12.2024 को 5:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालीफिकेशन दिनांक 18.12.2024 को प्रातः 11:00 बजे खोली जायेगी।

क्रम सं0	कार्य का नाम/वर्क सर्किल	अनुमानित लागत
6	Miscellaneous necessary civil maintenance work of villages Zone-3 in YEIDA WC-6	रु. 12.42 लाख
7	Construction of boundery wall for kabristan in village Unchi Dankaur, YEA Wc-06	रु. 23.42 लाख
8	Pond Rejuvenation in village-Latifpur Bangar, YEA Wc-06	रु. 11.25 लाख
9	Pond Rejuvenation in village-faleda bangar, Yea. Wc-06	रु. 23.26 लाख
10	C/o R.C.C Drain in village-kallupura, YEA WC-6	रु. 11.97 लाख

जिन्हें दिनांक 05.12.2024 से 16.12.2024 को 5:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालीफिकेशन दिनांक 19.12.2024 को प्रातः 11:00 बजे खोली जायेगी।
1. निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश इलैक्ट्रानिक्स कारपोरेशन की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर देखे जा सकते हैं। इच्छुक ठेकेदारों से अनुरोध है कि वे नियमित रूप से उक्त वेबसाइटों को देखते रहें क्योकि निविदाओं के सम्बन्ध में कोई बदलाव अथवा अतिरिक्त सूचना वेबसाइट पर ही उपलब्ध करायी जायेगी।
महाप्रबन्धक (परियोजना)

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लान के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

प्रदूषण, ग्रैप-4 की मार से कारोबार व उद्योग प्रभावित

● पिछले 1 महीने में लगभग 2500 करोड़ रुपए के व्यापार का नुकसान

● बाजार में मंदी के कारण दुकानदार भी थोक व्यापारियों से नहीं खरीद रहे माल

संजय राय। नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में बढ़ रहे वायु प्रदूषण का बुरा असर दिल्ली के व्यापार और उद्योग पर भी पड़ रहा है। प्रदूषण के कारण लगे ग्रैप 4 और अन्य प्रतिबंधों के कारण व्यावसायिक वाहन और बड़ी संख्या में हल्के वाहन भी नहीं चल पा रहे हैं। दिल्ली के बाहर से आने वाले वाहनों में भी काफी कमी आई है, इसका सीधा असर व्यापार, उद्योग और पर्यटन पर पड़ रहा है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया कि खराब वायु गुणवत्ता का असर खुदरा बाजारों पर भी देखने को मिल रहा है। वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब और गंभीर श्रेणी के बीच है। जिसके चलते अधिकांश लोग खरीदारी के लिए बाजारों में आने से परहेज कर रहे हैं। जहां रोजाना दिल्ली एनसीआर से 3 से 4 लाख लोग खरीददारी के लिए राष्ट्रीय राजधानी आते थे , प्रदूषण के कारण इनकी संख्या घटकर 1 लाख रह गई है। इसके साथ ही दिल्ली के स्थानीय खरीददार भी बाजारों में आकर खरीददारी करने से बच रहे हैं और ऑनलाइन खरीददारी को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसके कारण रोजाना दिल्ली के व्यापार को लगभग 100 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। पिछले एक महीने में लगभग 2500 करोड़ रुपए के व्यापार के नुकसान का अनुमान है।

सीटीआई महासचिव गुरमीत अरोड़ा और वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग ने बताया कि निर्माण कार्यों पर भी प्रतिबंध के कारण काम में देरी हो रही है जिससे लागत बढ़ने की आशंकाएं है, इसके अलावा मजदूरों के सामने भी रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। गोयल ने बताया कि ये शादी और पर्यटन का सीजन है लेकिन दिल्ली में 200 से अधिक इवेंट्स प्रदूषण के कारण स्थगित हो गये है और बाहर के लोग भी इस समय इवेंट्स और कार्यक्रम करने से परहेज कर रहे हैं।

बिहार का ईनामी गैंगस्टर मुठभेड़ में ढेर

बदमाश सरोज राय ने पुलिस पर की फायरिंग, बुलेटप्रुफ जैकेट से बचे पुलिस अधिकारी

- गुरुग्राम और बिहार पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई
- बिहार में जदयू के विधायक को जान से मारने की दी थी धमकी

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गैंगस्टर सरोज राय। (फाइल फोटो)

बिहार के सीतामढ़ी जिले के रून्नी सैदपुर से जनता दल यूनाइटेड के विधायक पंकज कुमार मिश्रा को जान से मारने की धमकी देने के आरोपी ईनामी गैंगस्टर सरोज राय का गुरुग्राम में एन्काउंटर कर दिया गया। गुरुग्राम व बिहार पुलिस ने गांव बार गुर्जर के पास उसे मुठभेड़ में ढेर किया। इस मुठभेड़ में एसटीएफ का एक कांस्टेबल घायल हुआ, वहीं दो पुलिस अधिकारी बुलेटप्रुफ जैकेट के कारण बच गए। गैंगस्टर पर दो लाख रुपये का ईनाम रखा गया था। मात्र 26 साल का गैंगस्टर सरोज राय अपने पास एके-56 गन भी रखता था।

बिहार एसटीएफ की ओर से गैंगस्टर सरोज राय के बारे में गुरुग्राम पुलिस को जानकारी दी गई थी कि वह इस क्षेत्र में छिपा हुआ है। इन्चार्ज अपराध शाखा मानेसर उप-निरीक्षक ललित कुमार अपनी टीम के साथ गांव बार-गुर्जर से नौरंगपुर गांव जाने वाले रास्ते पर तैनात थे। इसी दौरान वहां पर एक बाईक पर सवार होकर दो व्यक्ति आ रहे थे। जैसे ही वे पुलिस नाके पर पहुंचे तो पुलिस को देखकर अपनी बाइक घुमाई। बिहार व हरियाणा दोनों राज्यों की पुलिस ने उसे बार-गुर्जर पुलिस चौकी क्षेत्र में घेरते हुए पकड़ने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान गैंगस्टर ने पुलिस पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी। अपने बचाव में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की।

इसी बीच गोली गैंगस्टर सरोज राय को गोली लगी, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। इस मुठभेड़ में बिहार पुलिस के एक कांस्टेबल को भी गोली लगी। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के दौरान एसटीएफ बिहार और गुरुग्राम पुलिस के ऑपरेशन इंचार्ज पर भी गोलियां दागी गई। बुलेटप्रुफ जैकेट पहने होने के कारण उनकी जान बच गई।

सरोज पर दर्ज हैं 30 से अधिक केस

गैंगस्टर ने बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के एक विधायक से ठेकेदार को काम देने तथा जान से मारने की धमकी दी थी। बिहार एसटीएफ को उसकी तलाश थी। बिहार पुलिस की ओर से आरोपी गैंगस्टर सरोज राय पर दो लाख रुपये का ईनाम भी रखा गया था। गैंगस्टर सरोज राय पर 30 से ज्यादा मुकदमें दर्ज हैं। विधायक से रंगदारी मांगे जाने के बाद से गैंगस्टर बिहार पुलिस के रडार पर था। पुलिस ने पहले तो उस पर 50 हजार रुपये का ईनाम रखा और फिर दो लाख रुपये का ईनाम रखा गया। बिहार एसटीएफ से बचते हुए उसे गुरुग्राम आकर पनाह ली।

गुरुग्राम में बड़ी वारदात करने आया था राय

एसीपी अपराध गुरुग्राम वरुण दहिया के मुताबिक गुरुग्राम पुलिस से बिहार पुलिस ने संपर्क साधा था। बिहार पुलिस की ओर से गैंगस्टर सरोज राय के बारे में हरियाणा में होने की सूचना दी गई थी। बिहार पुलिस व गुरुग्राम पुलिस ने सांझा ऑपरेशन किया। इस मुठभेड़ में बिहार पुलिस के कांस्टेबल के हाथ में गोली लगी। बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने की वजह से पुलिस के दो अधिकारी बच गए। गैंगस्टर को भी गोलियां लगी, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। गैंगस्टर को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने जारी किया यातायात प्रहरी नंबर-9999981800

गुरुग्राम। अगर कोई यातायात के नियम तोड़ता है तो उस पर गुरुग्राम में हर व्यक्ति नजर रख सकता है। उसकी शिकायत यातायात पुलिस को कर सकता है। इसके लिए यातायात पुलिस ने यातायात प्रहरी नाम से मोबाइल नंबर-9999981800 जारी किया है। यातायात नियमों की उल्लंघना को लेकर यातायात पुलिस आम जनता की मदद लेगी। आम जनता सोशल मिडिया के साथ-साथ यातायात प्रहरी नम्बर-9999981800 पर यातायात नियमों का उल्लंघना करने वालों की विडियो, फोटो शेयर कर सकती है। उस शिकायत पर यातायात पुलिस जरूर कार्रवाई करेगी। यातायात पुलिस द्वारा दिए गए वाट्सएप नम्बर-9999981800 या सोशल मिडिया के माध्यम से कोई भी नागरिक यातायात नियमों को तोडने वालों की विडियो व फोटो दे सकता है।

यातायात पुलिस उपायुक्त विरेन्द्र विज के मुताबिक लोग अपने मोबाईल में यातायात प्रहरी नाम से नंबर-9999981800 सेव कर सकते है। इसके बाद वाट्सएप में इस नम्बर पर वह यातायात नियमों की उल्लंघना की फोटों व वीडियो प्रशासन के साथ साझा कर सकते है। इसमें यह ध्यान देने वाली बात है कि कार्यवाही के लिए जो फोटो व विडियो क्लिक करें, उसमें समय व लोकेशन होना जरूरी है। ऐसे में इसके लिए प्ले स्टोर पर जी.पी.एस. मैप कैमरा या टाइम स्टैंपिंग कैमरा नाम से ऐपलिकेशन इंस्टाल कर सकते है।

कूड़ा कलेशन कर रहे निजी वाहन होंगे जब्त

- दिल्ली से अवैध रूप से गुरुग्राम आती हैं कूड़े की गाड़ियां
- मंडलायुक्त ने शहर में सफाई अभियान की नोडल अधिकारियों संग की समीक्षा
- चार सदस्यीय कमेटी बनाकर एक्शन लेने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सफाई अभियान के नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक लेते मंडलायुक्त आरसी बिढान, साथ में विधायक मुकेश शर्मा।

शहर में जहां कहीं भी प्राइवेट लोग डोर-टू डोर कूड़ा कलेशन करके लोगों से पैसे ले रहे हैं, ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उनके वाहनों को जब्त किया जाएगा। गुरुग्राम में कूड़ा उठान को लेकर दिल्ली से अवैध रूप से गाड़ियां लेकर लोग आते हैं। इन पर कार्रवाई करने के लिए चार सदस्यीय कमेटी बनाकर एक्शन लिया जाएगा।

शहर में सफाई अभियान के नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में मंडलायुक्त आर.सी. बिढान ने निर्देश दिए कि सफाई अभियान की मॉनिटरिंग के लिए नियुक्त सभी संबंधित अधिकारी अपने वार्ड में सुबह व शाम के समय सफाई कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर जरूर चेक करें। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार एक्शन लिया जा सके। समीक्षा बैठक में विधायक मुकेश शर्मा ने बताया कि गुरुग्राम में अवैध रूप से दिल्ली से आने वाला कूड़ा शहर की सफाई व्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। मध्यरात्रि के समय गुरुग्राम के बजघेड़ा, सेक्टर-21, वजीराबाद व कार्टरपुरी में निरन्तर रूप से दिल्ली से आने वाले गाड़ियों द्वारा कूड़ा डंप किया जा रहा है।

जीवी पॉइंट्स व सेकंडरी पॉइंट्स पर हों ट्रॉली व डंपर: समीक्षा बैठक में मंडलायुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि शहर में जितने भी जीवी पॉइंट्स व सेकंडरी पॉइंट्स है, वहां 24 घण्टे ट्रॉली व डंपर अवश्य खड़े हों। उन्होंने सैनेटरी इंस्पेक्टर्स की कार्यशैली से नाराजगी जताते हुए उन्हें रविवार तक सभी चिन्हित स्थानों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए।

मंडलायुक्त ने कहा कि सफाई की स्पष्ट परिभाषा यही है कि संबंधित क्षेत्र में 24 घंटे सातों दिन कूड़े का एक भी अंश दिखाई ना दे। उन्होंने कहा कि अभियान में नियुक्त अधिकारी उक्त परिभाषा के लक्ष्यों के साथ प्लानिंग करेंगे तो आमजन के सहयोग से हम जल्द ही अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे।

दुकानदारों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करें

मंडलायुक्त ने विधायक की शिकायत पर शहर में दुकानों के बाहर कूड़े का सही तरीके से निस्तारण नहीं किए जाने के संबंध में निगम अधिकारियों को ऐसे दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निगम अधिकारी सभी दुकानदारों को आगाह करते हुए यह सुनिश्चित करें कि वे दुकानों के बाहर डस्टबीन जरूर रखे। इसके बाद भी यदि कोई दुकानदार नियमों की अवहेलना करता है तो उसका चालान किया जाए। बैठक में विधायक ने बताया कि गांव चकरपुर के प्रवेश द्वार पर प्राइवेट संस्थानों द्वारा निरन्तर कूड़ा डाला जा रहा है। जिससे उस रास्ते पर लोगों की आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। मंडलायुक्त ने इस विषय पर संज्ञान लेते हुए संबंधित स्थान कि सफाई के साथ ही अगले एक हफ्ते तक वहां मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए।

चुन्नी से गला घोंटकर की थी पत्नी की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- अदालत ने आरोपी को सुनाई उम्रकैद की सजा

नाबालिग पत्नी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या करने के आरोपी पति को अदालत ने दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। उसे पोक्सो एक्ट के तहत उम्र कैद (कठोर कारावास) व हत्या की धारा 302 के तहत उम्र कैद (कठोर कारावास) व एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

पुलिस के अनुसार 2 फरवरी 2019 को डीएलएफ थाना फेज-3 क्षेत्र में किराये पर रहने वाली एक लड़की की हत्या हो गई थी। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फिंगरप्रिंट टीम व फॉरेन्सिक टीमों से घटनास्थल का निरीक्षण कराकर लड़की के शव को कब्जे में लिया। मृतक लड़की के पिता ने पुलिस को शिकायत देकर कहा कि उसकी लड़की को मई 2018 में धर्मेंद्र नामक युवक शादी करने के लिए भगाकर लाया था। पिता ने बताया कि बाद में उसकी लड़की का फोन आया जिसमें उसकी लड़की ने बताया कि वह धर्मेंद्र के साथ गुरुग्राम में रह रही है। उसने यह भी बताया कि धर्मेंद्र उसके साथ मारपीट करता है। एक सितंबर 2019 को उसको सूचना मिली कि उसकी लड़की मृत अवस्था में किराए के मकान में पड़ी है। उसकी उसके पति ने हत्या की है। इस शिकायत पर थाना डीएलएफ फेज-3 में केस दर्ज किया गया। अपराध शाखा सेक्टर-40 की पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी पति को शंकर चौक के पास से काबू कर लिया। आरोपी की पहचान धर्मेन्द्र पुत्र भगवानदास निवासी छारहौली, थाना सिरसगंज, जिला फिरोजाबाद, उत्तर-प्रदेश, उम्र 23 वर्ष के रूप में हुई।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका पत्नी से झगड़ा रहता था। झगड़े के चलते वह उससे रंजिश रखने लगा था। उसने 28/29 जनवरी 2019 की रात को सोते समय अपनी पत्नी की उसी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी।

मैं जुलाना में ही हूं, जिंदा हूं और कहीं गुमशुदा नहीं हूं : विनेश फोगाट

जींद। जिले के जुलाना विधानसभा से कांग्रेस विधायक और ओलंपियन विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए लापता विधायक की तलाश संबंधी पोस्टर मामले में कहा कि वह क्षेत्र में ही हैं और जिंदा हैं तथा गुमशुदा नहीं हैं। विनेश ने कहा, मैं जुलाना में ही हूं, जिंदा हूं और कहीं गुमशुदा नहीं हूं। मैं अपनों के बीच रही हूं और अपनों के बीच ही रहूंगी। एक महीने में कोई गुमशुदा नहीं हो जाता। कांग्रेस विधायक ने जींद स्थित अपने कार्यालय पर लोगों की समस्याएं सुनी और कहा कि जुलाना को विकास के मामले में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा।

जेसी बोस विश्वविद्यालय ने जरूरतमंदों के सहयोग के लिए की 'जॉय ऑफ गिविंग' अभियान की शुरुआत

फरीदाबाद। युवाओं में परोपकार की भावना पैदा करने के प्रयास के तहत जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा 'जॉय ऑफ गिविंग' अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य पुराने कपड़े, जूते, किताबें और स्टेशनरी जैसी पुरानी वस्तुओं को इकट्ठा करना है, जिन्हें जरूरतमंद क्षेत्रों और अनाथालयों में दान किया जा सके। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. मुनीश वशिष्ठ की देखरेख में आयोजित इस पहल का नेतृत्व प्रो. सोनिया बंसल कर रही हैं। इस अभियान को विभिन्न क्लबों से जुड़े संकाय सदस्य तथा स्टूडेंट वालंटियर्स सफल बनाने के लिए प्रयासरत हैं। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि यह पहल विश्वविद्यालय के मूल मूल्यों की एक सुंदर अभिव्यक्ति है।

गुरुग्राम में एक दिसंबर से प्रभावी होंगे नए कलेक्टर रेट

- डीसी ने उपमंडल व राजस्व अधिकारियों संग बैठक कर दिए निर्देश
- आवासीय, कृषि और वाणिज्यिक भूमि के नए कलेक्टर रेट में 10 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में 1 दिसंबर से नए कलेक्टर रेट लागू किए जाएंगे। जिला में एक दिसंबर से लागू किए जा रहे यह नए रेट 31 मार्च 2025 तक पर प्रभावी रहेंगे। इस संबंध में शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सभी उपमंडल अधिकारियों, राजस्व विभाग के अधिकारियों संग बैठक कर डीसी अजय कुमार ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीसी अजय कुमार ने कहा कि कहा कि जिला में 1 दिसंबर से आवासीय, कृषि और वाणिज्यिक भूमि के लागू किए जा रहे नए कलेक्टर रेट में 10 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। जिसमें संबंधित क्षेत्र की मार्केट वैल्यू का भी ध्यान रखा गया है। जिला में कुछ ऐसे प्रमुख क्षेत्र भी थ, जहां मार्किट वैल्यू का भाव अत्यधिक था। ऐसे में उक्त स्थानों के कलेक्टर रेट में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि जमीनों की खरीद-फरोख्त को लेकर कलेक्टर रेट बेहद अहम होता है। अलग अलग स्थानों पर वहां के हालात और मार्केट रिसर्च के बाद ही वैल्यू कमेटी अपनी रिपोर्ट देती है। जिसके बाद राजस्व विभाग और राज्य सरकार रेट बढ़ाने की रिपोर्ट को अंतिम मंजूरी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि जिले में एक दिसंबर से लागू किए जा रहे नए रेट प्रशासन की वेबसाइट गुरुग्रामडॉटजीओवीडॉटइन पर उपलब्ध हैं।

डीसी ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी तहसीलों में निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन ना हो।

संक्षिप्त समाचार

देवी लाल वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष संदीप गर्ग के कुशल मार्गदर्शन और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव रीतू यादव के निर्देशन में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर ताऊ देवी लाल वृद्धाश्रम, एनएच-2, डी-ब्लॉक, एनआईटी, फरीदाबाद में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर में अमृता अस्पताल, सेक्टर 81, फरीदाबाद और केदार अस्पताल, एनआईटी फरीदाबाद की चिकित्सा टीमों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। अमृता अस्पताल की ओर से डॉ. निशा, डॉ. मोहित तेवतिया, शिवम (सहायक प्रबंधक), मोहित राणा (वरिष्ठ कार्यकारी) और उनकी टीम उपस्थित रही। वहीं, केदार अस्पताल से डॉ. विनोद और उनकी टीम ने भी शिविर में भाग लिया। शिविर का उद्घाटन मुख्यातिथि के तौर पर समाज सेविका सुनीता गर्ग और विशिष्ट अतिथि सुमन यादव ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद वृद्धाश्रम के प्रबंधक कृष्ण लाल बजाज ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि सुनीता गर्ग ने स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और शिविर के माध्यम से किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने वृद्धाश्रम के निवासियों से बातचीत की और उनकी स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने वृद्धाश्रम के वरिष्ठ नागरिकों को फल वितरित किए। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में 60 वरिष्ठ नागरिकों ने स्वास्थ्य लाभ लिया।

सीएम ने समाधान शिविर की कार्यशैली का लिया फीडबैक

गुरुग्राम। शुक्रवार को समाधान शिविर में डीसी अजय कुमार ने 18 शिकायतों की सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाइव प्रसारण के माध्यम से विभिन्न जिलों में जनता से समाधान शिविर की कार्यशैली का फीडबैक लिया। डीसी अजय कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तर व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन करवाया जा रहा है। लघु सचिवालय में समाधान शिविर को लेकर बेहतर व्यवस्था की गई है। शिकायतकर्ताओं को पहले नंबर लगाकर पर्ची दी जाती है व फिर कॉन्फ्रेंस रूम में उनके द्वारा शिकायत पर विस्तारपूर्वक सुनवाई की जाती है। इसके बाद शिकायत को संबंधित विभाग के अधिकारी के साथ उक्त शिकायत के निवारण के संबंध में चर्चा की जाती है। उस समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाते हैं। डीसी ने बताया कि जिन समस्याओं का मौके पर ही समाधान संभव होता है उनका वहीं समाधान कराया जाता है। परिवार पहचान पत्र व पेंशन आदि की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने का प्रयास होता है। जिन समस्याओं का समाधान मौके पर संभव नहीं होता ऐसे मामलों में विभागाध्यक्षों को निर्धारित समय में समाधान के निर्देश दिए जाते हैं।

'जिला परिषद सदस्यों में समानता से हो विकास राशि का बंटवारा'

- पृथला के विधायक ने बैठक में उठाए क्षेत्र के विकास के मुद्दे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला परिषद की बैठक में मुद्दों को उठाते पृथला के विधायक रघुबीर तेवतिया।

शुक्रवार को आयोजित जिला परिषद की बैठक में पृथला विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक चौधरी रघुबीर तेवतिया ने विशेष रूप से भाग लेकर पृथला क्षेत्र से जुडे मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद के अध्यक्ष विजय लोहिया ने की जबकि बैठक में जिला परिषद के सीईओ सतबीर मान के अलावा सभी जिला पषिद के सदस्य व प्रशासनिक अधिकारी भी मुख्यरूप से मौजूद रहे।

विधायक चौधरी रघुबीर तेवतिया ने बैठक में जिला परिषद के सभी सदस्यों को विकास कार्यों के लिए दी जाने वाली राशी को समानता से बांटने की बात रखी वहीं उन्होंने चंदावली, मछगर, दयालपुर, अटाली, मौजपुर से केजीपी को जोडने वाली सडक का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह मुख्य मार्ग है और यहां से रोजाना हजारों की संख्या में वाहन गुजरते हैं। पिछले तीन साल से इस सड़क का बुरा हाल है, और इस सड़क निर्माण के टेंडर का समय निकल चुका है, मगर अभीतक सड़क का काम पूरा नहीं किया गया है, जिसके चलते यहां लंबे जाम लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस सड़क की हालत खस्ता है, जल्दी से जल्दी इस सड़क का निर्माण पूरा किया जाए। वहीं उन्होंने मोहना गांव में पानी की समस्या का मुद्दा उठाते हुए कहा कि गांव का ट्यूबवैल 2 महीने से खराब है, जिससे पानी की समस्या बनी हुई है उसको जल्दी से ठीक किया जाए। वहीं उन्होंने पृथला क्षेत्र के गांव नंगला मोटूका व फिराजपुर में बनाए गए डंपिंग यार्ड का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार ने पृथला क्षेत्र को क्या कूड़ा घर समझ रखा है जो एक ही क्षेत्र में 2-2 गावों में कूड़ा घर बनाए दिए हैं।

भाजपा सदस्यता अभियान तेज करने पर चर्चा

- जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने ठाकुर उमेश भाटी से की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकुमार वोहरा का स्वागत करते ठाकुर उमेश भाटी।

शहर के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र में भाजपा द्वारा इन दिनों आनलाइन और आफलाइन सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने के लिए जिला भाजपा के पदाधिकारी जुटे हैं। भाजपा के जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा सेक्टर- 37 अशोका एन्क्लेव मेन में भाजपा वरिष्ठ नेता ठाकुर उमेश भाटी के निवास कार्यालय पर पहुंचे। राजकुमार वोहरा का ठाकुर उमेश भाटी ने महाराणा प्रताप का चित्र भेंट कर स्वागत किया। राजकुमार वोहरा ने सदस्यता अभियान को तेज करने के लिए चर्चा की। इसके साथ ही हरियाणा सरकार की लाभकारी नीतियां आम जनमानस को सही ढंग से मिले सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई ।

जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने कहा की कालेज के छात्र-छात्राओ में अतुलनीय ऊर्जा होती है।

वार्ड-33 में जल्द दुरुस्त होगी बिजली व्यवस्था

- अधिकारियों ने किया मौके का मुआयना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

डीएचबीवीएन के कार्यकारी अभियंता को वार्ड-33 की बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपते वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी।

वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व पार्षद मंगत राम बागड़ी के प्रयास से वार्ड-10 (नया घोषित वार्ड-33) में बिजली व्यवस्था में सुधार के लिए प्रक्रया तेज हुई है। मंगत राम बागड़ी द्वारा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, गुरुग्राम के अधीक्षण अभियंता को मांग पत्र सौंपे जाने पर तत्काल एक्शन हुआ। एक घंटे के अंदर ही बिजली निगम के अधिकारियों ने जर्जर तार, पोल और ट्रांसफार्मर का निरीक्षण किया।

मंगत राम बागड़ी ने अधीक्षण अभियंता को मांग पत्र सौंप कर अवगत कराया कि नगर निगम वार्ड 33 अंतर्गत लक्ष्मण विहार आदि इलाकों में बिजली के तार, ट्रांसफॉर्मर्स और पोल्स लंबे समय से जर्जर पड़े हुए हैं। काफी कम ऊंचाई पर ट्रांसफार्मर्स होने और तार जर्जर होने के कारण हादसे की आशंका हर समय बनी रहती है।

हल्की सी बारिश और हवा में भी फाल्ट हो जाता है और घंटों बिजली बाधित रहती है।

आरोपी को कानूनी सहायता देने के लिए सभी एसएचओ को किया प्रशिक्षित

- जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण ने की कार्यशाला आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण ने आरोपी व्यक्तियों को कानूनी सहायता के लिए जिले के सभी एसएचओ को प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के निर्देशों को संकलित करने के लिए की गई। प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश चंद्र ने कहा कि गुरुग्राम भारत में कॉर्पोरेट हब है। यहां काफी संख्या में अंतर्राष्ट्रीय व्यक्ति रहते हैं। बहु-संस्कृति वाले सभी राज्यों के व्यक्तियों के साथ रहने पर कानून के प्रावधानों से निपटने के दौरान अतिरिक्त देखभाल और सावधानी की आवश्यकता होती है।

'संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना ही प्राथमिकता'

- जिला संयोजक बनाए गए हैं बोधराज सीकरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एनजीओ प्रकोष्ठ भाजपा के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी ने कहा कि संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। संगठन ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व उपलब्ध हो, जो संगठनात्मक विस्तार और जनसंपर्क को सुदृढ़ करेगा। यह बात उन्होंने खुद को भाजपा गुरुग्राम जिला के संयोजक नियुक्त होने के बाद कही।

बोध राज सीकरी एनजीओ प्रकोष्ठ भाजपा के प्रदेश संयोजक भी हैं। अब उन्हें जिला संयोजक की भी जिम्मेदारी दी गई है। अजीत यादव को गुरुग्राम विधानसभा, प्रदीप घोडारोप को बादशाहपुर विधानसभा, हरबीर अधाना को सोहना विधानसभा, यशपाल राघव को पटौदी विधानसभा के संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम, बादशाहपुर, सोहना, और

बोधराज सीकरी।

पटौदी विधानसभा क्षेत्रों में ये नियुक्तियां संगठनात्मक ढांचे को न केवल मजबूत करेंगी, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों तक पार्टी की पहुंच को और सुदृढ़ करेंगी। आज के राजनीतिक परिदृश्य में यह अत्यंत आवश्यक है कि पार्टी का नेतृत्व समाज के साथ निकटता बनाए रखे। उनकी समस्याओं को समझते हुए उनका समाधान करे और संगठन की उपलब्धियों को एवं योजनाओं को जन जन तक पहुंचाए।

बोधराज सीकरी ने जिला अध्यक्ष कमल यादव, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली का आभार जताया।

हरियाणा में बनेगा ग्लोबल एआई केंद्र

राज्य को एआई अनुसंधान और नवाचार केंद्र के रूप में मिलेगी पहचान

- नदियों को जोड़ने की पॉलिसी में भी सहयोग करेगा वर्ल्ड बैंक
- मुख्यमंत्री नायब ने की विश्व बैंक प्रतिनिधियों के साथ बैठक
- प्रदूषण के खात्मे को 3647 करोड़ के क्लीन एयर प्रोजेक्ट पर सहमति

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

चंडीगढ़ में वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, साथ में हैं उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह और सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर।

हरियाणा राज्य में जल्द ही वर्ल्ड बैंक की सहायता से ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेंटर की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधिमंडल के साथ शुक्रवार को चंडीगढ़ में हुई एक बैठक में इस बारे में रोडमैप तैयार किया गया। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव तथा विदेश सहयोग मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई सेंटर की यह पहल हरियाणा प्रदेश को एआई अनुसंधान और नवाचार के केंद्र के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाएगी। इस केंद्र की स्थापना से राज्य की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान मिलने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से हरियाणा में नदियों को आपस में जोड़ने के लिए भी एक व्यापक योजना तैयार करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों को जोड़ने से राज्यभर में सिंचाई सुविधाओं में काफी सुधार होने और अमृत सरोवर योजना को लागू करने में मदद मिलेगी, जिसका उद्देश्य जल निकायों को पुनर्जीवित करना और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जल भंडारण क्षमता को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य से एक दल शीघ्र ही गुजरात में नदियों को आपस में जोड़ने की योजना का अध्ययन करने के लिए, गुजरात का दौरा करेगा। बैठक में हरियाणा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। इसके तहत वर्ष 2030 तक हरियाणा को प्रदूषण मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए लगभग 3647 करोड़ रुपये के कुल परियोजना निवेश के साथ, वर्ल्ड बैंक ने परियोजना के कार्यान्वयन करने के लिए 2498 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है। हरियाणा सरकार द्वारा 1066 करोड़ रुपये का योगदान दिया जाएगा और अनुदान के रूप में 83 करोड़ रुपये आवंटित किए जाने का प्रावधान किया गया है।

नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल से अनुरोध करते हुए कहा कि यह प्रयास किए जाएं कि परियोजनाओं के तहत तय किए गए लक्ष्यों के समय से पहले प्राप्त किया जा सके। भारत के लिए विश्व बैंक के कंट्री निदेशक अगस्टे टी. कौमे ने कहा कि हरियाणा में आर्थिक विकास की अपार संभावनाएं हैं।

समाधान शिविर में अधिकारी रहेंगे मौजूद, समस्याओं का समय पर हो समाधानः नायब सैनी

चंडीगढ़। समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेने वाले लापरवाह अधिकारियों को मुख्यमंत्री नायब सैनी फटकार लगाई है। मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिला उपायुक्तों से समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों का फीडबैक लिया। सीएम ने लापरवाह अधिकारियों को फटकार लगाते हुए हिदायत दी कि हर रोज समाधान शिविर की शिकायतों की फीडबैक रिपोर्ट मुख्य सचिव कार्यालय भेजी जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का न केवल अधिकारी समाधान करेंगे, बल्कि शिविर में खुद मौजूद रहेंगे। समस्याओं का निवारण करने के साथ शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि भी जरूरी है। बता दें कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे थे और न ही मुख्य सचिव कार्यालय फीडबैक रिपोर्ट भेजी जा रही है। इसको लेकर मुख्य सचिव कार्यालय ने जिला उपायुक्तों को पत्र लिख रोज फीडबैक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए थे।

राज्यपाल ने किया महोत्सव की महाआरती का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने मंत्रोच्चारण और शंखनाद की ध्वनि के बीच सांय कालीन महाआरती का शुभारंभ किया। गीता महोत्सव की इस आरती से ब्रह्मसरोवर की पूरी फिज़ा भक्ति रस में डूब गई।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में वीरवार को देर सायं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सहयोग से ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांय कालीन आरती का आयोजन किया गया। महोत्सव के पहले दिन राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, महंत बंसीपुरी महाराज, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, अंबाला मंडल आयुक्त गीता भारती, उपायुक्त नेहा सिंह, केयूके कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, निट के निदेशक के रमणा, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील राणा, उपनिदेशक डा. प्रीतम सिंह, तिजेंद्र गोल्डी, गीता जयंती मेला प्राधिकरण के मेम्बर सौरभ चौधरी, डा. ऋषिपाल मथाना, विजय नरुला, अशोक रोशा, डा. रवनीत सिंह आदि ने शंखनाद और मंत्रोच्चारण के बीच संध्या कालीन आरती का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम से पहले केडीबी की तरफ से प्रसिद्ध कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति देकर ब्रह्मसरोवर के वातावरण में भक्ति रस घोल दिया।

ब्रह्मसरोवर की सांय कालीन आरती में पंडित बलराम गौतम, सोमनाथ शर्मा, अनिल गौतम, रोहित कौशिक, रूद्र गौतम ने आरती करवाई और मंत्रोच्चारण का जाप किया।

ब्रह्मसरोवर के घाटों पर नजर आए विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति के रंग

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 के पावन पर्व पर ब्रह्मसरोवर के घाटों पर विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे है। इन राज्यों के कलाकार अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव पर 15 दिसंबर तक लोगों को अपने-अपने प्रदेशों की लोक कला के साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे। इस महोत्सव पर आने के लिए देश का प्रत्येक कलाकार आतुर रहता है। पर्यटकों को फिर से ब्रह्मसरोवर के तट पर लोक संस्कृति को देखने का अवसर मिला है।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक कला केन्द्र (एनजैडसीसी) की तरफ से विभिन्न राज्यों के कलाकार अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंच चुके है। यह कलाकार लगातार 15 दिसंबर 2024 तक अपनी लोक संस्कृति की छठा बिखेरने का काम करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव पर शुक्रवार को विभिन्न राज्यों की कला का संगम उमड़ा और विभिन्न राज्यों की कला के संगम के बीच कलाकार अपने-अपने राज्य की कला का बखूबी बखान किया। कलाकारों का कहना है कि आज के आधुनिक जमाने में भी उन्होंने अपनी कला को जिंदा रखा है, कला के माध्यम से ही आज वह भी जिंदा है और अपनी कला को विदेशों तक पहुंचा रहे है। विदेशों की धरती पर भी उनकी कला ने उनका नाम रोशन किया है। गीता महोत्सव में पहुंचे कलाकारों का कहना था कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव एक ऐसा जरिया है जहां पर जहां पर वह पहुंचकर अपनी कला का बखूबी मंचन करते है। विभिन्न राज्यों की अलग-अलग कलाकारों ने कहा कि अब वह फिर से गीता महोत्सव में पहुंचकर अपनी कला को आमजन को दिखाने का काम कर रहे है।

देश की खूबसूरती के दर्शन होते है कुरुक्षेत्र की पावन धरा परः बड़ौली

कुरुक्षेत्र। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि गीता स्थली कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर देश की खूबसूरती के दर्शन सहजता से किए जा सकते है। इस धरा को और खूबसूरत बनाने के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकार लगातार बड़ी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम कर रही है। इतना ही नहीं सरकार ने वर्ष 2016 से छोटे से गीता जयंती समारोह को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का बड़ा स्वरूप बनाने का काम किया है। इस महोत्सव से जहां देश के नागरिकों को धार्मिक मूल्यों से आत्मसात होने का अवसर मिल रहा है, वहीं आर्थिक रूप से लोग मजबूत हो रहे है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली शुक्रवार को देर सायं मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशवासियों को गीता महोत्सव की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही कुरुक्षेत्र में होने वाले गीता जयंती के स्वरूप को वर्ष 2016 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का काम किया। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र के विकास में भी चार चाँद लगाने का काम किया। इस पावन धरा ज्योतिसर पर विश्व स्तरीय संग्रहालय बनाने के लिए 206 करोड़ से ज्यादा का बजट उपलब्ध करवाने का काम किया। सरकार के इन प्रयासों से कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर लगातार श्रद्धालुओं की संख्या में ईजाफा हो रहा है और अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में हर वर्ष लाखों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहे है। इस पावन धरा पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को देश की प्राचीनतम संस्कृति, संस्कारों से रूबरू होने का एक अनोखा अवसर मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने देश की भावी पीढ़ी युवाओं तक पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को पहुंचाने के लिए उपदेशों को पाठ्यक्रम में शामिल किया है। इस महोत्सव का आयोजन 28 नवंबर से शुरू हो चुका है और 15 दिसंबरतक जारी रहेगा। इस महोत्सव में सरकार और प्रशासन की तरफ से पुख्ता इंतजाम किए है ताकि दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो। इन तमाम पहलुओं के कारण ही कुरुक्षेत्र की धरा को पूरे विश्व में एक नई पहचान मिली है। आज इस पावन धरा में रोजाना होने वाले महा आरती में प्रदेश के सभी जिला अध्यक्ष पहुंचे है।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित करने के लिए है कि सहायक कलेक्टर, द्वितीय श्रेणी, धौज, हरियाणा के समक्ष अरुणा अग्रवाल बनाम मेसर्स डी एडवाइजो सर्विस प्राइवेट लिमिटेड शीर्षक से विभाजन लंबित है। इसके द्वारा मेसर्स डी एडवाइजो सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कार्यालय, एम-70, प्रथम तल, मालवीय नगर, दिल्ली को निर्देश दिया जाता है कि प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर उपरोक्त याचिका में कार्यवाही में शामिल हों। आदेश से:
ए.सी., द्वितीय श्रेणी, धौज

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरा पक्षकार श्री धरम पाल गोयल दूसरी मंजिल,प्लाट नंबर 58 और 59, एरिया 240 वर्ग गज, खसरा नंबर 42/1 और 38/21, 42/1 और 38/21/2, ग्राम नजफगढ़, द्वारका विहार नजफगढ़, नई दिल्ली-110043 के मालिक हैं और श्री धरम पाल गोयल ने विषय भूखंड श्रीमती शिखा अग्रवाल से नोटरीकृत जीपीए, एटीएस,वसीयत दिनांक 21.04.2023 के माध्यम से खरीदा था। उसके बाद श्री धर्म पाल गोयल ने दिनांक 10.06.2024 को डीडीए द्वारा अपने पक्ष में हस्तांतरण विलेख (पीएम उदय)निष्पादित किया, अब वह उपरोक्त संपत्ति की बिक्री चाहते हैं। तथा, यह सूचित किया जाता है की उक्त विलेख के आधार पर किसी प्रकार की कोई भी इकरार, बिक्री, बंधक आदि सिवाय श्री धरम पाल गोयल के बीच, मान्या नही होगा. तथा अगर किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति मे किसी प्रकार का अधिकार या दावा करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न. पर इस प्रकाशन के 08 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे. तथा उक्त कॉगजो को वापस कर दे

एडरेंम लिगल सल्यूशन
चेंबर न.760,द्वारका कोर्ट,सेक्टर-10,द्वारका,नई देल्ही-75
मोबाइल : 9899013918

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शांति देवी पुत्री राम देव मिश्रा, फ्लैट 14-सी, डीडीए जनता फ्लैट, आनंद विहार, दिल्ली-110092 (फाइल संख्या J194(7)87/AN/NP) का डीडीए द्वारा जारी कब्जा पत्र, बिजली और पानी की एनओसी खो गई है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस स्टेशन में एक FIR दर्ज की गई है (एलआर संख्या 744253/2022 दिनांक 31.08.2022) कोई भी व्यक्ति जो किसी अधिकार, हित का दावा करता है, कोई आपत्ति हो या मूल दस्तावेजों का कब्जा हो, वह इस नोटिस के प्रकाशन से 15 दिनों के भीतर उपरोक्त पते/फोन : 9910047656 पर मुझे/हमें लिख/संपर्क कर सकता है। इस संपत्ति के संबंध में किसी भी अधिकार, हित, आपत्ति का दावा करने वाला व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से उप निदेशक LAB जनता या निदेशक(एच-1), डी-ब्लॉक, तृतीय तल, विकास सदन, आईएनए, नई दिल्ली को सूचित कर सकता है या लिख सकता है। ।

TENDER NOTICE

Hiring of Chartered Accountant Firm

The Heartsong Condominium Association (Reg.No. HR/018/2018/03377), The Heartsong, Sector 108, Gurugram - 122006, Haryana invites expresion of interest from established CA firms for the below :

Audit of the overall financial data for the handover from the builder, and regular compliances, billing and GST filings of The Heartsong Condominium Association, Sector 108, Gurugram, Haryana

Min Eligibility Criteria :

1.The firm should have atleast three years of experience in similar field

2.The consultant should have audited atleast revenue of minimum 15 crores per year

Scope and detailed RFP questionnaire can be obtained no later then 04th Dec 2024 after sharing the basic profile with above required details.

For submission of interest for the proposal, pls send email to office@thsrwa.com

Ishwar Dabas General Secretary
The Heartsong
Condominium Association Sector 108,
Gurugram -122006, Haryana

केनरा बैंक Canara Bank
सिंडिकेट Syndicate
आर जेड 5ए पालम विहार
सेक्टर 6, द्वारका नई दिल्ली 110075

नीचे उल्लिखित व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि वे ऋण खाते में देयता का भुगतान करने में विफल रहे हैं। पंजीकृत डाक द्वारा उन्हें भेजा गया नोटिस बैंक को बिना वितरित किए वापस आ गया है। इसलिए उनसे अनुरोध है कि वे देयता और अन्य शुल्कों का भुगतान करें और 16.12.2024 को या उससे पहले गिरवी रखी गई प्रतिभूतियों को भुनाएँ, ऐसा न करने पर उक्त प्रतिभूतियों को बैंक द्वारा 16.12.2024 को दोपहर 01.00 बजे से 02.00 बजे तक बैंक परिसर में उधारकर्ता की लागत पर सार्वजनिक नीलामी में या उसके बाद किसी अन्य सुविधाजनक तिथि पर बिना किसी अतिरिक्त सूचना के बैंक के पूर्ण विवेक पर बेचा जाएगा।

क्र सं.	लोन की तिथि	लोन नंबर	उधारकर्ता का नाम और पता	कुल देयताएं (रू.)
1.	24-05-2023	128001283024	सुषमा बनदूनी, निवासी फ्लैट नं. 260, पॉकेट-3सी, सेक्टर -16 बी, भारत अपार्टमेंट, द्वारका, दिल्ली -110078	रू. 2,34,450.00

दिनांक : 29.11.2024 स्थान : नई दिल्ली वरिष्ठ प्रबंधक

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client stating that Mr. Suresh Kumar Gupta is claiming to be the owner of Residential Property bearing No. 468 and Plot No. 6-A, area measuring 25 sq. yds., out of Khasra No.209 and 210, situated in the area of Village Ghondli, at the abadi of Gali No. 09, West Kanti Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-110051, vide Conveyance Deed Under PM Uday Scheme dated 06.11.2024, Doc. No. 2024/18/I/10488. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to mortgage the said property and intend to obtain a loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my clients Sh. Naresh Kumar S/o Late Mangal and his wife Smt. Vimal, both R/o. H. No. 60, Khasra No. 262/88/28/173, Ground Floor. Gali No. 5. Near Balmiki Mandir, Wazirabad Village, Burari. North-Delhi-110084 have served all their relations with their son Sh. Vinay. Both of my above named clients have also disowned and debarred their son from all their movable and immovable properties. Anybody dealing with Sh. Vinay will do so at his/her/their own risk and responsibilities and my clients will not be responsible for any act, deed or dealing done by Sh. Vinay.

Pradeep Chowdhary Advocate & Legal Consultants, Ch. No. C-115, C.L. Joseph Block Tis Hazari Court, Delhi-54

सार्वजनिक सूचना

मै, रामचन्द्र साह पुत्र स्वः श्री नथुनी साह निवासी मकान न. 2535, बी-ब्लॉक, गली नं. 66, पुस्ता के किनारे, सन्त नगर, बुराड़ी, दिल्ली-110084, शपथपूर्वक यह घोषणा करते हैं कि, यह कि मैं भारत का नागरिक हूं और अपने उक्त निवास पर स्थायी रूप से निवास करता हूं। यह कि मैने अपने पुत्रवधू अनिता एवं पुत्र शिवशंकर निवासी मकान नं. 2535, बी-ब्लॉक, गली नं. 66, पुस्ता के किनारे, सन्त नगर, बुराड़ी, दिल्ली-110084 को उनके गलत आचरण व दुर्व्यवहार से तंग आकर दिनांक 29.11.2024 को दैनिक अखबार में सूचना प्रकाशित कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यह कि अब मेरे पुत्रवधू अनिता एवं पुत्र शिवशंकर से किसी प्रकार का कोई संबंध नही रहा है एवं इनके किसी भी कृत्य के लिए हम अथवा हमारे परिवार का कोई सदस्य जिम्मेदार नही होगा। यह कि मैं प्रमाणित करता हूं कि उपरोक्त शपथपत्र में दिये गए सभी तथ्य सत्य हैं।

ह/-
शपथकर्ता

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

सामान्य सेवाएं प्रशासन प्रभाग
मंडल कार्यालय दक्षिणी दिल्ली, 7, ऊपरी भूतल, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066
ई मेल: cosdelgad@pnb.co.in

संरचनात्मक ऑडिट के लिए निविदा सूचना

पंजाब नेशनल बैंक, मंडल कार्यालय-दक्षिणी दिल्ली ने ए-9, Connaught Place, New Delhi में बैंक के स्वामित्व वाले परिसर का संरचनात्मक ऑडिट करने के लिए केवल दिल्ली/एनसीआर में पंजीकृत कार्यालय वाले एमसीडी पैनलबद्ध संरचनात्मक इंजीनियरों से सीलबंद कवर निविदा आमंत्रित करता है। परिसर का कुल क्षेत्रफल 5400 वर्गफुट (लगभग) है।

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट https: pnbindia-in-tenders पर जाएँ।

सम्बंधित अभियंताओं द्वारा बोली जमा करने की अंतिम तारीख 16.12.2024 दोपहर 2 बजे तक है। बैंक बिना कोई कारण बताये किसी/सभी प्रस्तावों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

दिनांक: 30.11.2024 मुख्य प्रबंधक

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients Shri Nemi Chand & Smt. Ganga Devi resident of 258 3rd Floor, J.J.Colony, Nangloi, Delhi-41 hereby disown, debar and severs all relations with their son Manish Kumar from all their movable and immovable properties due to his being cruel, insulting, derogatory and quarrelsome with my clients. Anybody dealing with him shall do so at their own risks and costs. My clients shall not be responsible for the same. Atul Kumar Sharma, Advocate."

Atul Kumar Sharma (Advocate) Ch. No.B-108, B.G.S. Block Tis Hazari Court complex, Delhi-54.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती शीला गुप्ता पत्नी श्री वेद प्रकाश गुप्ता, बिना छत के अधिकार वाली पूरी पहली मंजिल की मालिक हैं, जो संपत्ति संख्या 1035/68 के आवासीय निर्मित हिस्से, प्लॉट नंबर 105 के हिस्से, खसरा नंबर 248 और 253 में से कुल क्षेत्रफल 280 वर्ग गज में से, 140 वर्ग गज में से 85 वर्ग गज भूमि पर बनी है। जो गांव चौकरी, मुबारकाबाद, आबादी मे स्थित जिसे देवराम पार्क त्रिनगर, दिल्ली-35 के नाम से जाना जाता है, नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और दिनांक 13.06.2006 की वसीयत के आधार पर, श्रीमती दया वती द्वारा निष्पादित है। और इसे एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें। राहुल राज पाठक, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, यूपी
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन 7011172764, 01204440300

TENDER NOTICE

Expression of Interest

The Heartsong Condominium Association (Reg.No. HR/018/2018/03377), The Heartsong, Sector 108, Gurugram - 122006, Haryana invites expresion of interest from established Property Management Companies for the below :

Facility Management of The Heartsong Condominium, Sector 108, Gurugram, Haryana

Min Eligibility Criteria :

1.The vendor should have atleast three years of experience in managing a minimum of 2 million square feet of residential high rise condominiums in Delhi/NCR region.

2.The vendor should have atleast revenue of minimum 15 crores per year

3.The vendor should have flexible models of working such as on management basis only and on fix cost per sq ft inclusive of all expenses basis

Scope and detailed RFP questionnaire can be obtained no later then 4th Dec 2024 after sharing the basic profile with above required details.

For submission of interest for the proposal, pls send email to office@thsrwa.com

Ishwar Dabas General Secretary
The Heartsong
Condominium Association Sector 108,
Gurugram -122006, Haryana

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public and apartment owners of The Heartsong Condominium, Sector 108, Gurugram - 122006, Haryana that The Heartsong Condominium Association is duly aproved by the District Registrar, Firms and Societies under HRRS Act 2012, and its bylaws are to be read with Apartment Owner Act 1983, as per the registration certificate received in July 2018, with Registration Number HR/018/2018/03377. The association is duly approved and recognised by the builder EDPL.

Any communication, membership or business related to the association are to be sent to The Heartsong Condominium Association, The Heartsong, Sector 108, Gurugram - 122006, Haryana only.

The association will not be responsible for any other communication, business or membership disputes with any other fake or similar association.

Notified in public interest.

Ishwar Dabas
General Secretary
The Heartsong Condominium Association
The Heartsong, Sector 108, Gurugram - 122006, Haryana
Email : office@thsrwa.com

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना मोहन लाल की ओर से दी जाती है कि जो खसरा नंबर 113 में से 25 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले आवासीय भूखंड का मालिक है, जो चामड़ कॉलोनी, गांव खोड़ा, परगना लोनी तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। उन्होंने इसे आशा देवी से बिक्री विलेख के माध्यम से पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 10596 पृष्ठ संख्या 229-262 पर दिनांक 08.01.2016 SR-II गाजियाबाद में दस्तावेज़ संख्या 268 के तहत खरीदा है, और उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड से वित्तीय सहायता के लिए बंधक रखने का इरादा रखते हैं, जिसका मूल बिक्री विलेख दिनांक 05.03.2012 को श्रीमती उषा देवी द्वारा श्रीमती आशा देवी के पक्ष में निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज़ संख्या 2366 पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 5578 पृष्ठ संख्या 235-250 दिनांक 05.03.2012 SR-II गाजियाबाद खो गया है/गुम हो गया है/उपलब्ध नहीं है। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। लुसेम लीगल एलएलपी
प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क,
नई दिल्ली-110049, संपर्क # 011-40046316

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना अंकुर गोयल की ओर से दी जाती है कि वे दिल्ली के पुल पहलादपुर एम. बी. रोड पर स्थित खसरा संख्या 239/2, संपत्ति संख्या 52, गली संख्या एचआर-ब्लॉक, क्षेत्रफल 94.14 वर्ग मीटर, मालकिन श्रीमती सुनीता गर्ग से खरीद रहे हैं, एसआर-वी नई दिल्ली/दिल्ली में दिनांक 02.02.2022 को पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 16368 पृष्ठ संख्या 172-176 में दस्तावेज़ संख्या 92 के रुप में पंजीकृत है, और आईडीबीआई बैंक लिमिटेड से वित्तीय सहायता के लिए बंधक रखने का इरादा रखते हैं, जिसका मूल बिक्री विलेख दिनांक 10.03.2005 को श्रीमती प्रेम वती द्वारा श्री अजय कुमार गोयल के पक्ष में प्लॉट संख्या एचआर-52, क्षेत्रफल 112.6 वर्ग गज यानि 94.14 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 239/2 में से, दस्तावेज़ संख्या 3609 पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 4795 पृष्ठ संख्या 143-146 दिनांक 10.03.2005 को एसआर-वी नई दिल्ली/दिल्ली, के संबंध में निष्पादित किया गया था। जो खो गया है/गुम हो गया है/उपलब्ध नहीं है। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। लुसेम लीगल एलएलपी
प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क,
नई दिल्ली-110049, संपर्क # 011-40046316

PUBLIC NOTICE

Property No. C-6/69A (Ground Floor), Safdarjung Development Area, New Delhi

"Be it known to all that my clients had agreed to purchase Entire Ground Floor etc., with car parking and space for utility, alongwith 22.5% undivided share in the plot of land measuring 220 Sq. Mtrs., bearing No. C-6/69A, situated at Safdarjung Development Area, New Delhi-110016, from (1) Shri Kanwarpreet Singh Kandolha S/o Shri Gurmohinder Singh and (2) Mrs. Jaskaran Kaur Gill W/o Shri Kanwarpreet Singh Kandolha, (Jointly Say OWNERS), free from all sorts of encumbrances, charges, liens, mortgages etc. etc.

Any other person(s)/ institution/ government authorities having any sort of right, claim, title or interest of any kind whatsoever in the said portion of the said property or any part thereof, under and by virtue of any deed(s)/document(s) or otherwise, is required to put forth his/her/its claim with the undersigned, within 7 (Seven) days of publication of this notice with documentary proof thereof, failing which the same shall not be binding on my client and my client shall proceed to complete the transaction as bonafide purchaser, free from all encumbrances whatsoever and no claim of whatsoever shall be entertained thereafter.

**NARESH GUPTA (ADVOCATE)
C-75, GREATER KAILASH PART-I,
NEW DELHI-110048.
TEL. 29235175, 40568077**

PUBLIC NOTICE

Re: Built-up Property bearing No. A-15, land area measuring 2300 sq. yds. approx., situated at Wazirpur Industrial Area, Wazirpur, Delhi-110052.; Hereinafter referred to as "said property".

Notice is hereby given to the general public including Banks, Financial Institutions, etc. that, as informed by our clients, M/s Ram Body Builders, thru its partners, (1) Mr. Yogesh Nagpal, (2) Mr. Sanjay Nagpal; and (3) Mr. Naveen Nagpal, they are the joint owners of the said property. In this connection, they have further informed that the said property was owned by M/s Ram Body Builders through (1) Mrs. Shakuntla Devi; and (2) Mr. Yogesh Nagpal vide Conveyance Deed executed by POI thru DDA in their favour. The said Deed is registered as Document No. 8367, in Book No. I, Volume No. 5928, pages 43-46, on 08.06.2016 (SRO-VII New Delhi). Mrs. Shakuntla Devi expired and her undivided share in the said property was inherited by her legal heirs viz., (1) Mr. Sanjay Nagpal; and (2) Mr. Naveen Nagpal in terms of Will executed by Mrs. Shakuntla Devi and registered as Document No. 1016 dated 17.04.2017. Thus, the said property is owned by M/s Ram Body Builders thru Mr. Yogesh Nagpal, Mr. Sanjay Nagpal and Mr. Naveen Nagpal. Now, our clients intend to mortgage the said property with IDFC FIRST Bank Limited for availing loan facility.

If any person, society, bank, financial institution or other institutions have any objection against the ownership of our clients on the said property and subsequently rightful mortgage of the said property in favour of IDFC FIRST Bank Limited by our clients, may raise his/her/their objection/s, in writing, by Registered AD post, to the undersigned, within 07 days, on address mentioned below. Otherwise after expiry of 07 days from the date of publication of this notice, the said property shall be mortgaged by our clients in favour of IDFC FIRST Bank Limited and no objection shall be acceptable against such mortgage.

**SHIVKANT ARORA, ADVOCATE
FOR M/S INTELLECTIVE LAW OFFICES,
A-74, LOWER GROUND FLOOR,
DEFENCE COLONY, NEW DELHI-110024**

ADITYA BIRLA CAPITAL
PROTECTING INVESTING FINANCING ADVISING

आदित्या बिरला फाइनेंस लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः इंडियन रेयान कंपाउंड, वेरावल, गुजरात - 362266
शाखा कार्यालयः द्वितीय तल, विजया बिल्डिंग, 17 बाराखंभा रोड, नई दिल्ली-110001

"परिशिष्ट-IV-A" (नियम 8(6) का सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 का परंतुक देखें)
अचल संपत्ति की बिक्री के लिए बिक्री नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 (2002 का 54) के नियम 8(6) के परंतुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना

आम जनता को तथा विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं), बंधककर्ता(ओं) तथा गारंटर(ओं) अर्थात मैसर्स अबूबकर पॉलीमर्स, मालिक मोहम्मद फुरकान, फरहा नाज के माध्यम से, ऋण खाता सं. ABFDL3TER00001003247, को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति, जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक है, का भौतिक कब्जा आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, के **उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता** से सुरक्षित लेनदार की बकाया राशि रु. 92,65,296/- (रु. बान्वे लाख पैसठ हजार दो सौ छियान्वे मात्र) दिनांक 16.04.2024 तक और ब्याज एवं पूर्ण भुगतान की तिथि तक अन्य प्रभार इत्यादि की वसूली हेतु बंधक संपत्ति को ई-नीलामी के माध्यम से "जहां है जैसी है", "जो है जैसी है" तथा "जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक **03.01.2025** को बेचा जाएगा।

संपत्ति अर्थात, "बेसमेंट नंबर-1, भूतल, प्लॉट नं. 47, ब्लॉक-5, इरोज गार्डन कॉलोनी, सूरजकुंड रोड, फरीदाबाद, हरियाणा 121009, क्षेत्रफल 139.50 वर्ग मी. (166 वर्ग गज)" के लिए आरक्षित मूल्य रुपये 1,15,44,390/- (एक करोड़ पंद्रह लाख चौवालीस हजार तीन सौ नब्बे मात्र) होगा और बयाना राशि रुपये 11,54,439/- (रु. ग्यारह लाख चौवन हजार चार सौ उनतालीस मात्र) होगी।

अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि बेसमेंट नं.-1, भूतल, प्लॉट नं. 47, ब्लॉक-5, इरोज गार्डन कॉलोनी, सूरजकुंड रोड, फरीदाबाद, हरियाणा 121009, क्षेत्रफल 139.50 वर्ग मीटर (166 वर्ग गज)" बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया सिक्योर्ड क्रेडिटर की वेबसाइट यानी अर्थात www.adityabirlafinance.com या https://sarfaesi.auctiontiger.net com पर दिए गए लिंक पर जाएँ।

आयुष झिंगरन, (प्राधिकृत अधिकारी)
आदित्य बिरला फाइनेंस लिमिटेड
स्थानः फरीदाबाद, दिनांकः 30.11.2024

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

शालीमार बाग शाखा, बीएच-29, भूतल, ईस्ट शालीमार बाग, दिल्ली-110088, भारत, फोन: 011-27492896, 27492837, फैक्स: 011-27472837, ई-मेलः shadel@bankofbaroda.com

मांग नोटिस
(सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (2) के अंतर्गत)

दिनांक: 28.10.2024

[illegible]

(ब्रजेश मोहन)
प्राधिकृत अधिकारी
मुख्य प्रबंधक
स्थान : दिल्ली

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

शालीमार बाग शाखा, बीएच-29, भूतल, ईस्ट शालीमार बाग, दिल्ली-110088, भारत, फोन: 011-27492896, 27492837, फैक्स: 011-27472837, ई-मेलः shadel@bankofbaroda.com

मांग नोटिस
(सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (2) के अंतर्गत)

दिनांक: 28.10.2024

[illegible]

(ब्रजेश मोहन)
प्राधिकृत अधिकारी
मुख्य प्रबंधक
स्थान : दिल्ली

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

शालीमार बाग शाखा, बीएच-29, भूतल, ईस्ट शालीमार बाग, दिल्ली-110088, भारत, फोन: 011-27492896, 27492837, फैक्स: 011-27472837, ई-मेलः shadel@bankofbaroda.com

मांग नोटिस
(सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (2) के अंतर्गत)

दिनांक: 28.10.2024

[illegible]

(ब्रजेश मोहन)
प्राधिकृत अधिकारी
मुख्य प्रबंधक
स्थान : दिल्ली

एक देश एक पंजीकरण

गेम चेंजर योजना

एक देश एक पंजीकरण-ओएनओएस योजना देश के अकादमिक क्षेत्र में गेम-चेंजर होगी। इसने विद्वानों व शोधकर्ताओं में बहस को जन्म दिया है। 'वन नेशन' की श्रृंखला में इस नवीनतम योगदान का संबंध अकादमिक जर्नलों के पंजीकरण से है। भारत सरकार द्वारा हाल में 'वन नेशन वन सब्स्क्रिप्शन'-ओएनओएस को मंजूरी देने से योजना पर अकादमिक और शोध क्षेत्रों में काफी बहस हुई है। भारतीय अकादमिक क्षेत्र के लिए गेम-चेंजर कही जाने वाली इस योजना का लक्ष्य देश भर में उच्च शिक्षा और शोध संस्थानों के लिए अकादमिक जर्नलों और प्रकाशनों की पहुंच सुनिश्चित करना है। इस पहल से लाभ की उम्मीद है क्योंकि इससे संसाधनों पर खर्च कम होगा तथा उनकी पहुंच बढ़ेगी, पर इसके क्रियान्वयन, अकादमिक स्वतंत्रता पर पड़ने वाले प्रभावों तथा इसकी जरूरत पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। सूचना एवं लाइब्रेरी नेटवर्क-इन्फ्लिबनेट द्वारा 6,300 संस्थानों में प्रबंधित इस योजना में एक एकीकृत डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से 30 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के 13,000 ई-जर्नलों तक पहुंच बनेगी। पहले तीन साल में इसके लिए 6,000 करोड़ रुपये के बजट आबंटन के साथ सरकार का उद्देश्य लगभग 1.8 करोड़ छात्रों, शोधकर्ताओं तथा फैकल्टी सदस्यों का सशक्तीकरण करना है। इस कदम से वैश्विक शोध इकोसिस्टम में भारत की स्थिति और मजबूत हो सकती है तथा इससे संसाधनों में कमी ला कर संस्थानों के बीच असमानता घटाने में सहायता मिलेगी। ओएनओएस योजना अकादमिक ज्ञान को लोकतांत्रिक बनाने में

सहयोग दे सकती है। उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशनों तक पहुंच से छोटे संस्थानों को लाभ होगा जो अक्सर सीमित बजट का सामना करते हैं। सुदूर तथा गैर-फंडिंग वाले क्षेत्रों में छात्रों और शोधकर्ताओं को भी अब प्रमुख संस्थानों के समान पहुंच मिलेगी जिससे शिक्षा और शोध में समानता को बढ़ावा मिलेगा। पंजीकरणों के केन्द्रीकरण से खर्च काफी घटाने में भी सहायता मिलेगी। एक एकीकृत पोर्टल यह सुनिश्चित करेगा कि संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो जिससे अन्य अकादमिक प्राथमिकताओं के लिए बजट बढ़ेगा। इससे ज्यादा सक्षम और प्रभावी शोध व्यवहारों को बढ़ावा मिलेगा।

लेकिन संभावित लाभों के बावजूद ओएनओएस योजना ने कुछ चिन्तायें पैदा की हैं। एक प्रमुख मुद्दा जर्नलों के चयन के बारे में अस्पष्टता है। अकादमिक आवश्यकतायें अपने विषयों, संस्थानों तथा शोध केन्द्रीयता के कारण विविधतापूर्ण होती हैं। ऐसे में निर्णय प्रक्रिया के केन्द्रीकरण से विशिष्ट आवश्यकताओं की अनदेखी हो सकती है जिसका परिणाम संसाधनों का अनुपयुक्त या असंतुलित संग्रह हो सकता है। आलोचकों का तर्क है कि सरकार उन प्रकाशनों या दृष्टिकोणों तक पहुंच सीमित कर सकती है जिनको वह पसंद न करती हो। इस प्रकार अकादमिक विमर्श प्रभावित हो सकता है। एक और तर्क है कि इस योजना से पहले से चल रही अच्छी योजनायें बाधित हो सकती हैं। अनेक संस्थानों ने सहयोग के माध्यम से जर्नलों तक पहुंच की व्यवस्था बनाई है। इसके अंतर्गत डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क-डेलनेट व जेएसटीओआर जैसे प्लेटफार्म पहले से काम कर रहे हैं। इस योजना के केन्द्रीकृत दृष्टिकोण के कारण अकादमिक संस्थानों की स्वायत्तता कम हो सकती है। वर्तमान समय में फैकल्टी सदस्य यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि संस्थान को किन जर्नलों की आवश्यकता है, पर इससे वे हाशिये पर जा सकते हैं। स्वायत्तता की कमी से अकादमिक खोज और उभरती शोध आवश्यकताओं के प्रति प्रतिक्रिया प्रभावित हो सकती है। ऐसे में निश्चित लाभ के बावजूद योजना को जल्दी से क्रियान्वित करने के बजाय अकादमिक क्षेत्र की चिन्ताओं को संबोधित करना लाभदायक होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की नाइजीरिया यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया नाइजीरिया यात्रा का उद्देश्य अफ्रीकी देश के साथ संबंधों को पुनर्जीवित करने के साथ ही साझेदारियों के माध्यम से चीन का प्रभाव सीमित करना है।

पारुल चंद्रा
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

चीन द्वारा आक्रामक ढंग से नाइजीरिया को अपने पक्ष में लाने के प्रयासों के लगभग दो महीने बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अफ्रीकी देश की हालिया यात्रा से ऐसा ही करने का प्रयास किया है। 17 साल के बाद होने वाली भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों में नई गति पैदा करना है। उम्मीद की जाती है कि इससे नाइजीरिया में चीन का प्रभाव सीमित करने में कुछ सहायता मिलेगी। हालांकि नाइजीरिया के साथ भारत के दशकों से निकट और जीवन्त संबंध हैं, पर फिलहाल उसे चीन से प्रतियोगिता का सामना करना पड़ रहा है। भारत और नाइजीरिया के बच 'रणनीतिक साझीदारी' है, पर इस अफ्रीकी देश और चीन ने अपने सबंधों को इस साल बढ़ा कर 'समग्र रणनीतिक साझीदारी' के स्तर तक ला दिया।

बीजिंग में सितंबर में हुई नवीं चीन-अफ्रीका सहयोग सम्मेलन-फोकैक में नाईजीरिया तथा अन्य दर्जनों अफ्रीकी देश शामिल हुए थे। ये सम्मेलन नियमित रूप से हो रहे हैं और पहला सम्मेलन 2006 में हुआ था। इनमें से एक सम्मेलन कोविड-19 के दौरान वर्चुअल हुआ था। लेकिन भारत 2015 के बाद अफ्रीकी सम्मेलन करने में सफल नहीं हुआ जिसका कारण मुख्यत: वैश्विक महामारी तथा भू-राजनीतिक तनाव था, लेकिन इसे वस्तुत: रणनीतिक दूरदर्शिता की कमी की तरह भी देखा गया।

चीन रणनीतिक व आर्थिक कारणों से अफ्रीकी महाद्वीप पर ज्यादा ध्यान दे रहा है। रणनीतिक रूप से वह स्वयं को अमेरिका के कट्टर दुश्मन के रूप में पेश करता है। लेकिन दुनिया के दूसरे सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश की पकड़ इस महाद्वीप में विशाल बाजार तथा खनिज संसाधनों की प्रचुरता के कारण है। पैसे के संकट का सामना करने वाले अनेक अफ्रीकी देशों के लिए चीन कर्ज प्राप्त करने का बड़ा संसाधन रहा है जिनका प्रयोग ढांचागत निर्माण में किया गया।

लेकिन इससे कर्ज के भारी जाल में फंसने का खतरा भी पैदा होता है। अफ्रीका चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनीशियेटिव'-बीआरआई का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 55 देश इस पहल में शामिल हुए हैं जिसे भारत गहरे संदेह से देखता है। बीआरआई के अंतर्गत चीन के विस्तारवादी नजरिये का प्रकटीकरण होता है और वह नाइजीरिया के माध्यम से लागोस में गहरे समुद्री बंदरगाह व रेलवे लाइनों का विकास कर रहा है। चीन नाइजीरिया का सबसे बड़ा द्विपक्षीय कर्जदाता है। दोनों पक्षों ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग व नाइजीरियन राष्ट्रपति बोला अहमद तिनुबू की फोकाक सम्मेलन में बीजिंग में मुलाकात के समय गहरे आर्थिक संबंध स्थापित करने का निर्णय किया था।

इस पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नाइजीरिया यात्रा और महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि भारत नाइजीरिया के साथ अपनी रणनीतिक साझीदारी को 'उच्च प्राथमिकता' देता है। इस यात्रा के परिणामस्वरूप तीन समझौते हुए हैं जिनमें सर्वेक्षण में सहयोग, कस्टम मामलों में सहयोग तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम शामिल हैं।

हालांकि, संयुक्त बयान में सहयोग के लिए 14 क्षेत्रों की पहचान की गई है, पर इसे मूर्तरूप देने के लिए भारत को आने वाले वर्षों में काफी प्रयास करने होंगे। इनमें द्विपक्षीय निवेश समझौता, दुहरे कराधान से बचने का समझौता तथा कर्ज की व्यवस्था में सुधार पर समझौता

चीन रणनीतिक व आर्थिक कारणों से अफ्रीकी महाद्वीप पर ज्यादा ध्यान दे रहा है। रणनीतिक रूप से वह स्वयं को अमेरिका के कट्टर दुश्मन के रूप में पेश करता है। लेकिन दुनिया के दूसरे सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश की पकड़ इस महाद्वीप में विशाल बाजार तथा खनिज संसाधनों की प्रचुरता के कारण है। पैसे के संकट का सामना करने वाले अनेक अफ्रीकी देशों के लिए चीन कर्ज प्राप्त करने का बड़ा संसाधन रहा है जिनका प्रयोग ढांचागत निर्माण में किया गया।

शामिल हैं। भारत और अफ्रीका के बीच सर्वोच्च स्तर पर संबंध मजबूत करना अनेक कारणों से बहुत जरूरी है। यह अफ्रीका का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है जिसका प्रभाव क्षेत्र दूर तक फैला हुआ है। यह अफ्रीकी संघ-एयू का संस्थापक सदस्य है जिसे जी-20 में शामिल कराने में भारत ने प्रमुख भूमिका निभाई है।

नाइजीरिया ब्रिक्स में सहभागी देश भी है। यह देश ओपेक का सदस्य भी है तथा राष्ट्रपति तिनुबू वर्तमान समय में इकोनोमिक कम्युनिटी आफवेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स-इकोवाक के अध्यक्ष भी हैं। ऐसे में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में वृद्धि से नाइजीरिया में भारतीय कंपनियों को बहुत सहायता मिलेगी। नाइजीरिया में विनिर्माण क्षेत्र में 200 भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं और उन्होंने यहां 27 बिलियन डालर निवेश किया है। हालांकि भारत नाइजीरिया के सर्वोच्च 5 व्यापार साझीदारों में शामिल है, पर दुर्भाग्य से द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में घट कर 7.89 बिलियन डालर रह गया जो 2021-22 में 14.95 बिलियन डालर था। इसका कारण नाइजीरिया से भारत के तेल आयात में कमी है। भारत ने यूक्रेन से टकराव को देखते हुए रूस द्वारा प्रस्तावित सस्ती तेल दरों का लाभ उठाया और रूसी तेल का आयात बढ़ गया।

नाइजीरिया के साथ संयुक्त बयान में भारत ने इस देश के साथ कच्चे तेल व एलएनजी खरीद के दीर्घकालीन समझौतों पर जोर दिया है। इससे द्विपक्षीय व्यापार के एक बार फिर बढ़ने की उम्मीद जागती है। यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि भारत ने नाइजीरिया के तेल एवं गैस क्षेत्र में निवेश की इच्छा जताई है। संयुक्त बयान में सहयोग के अन्य क्षेत्रों में आतंकवाद व समुद्री डकैती शामिल हैं। नाइजीरिया अनेक सालों से बोको-हरम जैसे उग्रवादी समूहों का मुकाबला कर रहा है जो उसके तेल और गैस क्षेत्रों को निशाना बनाते हैं। भारत ने नाइजीरिया में पाइपलाइनों की सुरक्षा में जानकारियां देने और सहयोग का प्रस्ताव किया है।

समुद्री डकैती का मुकाबला करने में समुद्री सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। नाइजीरिया को गाइना की खाड़ी में ऐसे हमलों का सामना करना पड़ता है जहां से महत्वपूर्ण समुद्री परिवहन लाइनें गुजरती हैं। भारत ने समुद्री डकैतों से निपटने के लिए 2022 में दो युद्धपोत आईएनएस सुमेधा और आईएनएस तारकश तैनात किए थे। चीन की नौसैनिक गतिविधियों को देखते हुए भारतीय नौसेना की यह तैनाती बहुत महत्वपूर्ण है।

संक्षेप में कहें तो भारत को नाइजीरिया के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने में तेजी से कदम उठाने होंगे। समय आ गया है कि हम अफ्रीकी देशों के साथ अपने परंपरागत संबंधों का विकास करें क्योंकि चीन इस महाद्वीप में रणनीतिक स्पेस पर लगातार कब्जा कर रहा है।

ट्रंप की टैरिफ आधारित विदेश नीति

भारत अच्छी तरह जानता है कि भले ही पहली टैरिफ गोलियां भारत पर न चलाई जाएं, लेकिन अंततः कई भारत पर चलाई जाएंगी।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

दुनिया भर में क्रिसमस और नए साल के जश्न से पहले ही आतिशबाजी शुरू हो गई है। ट्रम्प प्रेसीडेंसी 2.0 एक गेम चेंजर हो सकता है, जो संभावित रूप से कई वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक साझेदारियों को फिर से संगठित कर सकता है। सबसे पहले, दुनिया भर के देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी के बिडेन युग के दिनों को एक अधिक लेन-देन के दृष्टिकोण से बदल दिया जाएगा, जिसे राष्ट्रपति ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में संस्थागत बनाने की संभावना रखते हैं। कार्यभार संभालने से पहले ही, राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी टैरिफ-आधारित विदेश नीति को जोरदार तरीके से बताया है।

उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान चीन के आयात पर लगभग 60 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात की थी। हाल ही में उन्होंने कहा है कि 20 जनवरी को पदभार संभालने के बाद उनके द्वारा हस्ताक्षरित पहला कार्यकारी आदेश कनाडा, मैक्सिको और चीन के आयात पर टैरिफ लगाने का होगा।

बेशक, चेतावनी यह है कि जब तक वे अवैध अप्रवासियों को भेजना बंद नहीं करते और अमेरिका में ड्रग्स पर प्रतिबंध नहीं लगाते। डोनाल्ड ट्रम्प जानते हैं कि उनके टैरिफ-आधारित विदेश नीति दृष्टिकोण को डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों का समर्थन प्राप्त है। यह उनके मेड इन अमेरिका, स्थानीय रोजगार सृजन के कथानक को अच्छी तरह से दर्शाता है, जिसने उन्हें लगातार दो कार्यकाल में व्हाइट हाउस में वापस पहुंचा दिया।

भारत इस क्षेत्र की देखरेख कर रहा है, क्योंकि वह अच्छी तरह जानता है कि भले ही पहली टैरिफ गोलियां भारत पर न चलाई जाएं, लेकिन अंतत: कई भारत पर चलाई जाएंगी। श्री ट्रम्प पहले ही अपनी चुनावी रैलियों में भारत के उच्च टैरिफ के बारे में बोल चुके हैं और भले ही भारतीय आईटी

सेवा क्षेत्र ने अमेरिका के लिए कितना भी अच्छा किया हो, उन्हें कठोर संदेश भेजने की जरूरत है। राष्ट्रपति ट्रम्प 2.0 के तहत आगामी यूएस-भारत द्विपक्षीय संबंधों में एकमात्र बचत अनुग्रह व्यक्तिगत समीकरण होगा, जो राष्ट्रपति-चुनाव का प्रधान मंत्री मोदी के साथ है। एक-दूसरे को लंबे समय से जानना और एक-दूसरे की शासन शैली को देखना, शुरुआती लाभ हो सकता है, लेकिन दीर्घकालिक समाधान नहीं। प्रमुख भारतीय व्यापार वार्ताकारों की बहुत मांग है, खासकर वे जो ट्रम्प के पहले राष्ट्रपति पद के दौरान सरकार में रहे हैं।

किसी समय, द्विपक्षीय वार्ता में टैरिफ का मुद्दा सामने आएगा, जहाँ कठोर बातचीत की आवश्यकता हो सकती है। बिडेन प्रशासन के तहत भारत और अमेरिका ने व्यापार नीति मंच (ञ्जक्षत्र) के रूप में व्यापार और टैरिफ मुद्दों को निपटाने के लिए एक औपचारिक संस्थागत ढांचा स्थापित करने में कामयाबी हासिल की। ??ञ्जक्षत्र मंच अमेरिका और भारत के व्यापार प्रतिनिधियों को नियमित रूप से मिलने और आपसी चिंता के क्षेत्रों पर चर्चा करने और समाधान खोजने का अवसर प्रदान करता है। निश्चित रूप से तंत्र ट्रम्प प्रशासन के तहत भी मौजूद था, लेकिन एक बैठक और प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व में एक नई भारतीय सरकार (व्यापार और विदेश मामलों की नीति पर कम ध्यान देने के साथ) के साथ, इसने बहुत कम उद्देश्य पूरा किया। संभावना है कि डोनाल्ड ट्रम्प की कार्यशैली को देखते हुए, ञ्जक्षत्र को पृष्ठभूमि में धकेल दिया जा सकता है और व्यापार संबंधों में घर्षण को कम करने के लिए कई लेन-देन संबंधी द्विपक्षीय बैठकें आयोजित की जा सकती हैं।

यह ध्यान देने योग्य हो सकता है कि भारत का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष है, एक बिंदु जिसे श्री ट्रम्प सौदे के अपने पक्ष को निकालने के लिए ध्यान में रखेंगे। इस बीच, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार वातावरण के अपेक्षित कड़े होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। चीन को कुछ वस्तुओं को आगे बढ़ाने के लिए नए बाजार खोजने होंगे, जो अमेरिका को निर्यात करने के लिए बहुत महंगे हो सकते हैं। भारत और उसके पड़ोसी देशों को कमर कसनी होगी। अमेरिका में वस्तुओं की कीमतें, जिनमें से अधिकांश चीन से आयात की जाती हैं, घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ डाल सकती हैं, जिससे दरों में बढ़ोतरी हो सकती है।

ये वैश्विक प्रतिकूलताएँ आने वाले लंबे समय के लिए कथानक को आकार देंगी। इसका वैश्विक तेल की कीमतों और कई वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि पर मुद्रास्फीतिकारी प्रभाव पड़ सकता है। भारत के रिजर्व बैंक ने पहले ही चेतावनी दी है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी, संरक्षणवाद और टैरिफ तीन प्रमुख कारक हैं जो अगले साल भारत की अर्थव्यवस्था को आकार देंगे। यह एक और कठिन रस्सी होगी जिसमें बाजीगर के चतुर हाथ होंगे जो भारत को अगले कुछ वर्षों तक आगे ले जा सकते हैं।

आप की बात

बांग्लादेश को समझा दो

बांग्लादेश में गत 5 अगस्त से शुरू हुआ हिन्दुओं पर अत्याचार समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा।शेख हसीना के तख्ता पलट के नाम पर कथित आन्दोलन 2 दिन बाद ही हिन्दू विरोध में बदल गया था।जो आज तक निरन्तर जारी है। वहां की सरकार के मुखिया युसुफ, सेना और कट्टरपंथी जमातों ने मिलकर हिन्दुओं को समाप्त करने या देश छोड़ने का अभियान चला रखा है। किन्तु आश्चर्य है कि भारत सरकार ने इस पर कोई प्रभावशाली कदम नहीं उठाया। दिल्ली की यह उदासीनता विश्व भर के हिन्दुओं को व्यथित करने वाली है। क्योंकि भारत में एक हिन्दू हितेषी सरकार है, इसलिए भी यह और भी पीड़ादायक है।यह वही बांग्लादेश है जिसका जन्म भारतीय सेना के पराक्रम के गर्भ से हुआ था, यह वही बांग्लादेश है जिसकी भूख मिटाने के लिए कम से कम दो दशकों तक विद्यालयों में छात्रों द्वारा बांग्लादेश की सहायतार्थ एक निश्चित राशि प्रति माह दी जाती रही,यह वही बांग्लादेश है जिसकी स्त्रियों को भारतीय सैनिक पाकिस्तानी सेना के तम्बुओं में से उनके बदन को अपनी वर्दी से ढककर बचाकर लाए थे।आज वो ही नंगा बांग्लादेश हिन्दू महिलाओं का चीर हरण करने पर उतारू है। मोदी जी अब समय नहीं है। इससे पहले कि भारत में इसकी प्रतिक्रिया हो बांग्लादेश की सरकार को समझा दो।

– **डॉ नरेंद्र टोंक**, मेरठ

शांति और सद्भाव जरूरी

उत्तर प्रदेश की संभल जामा मस्जिद का विवाद सुर्खियों में है । अब अजमेर दरगाह को लेकर भी कोर्ट में दायर की गई याचिका को स्वीकार कर लिया है । पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने बयान दिया है कि हम आर-पार के मुड़ में है, धर्मस्थलों को तोड़कर बनी सभी मस्जिदों को फिर मंदिर बनाएंगे। देश में सांप्रदायिक सद्भाव व भाईचारा खराब ना हो, इसलिए 1991 में तत्कालीन सरकार ने पूजा स्थल कानून (प्लेसेस ऑफ़ वर्शिप एक्ट) बनाया था । इसमें स्पष्ट है कि 15 अगस्त 1947 से पहले भारत में धर्म का जो पूजा स्थल था, उसे किसी दूसरे पूजा स्थान में बदला नहीं जा सकता । इस कानून में सजा व जुर्माने ने का प्रावधान भी है। मगर देश में पूजा स्थान को लेकर एक के बाद एक याचिका दायर की जा रही है। अगर कोर्ट संभल की तरह आदेश देती रही तो निश्चित ही देश का सांप्रदायिक माहौल बिगड़ना तय है। अगर ऐसा होता है तो 1991 में बना कानून केवल लॉ की किताबों में ही सीमित रहकर, शोभा बढ़ता रहेगा। उक्त कानून का औचित्य खत्म हो जाएगा। कानून पर अमलीजामा कोर्ट ही पहना सकती है। सुप्रीम कोर्ट को उक्त कानून का हवाला देते हुए ऐसी विवादित याचिकाओं को अस्वीकार कर देना चाहिए ताकि देश का सांप्रदायिक माहौल न बिगड़े। संभल की घटना यही सीख देती है। देश में शांति व सद्भाव की जरूरत है, ना कि विवादों की।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

आरोपों की जांच हो

अदाणी समूह पर अमेरिकी अदालत द्वारा लगाए गए रिश्वत देने के आरोप सनसनीखेज हैं। अदालत ने जाने-माने भारतीय कारोबारी गौतम अदाणी उनके भतीजे सागर अदाणी और उनकी कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी के कुछ अधिकारियों के खिलाफ भारत में सौर ऊर्जा आपूर्ति का अनुबंध हासिल करने के लिए 2000 करोड रुपए से अधिक की रिश्वत देने और अमेरिकी निवेशकों को गुमराह करने के आरोप लगाए हैं। इस प्रकरण से अदाणी समूह सहित भारत की प्रतिष्ठा को बट्टा लगा है। पहले भी अदाणी समूह पर शेअरों में हेरा फेरी के आरोप लग चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के बड़े औद्योगिक घरानों की साख बनी रहे इस हेतु भारत में भी इस प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से जांच होना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि कांग्रेस सहित विपक्षी पार्टियां केंद्र सरकार पर अदाणी समूह के पक्ष में कार्य करने एवं उन्हें लाभ पहुंचाने के आरोप लगाती रहती हैं। केंद्र की एनडीए सरकार को अपने आप को निष्पक्ष साबित करने का यह एक अवसर है। हांलाकि अमेरिकी अदालत के आरोपों को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता क्योंकि पैसों के लेनदेन के कोई प्रमाण अभी सामने नहीं आए हैं। फिर भी यह धारणा टूटनी चाहिए कि भारत में बड़े औद्योगिक घराने, नेता एवं अफसर मिलकर मन चाहे सौदे करने में सफल रहते हैं।

– **ललित महालकरी**, इंदौर

ऑन लाइन सट्टा पर रोक लगे

आज 5 सालके बच्चे से लेकर युवा तथा प्रौढ़ तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त स्मार्टफोन के आदी हो चुके हैं। बेशक स्मार्टफोन के बेहद उपयोगी होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। मगर अब यह कई तरह की परेशानियों का सबब बन रहा है। बच्चे पढ़ाई छोड़कर वीडियो गेम और ऑनलाइन सट्टेबाजी में लिप्त हैं। फिर टीवी और सोशल मीडिया पर बड़े-बड़ क्रिकेटर्स फिल्मस्टारों द्वारा करोड़ों रुपए कमाने के विज्ञापनों ने सभी को रातों-रात करोड़पति बनने का नुस्खा बता दिया है। जिसके चलते किशोर व युवा अपना कीमती वक्त और भारी धन लुटा रहे हैं। सरकार कानून बना कर इसे रोक सकती है। मगर सरकार इस ओर आंख मूंदे हुए हैं। और इस सट्टे बाजी की लत लग जाने के कारण पढ़ने-लिखने, और अन्य सकारात्मक गतिविधियों के प्रति वे लापरवाह हो गए हैं। जिंदगीका कीमती वक्त यूं ही बर्बाद कर रहे हैं और परिवार पर बोझ बन रहे हैं। घर में आर्थिक सपोर्ट देना चाहिए वही घर का धन और जीवन बर्बाद कर रहे हैं अब सरकार को ही सभी तरह के ऑनलाइन सट्टे गेम व अश्लील सामग्री को तुरंत प्रतिबंधित कर देना चाहिए।

– **विभुक्ति बुपक्या**, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

उपचुनाव की जीत से विपक्ष भयभीत, 2027 में होगी इससे भी बड़ी विजय: योगी

● नवनिर्वाचित विधायकों का पार्टी मुख्यालय में मुख्यमंत्री ने किया अभिनंदन ●बोले योगी टीम भावना और एकजुटता के साथ कार्य करने से असंभव को भी बनाया जा सकता है संभव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बीजेपी मुख्यालय में आयोजित उपचुनाव में विजयी नवनिर्वाचित विधायकों के अभिनंदन समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों, पार्टी कार्यकर्ताओं, मंत्रियों और पदाधिकारियों को उपचुनाव के दौरान मिले दायित्वों को लेकर की गई कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि टीम भावना और एकजुटता के साथ कार्य करने से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उपचुनाव में बीजेपी को मिली प्रचंड जीत से विपक्षी दल भयभीत हो गये हैं। वो अब बस आरोप ही लगा सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने सभी को आश्वस्त किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा इससे भी बड़ी जीत हासिल करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन और नेतृत्व में एनडीए ने हरियाणा में हैट्रिक लगाई, महाराष्ट्र में भारी बहुमत हासिल किया और उत्तर प्रदेश उपचुनाव में 9 में से 7 सीटों पर विजय प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने चुनाव से पहले ही सात सीटें जीतने की रणनीति बनाई थी, जिसे संगठन और कार्यकर्ताओं ने जमीन पर उतारकर सफल बनाया। योगी ने कुंदरकी और कटेहरी जैसी कठिन सीटों पर जीत को पार्टी की रणनीति और कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि जहां लोग जीत की संभावना पर सवाल उठाते थे, वहां बीजेपी ने न केवल जीत हासिल की बल्कि अपनी स्थिति और मजबूत की। कुंदरकी में 1.45 लाख वोटों से रिकॉर्ड तोड़ जीत इसका उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने पार्टी की विचारधारा और कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण पर जोर देते हुए कहा कि बीजेपी हर चुनौती को अवसर में बदलने का माद्दा रखती है। उन्होंने सातों विधानसभा में मिली जीत को कार्यकर्ताओं और नेताओं के मजबूत प्रयास का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए यह जीत विपक्ष के मन में भय उत्पन्न करेगी। हमें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा और सघन जनसंपर्क के माध्यम से सरकार की योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा। इससे 2027 में हमारी सफलता और बड़ी होगी। मुख्यमंत्री ने खैर विधानसभा से विजयी सुरेंद्र दिलेर के पिता पूर्व सांसद और पूर्व विधायक राजवीर सिंह दिलेर का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी हमेशा अपने कार्यकर्ताओं के परिवार के साथ खड़ी रहती है।

योगी आदित्यनाथ ने नवनिर्वाचित विधायकों का आह्वान किया कि, चूंकि अब उनके पास दो-ढाई साल का ही समय है, ऐसे में वह सभी अपने कार्यकाल में जनता से बेहतर संवाद स्थापित करें और संगठन के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सफलता से प्रेरणा और असफलता से सबक लेकर आगे बढ़ना है। यदि हम इसी सामूहिक भावना से कार्य करते रहे, तो 2027 में प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलेगा। अभिनंदन समारोह में भाजपा और सहयोगी दल रालोद के विजयी विधायकों को बधाई दी गई। इनमें मीरापुर से मिथिलेश पाल (रालोद), कुंदरकी से भाजपा विधायक रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र दिलेर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद और मझवां से सुचिष्मिता मौर्य शामिल रहीं। इस अवसर पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, सुरेश खन्ना, संजय निषाद, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

शपथ लेने के बाद नवनिर्वाचित विधायकों ने दोहराया 'राष्ट्र सर्वोपरि' का संकल्प

● मुख्यमंत्री योगी ने शपथ लेने वाले नवनिर्वाचित विधायकों को दी शुभकामनाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और प्रभावी रणनीति के चलते उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल ने उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 में से 7 सीटों पर जीत हासिल की। इसके बाद शुक्रवार को विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सभी विजयी उम्मीदवारों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे प्रदेश के विकास और जनता की आस्था की जीत बताया। जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें कुंदरकी से रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र सिंह, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और मीरापुर से रालोद की मिथलेश पाल शामिल हैं। इन सभी उम्मीदवारों ने जनता के विश्वास और समर्थन का धन्यवाद करते हुए अपने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही। सभी ने एक स्वर में 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प को दोहराया, साथ ही मोदी-योगी के नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा जताई।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नवनिर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य होना गौरव की बात है। जनता की सेवा का अवसर आपको मिला है। मुख्यमंत्री जी के कार्यों को लेकर अगर जनता के बीच में जाएं तो हर बार जीत आपको मिलेगी। आपके पास ढाई साल का समय है, उसे जनता के बीच ज्यादा से ज्यादा व्यतीत करें। आपकी उपस्थिति विधानसभा में भी दिखनी चाहिए। यहां आपकी परफॉर्मेंस ही जनता के बीच आपकी सक्रियता के संदेश के रूप में जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना सहित मंत्रीगण और विधायकगण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास और पारदर्शी प्रशासन पर जोर दिया गया है। उनकी सरकार की जनहितकारी योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व सड़क परियोजनाओं ने लोगों का विश्वास मजबूत किया है। प्रदेश में अपराध नियंत्रण और धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार जैसे कदमों ने योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता को और बढ़ावा दिया है। परिणामस्वरूप यूपी विधानसभा उप चुनाव में भाजपा और सहयोगी दल रालोद के शानदार प्रदर्शन ने पार्टी के उत्साह में गजब का इजाफा किया है। वहीं, उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन के तमाम दावे ध्वस्त हो गए। गठबंधन की तमाम कोशिशों और बड़े बड़े वादों के बावजूद, विपक्षी दल अपनी साख बचाने में नाकाम रहे। बीजेपी और सहयोगी दलों की इस जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता का भरोसा योगी सरकार पर कायम है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ बीजेपी ने प्रदेश में अपनी मजबूत स्थिति का प्रमाण दिया है।

धरती के भगवानों को भी भाने लगी है अयोध्या शुरू हुई अंतरराष्ट्रीय क्रोनोमेडिसिन कांफ्रेंस

● देश-विदेश से सैकड़ों की संख्या में पहुंचे चिकित्सक दर्शन-पूजन भी करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद दूर-दूर से श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। वे न सिर्फ रामलला का दर्शन कर रहे हैं बल्कि योगी सरकार द्वारा सजाई गई रामनगरी का दीदार भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में धरती के भगवान माने जाने वाले चिकित्सक भी अब देश-विदेश से किसी न किसी बहाने अयोध्या पहुंच रहे हैं। शुक्रवार से राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज गंजा में शुरू हुई अंतरराष्ट्रीय क्रोनोमेडिसिन इसका जीता-जागता उदाहरण रहा। दरसअल अयोध्या में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रोनोमेडिसिन 2024 कांफ्रेंस हो रही है। इस कांफ्रेंस में प्रदेश से ही नहीं बल्कि देश-विदेश से चिकित्सक शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। आयोजन के सचिव व मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वीरेंद्र वर्मा ने बताया कि पिछली बार इसका आयोजन राजस्थान के जैसलमेर में हुआ था। राम मंदिर निर्माण के बाद चिकित्सकों ने अयोध्या में इस कांफ्रेंस को कराने का आह्वान किया था। सभी रामलला के दर्शन व अयोध्या को देखना भी चाहते थे। यही कारण रहा है कि कांफ्रेंस अयोध्या में कराई गई है। तकरीबन 800 से 1000 के बीच चिकित्सक इसमें शामिल हो रहे हैं।

संरक्षक व मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि कांफ्रेंस का शुभारंभ समारोहपूर्वक किया गया। यह 1 दिसंबर तक चलेगी। इसमें विदेश से 14 चिकित्सक पहुंच रहे हैं। 10 अमेरिका से ही हैं। उन्होंने बताया कि यूएसए के अमेरिका कॉलेज ऑफ फिजिशियन की वाइस प्रेसिडेंट डॉ. मुक्ता पांडा, यूएसए से डॉ. देवेंद्र अग्रवाल, चेन्नई से डॉ. कृष्णा शेषादोई, अमेरिका से डॉ. सुरेश सी त्यागी, यूएसए से डॉ. देवाशीष बगेची, डॉ. के राय चौधरी, डॉ. सीबा चौधरी, यूएस से डॉ. रामेश्वर नाथ चौधरी, डॉ. समेन्द्र नाथ, डॉ बानिक, यूके से डॉ. परिजाल डे व संगीता डे के अलावा देश के नामी गिरामी चिकित्सक शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा पद्मश्री डॉ. कमलाकर त्रिपाठी, बीएचयू के डायरेक्टर प्रो. डॉ. एनएस संखवार, एम्स के डायरेक्टर प्रो. डॉ. अजय सिंह भी शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। सभी अयोध्या दर्शन को भी जाएंगे। पहले दिन कांफ्रेंस में डॉ. नर सिंह वर्मा, डॉ. दिनेश व डॉ. अनुज महेश्वरी समेत नामी-गिरामी चिकित्सकों ने क्रोनोमेडिसिन के बारे में बताया। चिकित्सकों से मरीजों को दिनचर्या ठीक करने के बारे में बताने को कहा है।

सड़कों और हाइवे पर निराश्रित गोवंश विचरण करते न पाए जाएं: धर्मपाल सिंह

लखनऊ। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि खेतों, सड़कों के किनारे और हाइवे पर निराश्रित गोवंश विचरण करते न पाये जाए। इसके लिए मुख्य पशुचिकित्साधिकारी के साथ-साथ गोसंरक्षण कार्यों से संबंधित अन्य विभागों के अधिकारियों की भी जवाबदेही तय करने के लिए गाइडलाइन तैयार की जाए। उन्होंने आगामी 7 दिसम्बर से 14 दिसम्बर तक सघन अभियान चलाकर प्रदेश के सभी जनपदों में सड़कों या खेतों में घूम रहे निराश्रित गोवंश का संरक्षण किये जाने के निर्देश दिये हैं। धर्मपाल सिंह ने आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में पशुधन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि गौशालाओं में गोवंश के भरण पोषण की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाए। अधिकारी निराश्रित गोवंश हेतु गोआश्रय स्थलों में गोवंश के ठंड से बचाव, पर्याप्त चारा, भूसा, पानी, प्रकाश, औषधि आदि आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करें।

● 7 से 14 दिसम्बर तक अभियान चलाकर निराश्रित गोवंश का संरक्षण करने के निर्देश

सिंह ने अधिकारियां को सख्त रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि गोशालाओं में गोवंश के भरण पोषण की व्यवस्था पर पूरा अमल किया जाए। आवंटित बजट का समुचित उपयोग किया जाए। गोवंश को पर्याप्त हरा चारा दिया जाए और कोई भी गोवंश भूखा न रहने पाए। निराश्रित गोवंश का संरक्षण एवं संवर्द्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इन कार्यों में लापरवाही किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। सिंह ने कहा कि मोबाइल वेटनरी यूनिट का संचालन सुनियोजित और सुव्यवस्थित तरीके से किया जाए और जहां से भी पशुधन के चिकित्सा की सूचना प्राप्त हो वहां तत्काल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। पशुधन मंत्री ने कहा कि गोवंश संरक्षण के लिए अभियान की लक्ष्य पूर्ति हेतु जनपद के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और मंडलीय अपर निदेशक द्वारा निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाए।

ग्लोबल गैप प्रमाणीकरण की जानकारी के लिए किसानों को करें जागरूक: दिनेश प्रताप

लखनऊ। उद्यान, कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि ग्लोबल गैप प्रमाणन कृषि उत्पादों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मान्यता प्राप्त प्रमाणन है, जो कि पर्यावरण के अनुकूल कृषि उत्पादों की गुणवत्ता के लिए समर्पित है। इससे कृषि उपजों में रसायनों के प्रयोग को कम करने को बढ़ावा मिलेगा, कृषकों की आय में वृद्धि होगी और लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को मजबूती मिलेगी, जिससे आने वाली पीढ़ी को भी स्वास्थ्य वर्धक व सुरक्षित भोजन मिलेगा। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को गोमती नगर के मण्डी परिषद सभागार में अंतराष्ट्रीय बाजार में लागू अच्छी कृषि पद्धतियों ग्लोबल गैप (गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेज) प्रमाणीकरण का हाईब्रिड मोड में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के प्रमुख कृषि निर्यातोन्मुखी एफपीओ/ एफपीसी, कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया था, लगभग 125 प्रतिभागियों द्वारा आनलाइन भी प्रतिभाग किया गया। यह प्रशिक्षण भारत में ग्लोबल गैप की अधिकृत संस्था एसजीएस इंडिया प्रा.लि., मुम्बई के नेशनल मैनेजर-फूड एण्ड एग्रीकल्चर नीरज पुरी द्वारा प्रदान किया गया। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि ग्लोबल गैप मिशन का उद्देश्य सुरक्षित और अधिक प्रभावी कृषि पद्धतियों को वैश्विक रूप से अपनाना है। जिससे खाद्य और अन्य कृषि उत्पादों का उत्पादन वर्तमान की आवश्यकताओं और भविष्य की मांगों को पूरा करने की क्षमता के साथ संतुलित हो सके। ग्लोबल गैप प्रमाणन सबसे सम्मानित तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक है। विश्व भर के लगभग 2 लाख उत्पादक इसमें सम्मिलित हैं। प्रदेश के कृषि, उद्यान तथा कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय/ विभाग के मण्डलीय अधिकारियों को ग्लोबल गैप के मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण कराया जाय तथा इन मानकों का हिन्दी भाषा में एक सरलीकृत पैम्पलेट तैयार कर वितरित किया जाय, जिससे प्रदेश के किसानों में यूरोपीय देशों में निर्यात हेतु आवश्यक इस अन्तर्राष्ट्रीय प्रमाणीकरण को सरलता से जागरूक किया जा सके। प्रदेश के प्रत्येक ब्लाक में एक निर्यात योग्य उत्पाद का प्रगतिशील किसान/ एफपीओ, एफपीसी को उक्त उत्पाद हेतु ग्लोबल गैप का प्रशिक्षण दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाय। कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय का दूरभाष नंम्बर 0522-2707587 तथा उप निदेशक, उद्यान का दूरभाष नम्बर 9415130984 नोट कराया, कृषि निर्यात से सम्बंधित किसी भी समस्या अथवा समस्या का समाधान प्राप्त किया जा सकेगा। ग्लोबल गैप के जर्मनी स्थित मुख्यालय की प्रोग्राम कोआडिनेटर गैबरीला कोरल एलानिस ने कार्यक्रम में आनलाइन प्रतिभाग करते हुए प्रदेश में ग्लोबल गैप मास्टंर ट्रेनर तैयार करने हेतु संस्था द्वारा चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा, कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशक टीके शिबु, उप निदेशक डॉ. सुग्रीव शुक्ल, इन्डो जर्मन प्रोजेक्ट जयपुर के डिप्टी टीम लीडर प्रत्यूश रंजन सिंह, ग्लोबल गैप मुम्बई के एडवाइजर संदीप मधुकर सोनकूल सहित उद्यान एवं कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली के व्यस्ततम इलाके में हुआ विस्फोट केंद्रीय गृह मंत्रालय की सीधी असफलता: प्रमोद तिवारी

लखनऊ। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार पर राष्ट्रीय सुरक्षा तथा अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में बड़ी विफलताओं को लेकर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रशान्त बिहार में घटित आतंकी घटना ने देश में कानून- व्यवस्था के लगातार बिगड़ते हालात को और भयावह बना गया है। दिल्ली में पुलिस की अपराध शाखा से महज तीन सौ मीटर दूर व्यस्ततम इलाके में हुआ यह विस्फोट केन्द्रीय गृह मंत्रालय की सीधी असफलता है। तिवारी ने कहा कि यह अत्यन्त चिंताजनक है कि रोहिणी विस्फोट के चालीस दिनों के भीतर ही प्रशांत बिहार में विस्फोट की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि मणिपुर में दस माह के मासूम बच्चे की आंख निकालकर गोली मारकर हत्या हो या फिर जम्मू में अब घाटी में भी फैला आतंकवाद राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में देश को चिंतित किए हुए है।

उन्होनें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आरोपों के घेरे में रखते हुए कहा कि यदि वह देश की कानून व्यवस्था को जबाबदेह ढंग से नही संभाल पा रहे हैं तो उन्हें संवेदनशील जिम्मेदारी के निर्वहन में अपनी विफलता स्वीकार करनी चाहिए। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने वायनाड से पार्टी की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी के शपथ ग्रहण को संसद के लिए एक योग्य संसदीय प्रतिभा के रूप में जनता की आवाज की मजबूती की उपलब्धि कहा है। उन्होने केन्द्र सरकार के मंत्री रवनीत सिंह बिटटू द्वारा प्रियंका गांधी के सांसद निर्वाचित होने को लेकर दिये गये बयान पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि प्रियंका गांधी के जनता से अदभुत संवाद रखने की क्षमता से भयभीत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर मोदी सरकार के मंत्री का यह बयान पूरी तरह राजनैतिक मर्यादा के विपरीत है। उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में प्रियंका गांधी अब राहुल गांधी का और मजबूती से साथ देते हुए जनता से जुड़े मुददो पर इण्डिया गठबंधन की आवाज को मुखर बनायेंगी। संसद में अदाणी प्रकरण पर लगातार गतिरोध को लेकर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने सत्तारूढ़ भाजपा को पूरी तरह से जिम्मेदार कहा है। उन्होनें कहा कि अमेरिका के न्यूयार्क अदालत में अदाणी द्वारा भारत सरकार के अधिकारियों को तेईस सौ करोड़ की रिश्वतखोरी का संज्ञान लेना देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है।

सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह चरमरा गई है प्रशासनिक व्यवस्था: अखिलेश यादव

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश प्रगति करने के बजाय कई क्षेत्रों में पिछड़ता ही जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाएं सर्वाधिक बदहाल हुई है। सरकारी अस्पतालों में प्रशासनिक व्यवस्था एकदम चरमरा गई है। जिसके परिणाम स्वरूप आग लगने से बच्चों और दूसरे मरीजों की मौतें हो रही हैं, मरीजों को दवा और इलाज मिलने में बाधाएं आ रही है। डॉक्टर और स्टाफ नहीं है तो कहीं जीवन रक्षा में काम आने वाले कीमती उपकरण तालों में बंद धूल खा रहे हैं।

अखिलेश ने कहा कि राजधानी लखनऊ के बड़े अस्पतालों में मरीजों को आए दिन मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। सीनियर डॉक्टर अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। रेजीडेंट डॉक्टरों के सहारे इलाज होता है। इन अस्पतालों में संवेदनहीनता के मामले जब तक प्रकाश में आते रहते हैं। लारी कार्डियोलॉजी में एक मरीज इलाज के लिए हाथ जोड़ता रहा, सांस थम गई पर उसे वेंटीलेटर नहीं मिला। मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल रेफर करने के खेल में अब तब कितनी ही जानें जा चुकी हैं।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि जिला अस्पतालों में ही नहीं राजधानी के बड़े अस्पतालों में भी मरीजों-तीमारदारों को रोज ही अपमानित और प्रताड़ित होना पड़ता है। गंभीर मरीजों की भी भर्ती नहीं होती है। तीमारदारों को खुद ही स्ट्रेचर खींचने पड़ते है। हरदोई के हरपालपुर में एक प्रसव पीड़िता का गर्भ में बच्चा मर गया क्योंकि 3 घंटे तक फोन करते रहने पर भी उसे 102 एम्बूलेंस नहीं मिल सकी। मिन्नते करने के बावजूद एक महिला को शव ले जाने के लिए शव वाहन नहीं मिला तब कंधे पर लादकर दूर तक शव ले गए।

सरकारी उपक्रमों को बेचने के अभियान में जुटी है भाजपा: डॉ. राय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय ने कहा है कि आजादी के बाद पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर सभी कांग्रेस सरकारों द्वारा देश हित में बनाए गए सभी सरकारी उपक्रमों को (हवाई अड्डे, पोर्ट, रेलवे, जंगल, खनिज) आदि को भाजपा सरकार द्वारा बेचने का अभियान शुरू किया गया है। जो अब उत्तर प्रदेश की बिजली कंपनियों तक आ पहुंचा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने आजादी के बाद यह तमाम उपक्रम इसलिए बनाये थे कि यह उपक्रम देश की जनता की पूंजी होगी और इनके माध्यम से जनता को सुरक्षित रोजगार प्राप्त होगा। लेकिन उसके विपरीत भाजपा एक के बाद एक जनता के पैसों से बने सरकारी उपक्रमों को पूंजीपतियों को सौंपती जा रही हैं। भाजपा की पूर्व सरकारों ने भी नवरत्न कंपनियों को भेजा था वही काम आज भी जारी है।

निकायों के 223 कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी

● स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के डाक्यूमेंटेशन असेसमेंट के अपलोडिंग कार्य में लापरवाही पर हुई कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में प्रदेश की निकायों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नगरीय निकाय निदेशालय से सभी 762 निकायों के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन माध्यम से स्वच्छता मानकों की निगरानी के साथ डॉक्यूमेंटेशन कार्य को पूर्ण कराने के कार्यों की मानीटरिंग के दौरान कुछ निकायों के डाक्यूमेंटेशन असेसमेंट के अपलोडिंग कार्यों में कमियां पायी गयी। कार्यवाही करते हुए अपर निदेशक श्रीमती ऋतु सुहास द्वारा निकायों के 223 कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। ऑनलाइन मीटिंग के दौरान अपर निदेशक ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 हेतु डाक्यूमेंट असेस्मेंट के अपलोडिंग का कार्य प्रगति पर है और 30 नवम्बर तक डॉक्यूमेंट अपलोड किया जाना है लेकिन कुछ निकायों द्वारा बिना परिसीलन किए सोर्स सेग्रीगेशन, सालिड वेस्ट प्रोसेसिंग, सफाई मित्र सुरक्षा टीम संबंधी गलत डाटा भर दिया गया है। सही से डॉक्यूमेंट अपलोड नहीं किया गया और मानक भी अपूर्ण हैं। इस कार्य में संबंधित अधिशासी अधिकारी, डिवीजनल डीपीएम एवं आपरेटर का वृहद रूप से टीमवार राज्य मिशन निदेशालय में प्रशिक्षण भी कराया गया एवं वीसी के माध्यम से समय-समय पर निर्देश दिये गए। इतने प्रयासों के बाद भी विभिन्न निकायों के 223 कार्मिकों द्वारा न तो सही से डाटा भरवाया गया है न ही उक्त गतिविधि की समुचित ढंग से मॉनीटरिंग की गई। ऐसे लापरवाह कार्मिकों पर कार्यवाही करते हुए स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने की नोटिस जारी की गई है।

1068 करोड़ रुपए के निवेश का मार्ग प्रशस्त करेंगे मुख्यमंत्री

● गीडा का 35वां स्थापना दिवस समारोह आज योगी होंगे मुख्य अतिथि ●209 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) का 35वां स्थापना दिवस समारोह शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में मनाया जाएगा। इस अवसर पर वर्तमान वित्तीय वर्ष में गीडा की तरफ से 1068 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के सापेक्ष 85 निवेशकों को हुए भूखंडों के आवंटन में से पांच बड़े निवेशकों को खुद मुख्यमंत्री आवंटन प्रमाण पत्र सौंपेंगे। वह गीडा के विभिन्न सेक्टरों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के 209 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के अलावा गीडा के नाइलिट सेंटर से कौशल विकास का प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को सर्टिफिकेट प्रदान करेंगे। स्थापना दिवस पर सीएम योगी गीडा में लगने वाले दो दिवसीय ट्रेड शो और निवेश मित्र पोर्टल पर इंटीग्रेट होने वाली गीडा की 20 सुविधाओं का भी शुभारंभ करेंगे।

गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनुज मलिक के मुताबिक स्थापना के 35वें स्थापना वर्ष में गीडा ने अभी तक 3 लाख 27 हजार 313 वर्गमीटर क्षेत्रफल में 85 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया है। इसके जरिये 1068 करोड़ रुपये का निवेश और 4658 रोजगार सृजन प्रस्तावित है। स्थापना दिवस समारोह में आवंटित किए गए भूखंडों में से पांच बड़े निवेशकों को आवंटन पत्र का वितरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाएगा। गीडा की सीईओ के अनुसार वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिन प्रमुख इकाइयों के लिए जमीनों का आवंटन किया गया है उनमें एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड, एसएलएमजी पीईटी प्लांट, कपिला कृषि उद्योग, आईसन एयर कूलर, टेक्नोप्लास्ट पैकेजिंग प्राइवेट लि., मॉडर्न पैकेजिंग प्राइवेट लि., नोवामैक्स इंडस्ट्रीज व होटल नीलकंठ ग्रैंड शामिल हैं। गीडा के 35वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री योगी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से जुड़ी कुल 209 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। वह 123 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास तथा 86 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण करेंगे। शिलान्यास के प्रोजेक्ट्स में 94 करोड़ के सिविल और 29 करोड़ रुपये के विद्युत कार्य शामिल हैं। जबकि लोकार्पण की परियोजनाओं में 72 करोड़ के सिविल और 14 करोड़ रुपये के विद्युत कार्य सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री के हाथों निवेश मित्र पोर्टल पर इंटीग्रेट होने वाली गीडा की 20 सुविधाओं का शुभारंभ होने के साथ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और बेहतर होगा। पिछले वर्ष गीडा के स्थापना दिवस समारोह पर सीएम योगी ने उद्यमियों की सुविधा के लिए 'गीडा सेवा' पोर्टल का शुभारंभ किया था। अब निवेश मित्र पोर्टल पर गीडा की 20 सुविधाओं के जुड़ जाने से उद्यमियों को और सहूलियत मिलेगी।

पिछले स्थापना दिवस समारोह में गीडा ने नाइलिट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) से एमओयू कर स्थानीय युवाओं के कौशल विकास के लिए 9280 वर्गमीटर का कैम्पस, निर्मित भवन के साथ निशुल्क उपलब्ध कराया था। नाइलिट का गीडा कैम्पस कौशल विकास का केंद्र बनकर उभरा है। यहां अभी तक 13 पाठ्यक्रमों में 617 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। गीडा के 35वें स्थापना दिवस समारोह में सीएम योगी नाइलिट से प्रशिक्षित पांच युवाओं को सर्टिफिकेट वितरित करेंगे। दो दिवसीय ट्रेड शो में बड़ी कम्पनियों के साथ दिखेगा स्थानीय उत्पादों का जलवा*गीडा की तरफ से स्थापना दिवस पर दो दिवसीय ट्रेड शो का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें बड़ी कम्पनियों के उत्पादों के साथ स्थानीय उत्पादों, खासकर ओडीओपी का जलवा देखने को मिलेगा।

बहुप्रतीक्षित रूरा के नये रेलवे अण्डरपास का निर्माण कार्य शुरू

रविकान्त दुबे, कानपुर देहात।

वर्चुअली माध्यम से 9 महीने पूर्व पीएम मोदी द्वारा शिलान्यास किये गये रूरा के नये रेलवे अण्डरपास का शुभारम्भ कार्यदायी सॅस्था द्वारा जेसीबी मशीन की खुदाई के माध्यम से शुरू कर दिया गया। एक वर्ष की अवधि में आवागमन हेतु तैयार होने वाले इस बहुप्रतीक्षित अण्डरपास से स्थानीय व क्षेत्रीय लोगों को भारी राहत मिलने की उम्मीद जतायी जा रही है। रूरा कस्बे को आवागमन में बीते चार वर्षों से होने वाली परेशानी से निजात के लिये अगला साल 2025 भारी राहत देने वाला साबित होने वाला है। निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण अपने अॅतिम चरण में है जिसके लिये जनवरी–फरवरी 2025 में आवागमन चालू होने की उम्मीद है। गुरूवार को करीब 8 करोड रूपये की लागत से बनने वाले प्रस्तावित नये रेलवे अण्डरपास का निर्माण कार्य दक्षिणी हिस्से से शुरू हो गया है। कार्यदायी सॅस्था ने जेसीबी माध्यम से खुदाई का काम शुरू करवा दिया है। करीब 4 मीटर चौडे व 3:50 मीटर ऊॅचे प्रस्तावित अण्डरपास को यू सेफमें बनाने के प्रयास किये जा रहे है। अण्डरपास के अवागमन के लिये दक्षिणी दिशा की ओर से मार्ग बनवाये जाने के लिये पश्चिमी केबिन के पास स्थित मकान की बाधा को हटाये जाने के लिये चैयरमैन माननीय रामजी गुप्ता प्रयासरत है, डीएम आलोक सिंह ने भी पश्चिमी केबिन बन्द होने की स्थिति में इसी मार्ग को बनवाये जाने की सहमति प्रदान की है, जिसका सर्वे कार्य होना बाकी है। अण्डरपास बनने पर हल्के चारपहिया के साथ भारी वाहनों का आवागमन भी सुनिश्चत हो सकेगा। अण्डरपास के निर्माण पर प्रस्तावित दो नये रेलवे ट्रैक के निर्माण का भी ध्यान रखा जा रहा है। 36,967 मीटर लम्बे अण्डरपास में एक साथ विपरीत दिशा से दो भारी वाहनों के आवागमन के लिये पर्याप्त स्थान रहने की सॅभावना व्यक्त की जा रही है। कार्यदायी सॅस्था मेसर्स मेघवानी बिहारीलाल कॅस्ट्रक्शन कम्पनी के सिविल इॅजीनियर विपिन चौधरी ने बताया कि रेलवे अण्डरपास के निर्माण के लिये बाधा बने एचटी लाइन के खम्भे व बिजली लाइन की शिफ्टिंग कार्य शीघ्र ही शुरू कराया जायेगा। अण्डरपास का निर्माण एक वर्ष में पूरा कर जनता के आवागमन के लिये खोल दिया जायेगा।

निर्माणदायी सॅस्था ने जेसीबी मशीन के माध्यम से शुरू करवायी खुदाई,एक वर्ष के भीतर निर्माण हो जाएगा पूरा

स्थानीय निवासियों ने चलाया था व्यापक हस्ताक्षर अभियान

भाजपा सॉसद देवेन्द्र सिंह भोले के प्रस्ताव पर रेलवे अण्डरपास के निर्माण को दी गयी थी स्वीकृति

कानपुर देहात। स्थानीय निवासियों ने ओआरबी के निर्माण के शुभारम्भ से पूर्व ही अण्डरपास निर्माण हेतु कस्बे में व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया था, भाजपा नेता व पूर्व चैयरमैन प्रत्याशी शैलेन्द्र राजावत, सपा नेता विजय यादव, शिक्षक विपिन राजावत, सभासद अॅशू बाजपेई सहित अन्य स्थानीय लोगों के नेतृत्व में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दुकान-दुकान व घर-घर जाकर अण्डरपास के निर्माण के लिये जागरूकता व उसकी उपयोगिता से अवगत कराते हुये हस्ताक्षर अभियान चलाया था। हस्ताक्षर अभियान के दौरान ही भाजपा सॉसद देवेन्द्र सिंह भोले ने समस्या को स्वतः सॅज्ञान लेते हुये रेलवे को अण्डपास के निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजा था, जिसकी स्वीकृत मिलने के बाद फरवरी 2023 में पीएम मोदी ने वर्चुअल माध्यम से नये रेलवे अण्डरपास का शिलान्यास किया था।

मिट्टी माफ़िया के आतंक से किसान परेशान

संडीला (हरदोई)। क्षेत्र में बेलगाम मिट्टी खनन माफ़िया ने किसानों की व्यक्तिगत जमीन की खुदाई करके उसे बड़े.बड़े गड्ढों में परिवर्तित कर दिया। इस मामले की शिकायत एसडीएम से की गयी है। ग्राम रईसों निवासी श्याम मनोहर पुत्र मुल्ला तथा नेकपाल पुत्र श्यामलाल ने एसडीएम को प्रेषित प्रार्थना पत्र में कहा है कि उसके खेत गाटा संख्या 88 में उन्नाव के खनन माफ़िया ने जेसीबी और पोकलैंड लगाकर सारी मिट्टी खोद डाली और निर्माणाधीन सड़क को पाटने के लिए सप्लाई कर दी। खनन के कारण खेत पूरी तौर पर बर्बाद हो गए हैं।

अपर जिलाधिकारी ने अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा की

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गम्भीर प्राकृति के वादों में प्रभावी पैरवी कर अधिक से अधिक दोषियों को सजा दिलायी जायए जिससे अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को यह संदेश जाये कि छोटा से छोटा अपराध करने पर भी वे सजा से बच नहीं सकते हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि न्यायालय में साक्ष्य के लिए आने वाले गवाहों से शत प्रतिशत गवाही करायी जाय तथा दोषमुक्त मामलों में नियमानुसार अपील की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाय। उन्होंने सभी अधिकारियों और शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि अभियोजन के कार्य को गंभीरता से लें। अपर जिलाधिकारी ने कहा की पीड़ितों को न्याय दिलाना हम सभी की जिम्मेदारी है। एक्साइज एक्टए पॉक्सो एक्टए एनडीपीएस एक्टए एससी.एसटी एक्टए हत्याए डकैतीए बलात्कारए शस्त्र अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण एवं गंभीर मामलों को चिह्नित करते हुए उसके निष्पादन के लिए ससमय कार्यवाही की जाय। हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम न्याय समय से दिला सके।अपर जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन के लिए सभी संबंधित पक्षों में समन्वय का होना आवश्यक हैएजरूरी है सभी आवश्यक पत्रावली व संबंधित कागजात ससमय पेश किए जाए।अपर जिलाधिकारी ने बैठक में महिला अपराधों व पाक्सों एक्ट से संबंधित मुकदमों पर प्रभावी ढंग से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने आपराधिक मामलों में लिप्त अपराधियों को सजा दिलाने को न्यायालयों में मुकदमों की प्रभावी ढंग से पैरवी करने के लिए अभियोजन अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में दोषसिद्धए दोषमुक्त वादों तथा टॉप टेन मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए गए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडे अभियोजन के पदाधिकारीएसंबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मार्ग दुर्घटनाओं में दस की मौत

कानपुर देहात में सड़क हादसों में पॉच की जान गई

कानपुर देहात। जनपद के अकबरपुर व गजनेर थाना क्षेत्र में दो अलग–अलग मार्ग दुर्घटनाओं में पॉच लोगों की मौत हो गयी व करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गये। घायलों को जहॉ उपचार के लिये अस्पताल भेजा गया वहीं मृतकों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजा गया है।

गजनेर थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि गजनेर से सुमित कश्यप, आमीन, इमरान, सुशील व छुट्टन निवासीगण आलमचन्द्रपुर कालोनी अकबरपुर अपनी मोटरसाइकिल से जा रहे थे, रास्ते में पुलिया के पास उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर खाई में गिर गयी, जिससे इमरान, सुशील, व छुट्टन की मौत हो गयी। सुमित व आमीन को उपचार के लिये जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं अकबरपुर थाना क्षेत्र के बरौला गॉव के पास रूरा अकबरपुर मार्ग पर मार्गदुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गयी है। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है वहीं घायलों को उपचार के लिये अस्पताल भेजा गया है।

डंपर ने बाइक सवार को रौंदा,तोड़ दिया दम

.फर्रुखाबाद। डंपर ने बाइक सवार को रौंद दिया जिससे बाइक सवार की मौके पर दर्दनाक मौत हो गयी।बताते है कि थाना क्षेत्र शमसाबाद के गांव जटपुरा निवासी युवक रामवीर पुत्र शीशराम उम्र लगभग 39 वर्ष सुबह करीब 10ए00 बजे अपने घर से बाइक से कायमगंज जा रहा था। रास्ते में इमादपुर थमरई निकलते ही झन्नाखार पुलिया के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को कुचल दिया। जिससे बाइक सवार रामवीर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।वहां मौजूद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शमशाबाद लाया गया। वहीं मृतक की शिनाख्त चचेरे भाई सर्वेश ने रामवीर के रूप में की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं सर्वेश ने बताया कि युवक की शादी हो चुकी थी। जिसके दो बच्चे हैं। वहीं एक बच्चे की उम्र लगभग 6 साल और छोटे बच्चों की उम्र 3 माह है। बड़े भाई की मौत इससे पूर्व हो चुकी है।रामबीर ही अपने घर परिवार का पालन पोषण करता था। वहीं पुलिस ने डंपर चालक व डंपर को अपने कब्जे में ले लिया है।

फतेहपुरमें दुर्घटनाओं में बालक सहित चार की मौके पर मौत

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री ने घायलों को अपने वाहन से पहुंचाया अस्पताल

फतेहपुर। जनपद के अलग–अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत गुरूवार की देर रात हुए सड़क हादसों के दौरान बालक सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार कानपुर नगर के थाना नरवल गांव हृदयखेड़ा गांव निवासी राम किशोर का 17 वर्षीय पुत्र गोपाल उर्फ गगन साढ़ थाना के अरजराम गांव निवासी बशारत का 27 वर्षीय पुत्र अनूप सहित चार लोग चार पहिया वाहन से खागा कस्बा बारात में गए थे। वापस लौटते समय जब चार पहिया वाहन शहर क्षेत्र के एआरटीओ आफिस एनएच–2 के समीप पहुंची तभी एक कन्टेनर से भिड़ंत हो गई। जिससे अनूप व गोपाल उर्फ गगन की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि वाहन में सवार अन्य दो लोग घायल हो गए। जिन्हें रात में ही कानपुर के लिए रेफर कर दिया। इसी प्रकार सदर कोतवाली क्षेत्र के मदारीपुर कला गांव निवासी राम किशोर का 29 वर्षीय पुत्र अनिल अपने आठ वर्षीय पुत्र सरवन व भतीजे आदित्य उर्फ पुष्पेंद्र के साथ थरियांव थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव शादी समारोह में गए थे। रात लगभग ग्यारह बजे लौटते समय जैसे ही ये लोग बिलंदा कोल्ड स्टोर के समीप एनएच–2 पर पहुंचे तभी तेज रफ्तार आ रही चार पहिया ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे अनिल, आदित्य की मौके पर ही मौत हो गई जबकिआयुष गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के आयुष गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद शादी समारोह से लौट रही पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने जब हादसा देखा तो उन्होने अपनी गाड़ी रूकवाई और अपने वाहन से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने शवों को विच्छेदन गृह भेज दिया। उधर घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया।

चेयरमैन ने प्रतियोगिता के प्रतिभागी छात्रों को किया पुरस्कृत

फतेहपुर। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजकुमार मौर्य व अधिशासी अधिकारी रविंद्र कुमार के अलावा सभासदों ने शुभारंभ किया। स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता एवं क्लीन टॉयलेट अभियान के अंतर्गत 19 नवंबर से 25 दिसंबर तक चलने वाले अभियान में स्कूली बच्चों के बीच चित्रकला का कार्यक्रम कराया गया। कंपोजिट विद्यालय रस्तोगीगंज, नेहरू बाल हायर सेकंडरी विद्या सदन एवं एंबिशन पब्लिक स्कूल के बच्चे एवं अध्यापक अध्यापिका ने प्रतिभाग किया। अध्यक्ष राजकुमार मौर्य ने कहा कि स्वच्छ वातावरण परिवहन समिति के सदस्यों द्वारा बाल ट्रैकिंग हेतु जो सहयोग की अपेक्षा की गई वह सराहनीय है। अध्यक्ष ने स्कूली बच्चों को गिफ्ट दिए गए। कैप शर्ट स्वच्छ भारत मिशन पर सीमित के सदस्यों को वितरण किया। साथ में सफाई कर्मचारियों को भी पीपी किट वितरण करते हुए सम्मानित किया। स्वास्थ्य एवं खाद्य निरीक्षक आरके चंद्राकर, मो. हबीब ने कार्यक्रम को सफल बनाया। स्वच्छता दूत जय, विनय आदि ने सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर सभासद विनय तिवारी, विवेक यादव, गुड्डू यादव, संतोष पटेल, आतिश पासवान, संजय लाला श्रीवास्तव, भिक्खू मामा, शादाब अहमद, शहजाद अनवर, अरुण यादव, पवन द्विवेदी, राम सिंह पटेल, साबिर अहमद, इस्माइल वारसी, अखिलेश कुमार भी मौजूद रहे।

खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ

फतेहपुर। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत दिव्यांग छात्रों को शिक्षा एवं समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए शुक्रवार को बिलंदा में तहसील स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील सदर के सभी विकास खण्डों के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भारती त्रिपाठी के आदेशानुसार में बीईओ तेलियानी राजेश कटियार के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने शिरकत की। उन्होने सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में कुल 125 दिव्यांग छात्रों ने भाग लिया। 10 प्रतियोगिताएं कराई गई, जिसमें दौड़ बालक-बालिका, कुर्सी दौड़, सुलेख, रंगभरो, गुब्बारा फुलाओ, टोकरी में बाल फेंकना, छूकर पहचानो, मेंहदी प्रतियोगिता, लंगड़ी दौड़, चित्रकला प्रतियोगिता शामिल है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर दिव्यांग बच्चों की 100 मीटर लंबी दौड़ से प्रतियोगिताएं आरंभ कराई गई।

टुगेदर वी सोअर कैंपेन शुरू

वाराणसी। श्रीराम फाइनेंस ने टुगेदर वी सोअर शिर्षित एक बेहद प्रेरक ब्रांड कैंपेन प्रारंभ किया है। यह कैंपेन परस्पर संबंध और एकता की ताकत पर प्रकाश डालते हुए श्रीराम फाइनेंस की भारत की उम्मीदों के साथ साझेदारी की प्रतिबद्धता दर्शाता है।इस कैंपेन का उद्देश्य इस भावना का जश्न मनाना और राहुल द्रविड़ के अपने जीवन के एक अंश के साथ साझेदारी को आगे बढ़ने के साधन के रूप में दर्शाना है। श्रीराम फाइनेंस में मार्केटिंग की एग्ज़ेक्युटिव डायरेक्टर के रूप में कार्यरत एलिज़ाबेथ वेंकटरमन ने अभियान के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा टुगेदर वी सोअर हर भारतीय के साथ खड़े होने के हमारे वादे का प्रतीक है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में व्यापारी अकेला, व्यापार मंडल के संगठन मौन

फर्रुखाबाद। अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर व्यापार मंडल इन दिनों मौन बना हुआ है।अतिक्रमणअभियान के दौरान किसी भी व्यापार मंडल का कोई भी पदाधिकारी आसपास नहीं दिखाई दिया। वैसे व्यापारी हित का दावा करने वाले व्यापारी नेता हर रोज संघर्ष करने के लिए ताल ठोकते रहते हैं लेकिन जब व्यापारियों को संगठन की आवश्यकता है तब कोई भी व्यापार मंडल उनकी सुनने वाला नहीं है। इस बात को लेकर आम व्यापारियों में संगठनों के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है।व्यापार मंडल के कई संगठन जिले भर में सक्रिय हैं जिनमें मुख्य रूप से मिश्रा गुटए कंछल गुटए अभी हाल में ही सक्रियता में आया भारतीय व्यापार मंडल व्यापार फेडरेशन जैसे अनेक संगठन है जो समय.समय पर व्यापारी हित का दावा करते हैं और व्यापारी नेता की हैसियत से सरकारी बैठकों में व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करने जाते हैं लेकिन व्यापारी हित में जमीन पर कोई भी कार्य करने की हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं। पूछने पर एक व्यापारी नेता ने कहा कि वह गलत बातों में अथवा अतिक्रमण को लेकर व्यापारियों का पक्ष कैसे ले सकते हैं। लेकिन जब उनसे पूछा गया कि सही में तो व्यापारी के साथ रह सकते हैं तो जवाब देने से मुकर गए इसी तरीके के कई व्यापारी नेता व्यापारी का दावा तो करते हैं लेकिन अतिक्रमण हटाओ अभियान में व्यापारियों के साथ खड़े नहीं दिखाई दे रहे हैं जिसको लेकर व्यापारी समाज विभिन्न संगठनों के प्रति आक्रोषित होता चला जा रहा है। पिछले दिनों हुए भारतीय व्यापार मंडल के कार्यकारी जिला अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता ए उद्योग व्यापार मंडल मिश्रा गुटके नव मनोनीत जिला अध्यक्ष सदानंद शुक्ला को संघर्ष शील व्यापारी नेता कहा जाता है। लेकिन अतिक्रमण अभियान में अभी तक यह नेता सक्रिय नहीं दिखाई दिए हैं उधर नगर अध्यक्ष के रूप में इखलाक खां उनके ही द्वारा प्रोत्साहित किए गए युवा व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अंकुश श्रीवास्तव जो कि अपने संघर्षों के तेवर के लिए जाने जाते हैंए अभी तक कोई भी व्यापारी के हित में अतिक्रमण अभियान में साथ नहीं दिखाई दिया है। अब देखना है कि आगे अतिक्रमण हटाओ अभियान चलता है तो क्या यह व्यापारी नेता व्यापारी के हित में आगे आएंगे अथवा नहींघ् व्यापारी नेता अपने संगठन की दृष्टि करने में लगे हुए हैं उन्हें व्यापारी का हिट पीछे दिखाई दे रहा है हर तीसरे दिन कोई न कोई घोषणा किसी न किसी मंडल से होती ही रहती हैए लेकिन जहां पर व्यापारी का सवाल है वहां के लिए कोई भी नहीं दिखाई दे रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने मृतक मुख्य आरक्षी के परिजनों को दिया चेक

फर्रुखाबाद । पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा फतेहगढ़ पुलिस लाइन ग्राउंड में शुक्रवार परेड़ की सलामी ली गयी एवं पुलिस लाइन में स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा.निर्देश दिये गये । पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन स्थित महिला थाना व विभिन्न शाखाओं का औचक निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा.निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा पुलिस लाइन सभागार में सीसीटीएनएस ध्डॉयल112ध्अभियोजन कार्यालयध्अग्निशमन कर्मचारियों के साथ सीएम डेशबोर्ड पोर्टल पर फीडिंग के सम्बन्ध में गोष्ठी की गयी व आवश्यक दिशा.निर्देश दिये गये। न्चचवसपबम व बैंक ऑफबरौदा के मध्य हस्ताक्षरित डव्न् के तहत चैप् ।बबवनदज के अन्तर्गत मृतक मुख्य आरक्षी धर्मेन्द्र के आश्रित परिजनों को 20ए00ए000 का चेक दिया गया।

डाक्टरों के साक्षात्कार के एक माह बाद भी कोई फैसला नहीं

डीएम ने भर्ती प्रक्रिया की रद

हमीरपुर। एक माह के बाद भी संविदा चिकित्सकों के साक्षात्कार का परिणाम स्पष्ट होने पर डीएम ने भर्ती को निरस्त कर फिर से साक्षात्कार की तिथि निश्चित की है। भर्ती निरस्त होने से डाक्टरों में रोष देखा जा रहा है। साक्षात्कार की तिथि अब ग्यारह दिसम्बर निश्चित की गयी है। जानकारी के मुताबिक जिले में सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों की कमी के चलते 16 एमबीबीएस व दो डेंटल डाक्टरों की संविदा में भर्ती होनी थी इसके लिये 22 अक्टूबर को सीएमओ कार्यालय में डाक्टरो का साक्षात्कार हुआ था। शासन से साक्षात्कार के लिये समिति का गठन किया गया था जिसमे जिलाधिकारी अध्यक्ष व सदस्य में सीएमओ,सीएमएस व डिप्टी सीएमओ को समिति में रखा गया था जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रुप में सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला को नियुक्त किया गया था। बताया जाता है कि सभी डाक्टरों को अस्पताल में इमरजेंसी मेडिकल आफीसर(इएमओ) के पद में भर्ती किया जाना था दूरदराज से आकर डाक्टरो ने साक्षात्कार में भाग लिया था। सोलह डाक्टरों की जगह में ही केवल सोलह डिग्रीधारक डाक्टर ही साक्षात्कार देने आये थे जब कि डेंटल डाक्टरों की जगह केवल दो थी जिमसे साक्षात्कार में कई डेंटल डाक्टरों ने साक्षात्कार में भाग लिया था। साक्षात्कार के बाद सीडीओ जो जिलाधिकारी के प्रतिनिथि पद पर नियुक्त थे उनको अंतिम फैसला करना था। एक माह से ज्यादा समय व्यतीत होने के बाद भी सीडीओ ने साक्षात्कार के फाइल में हस्ताक्षर नही बनाये जिससे भर्ती फाइनल नही हो पायी लिहाजा डीएम घनश्याम मीना ने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह रद्द कर दिया है,जिलाधिकारी ने कहाहै कि वह स्वयं ही साक्षात्कार में उपस्थित रहेगे। ताकि दोवारा कोई विलंब न होने पाये और पारदर्शिता बनी रहे। साक्षात्कार की तिथि अब ग्यारह दिसम्बर निश्चित की गयी है। इस मामले में सीएमओ डा गीतम सिंह का कहना है कि भर्ती निरस्त कर दी गयी है दोवारा भर्ती निकाली गयी है। इस मामले को लेकर तरह तरह की अटकले लगायी जा रही है। यदि सोलह डाक्टरों की भर्ती शीघ्र हो जाती तो हर अस्पताल में डाक्टरों की कमी को पूरा किया जा सकता था।

डीएम एसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

फतेहपुर। ज़िला अधिकारी रविन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कंट्रोल रूम, पाकशाला (रसोईघर), पुरुष/महिला बंदीगृह,आगनवाड़ी केंद्र,चिकित्सालय, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान आदि को देखा। कंट्रोल रूम में सभी सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील पाए गए, रसोईघर में मीनू के अनुसार भोजन बनाया जा रहा था जिसका जायजा लिया। महिला बंदीगृह में बच्चियों ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक महोदय को अंग्रेजी वर्णमाला व कविता का पाठ करके सुनाया।

धूम-धड़ाके के साथ लखीमपुर महोत्सव का समापन

लोक कलाकारों ने बांधा समांए लेजर शो ने महोत्सव की बढ़ाई भव्यता-सांस्कृतिक व पारंपरिक चेतना के साथ कलाकारों ने जमाया रंग जमकर थिरके लोग

लखीमपुर खीरी। मेंढक मंदिर ओयल में लखीमपुर महोत्सव के भव्य और आकर्षक मंचए चकाचौंध कर देने वाली प्रकाश की रंगबिरंगी किरणोंए छोटे बड़े कलाकार। मंच पर थिरकते कलाकारए बरबस ही दर्शकों को एक टक निहारने को मजबूर कर रहे थे। रात की शमा ऐसी जली कि बस हर कोई अपनी जगह पर बैठा ही रह गया। वातावरण में गूंजती हजारों तालियों की गड़गड़ाहट का क्रम रुक.रुककर देर शाम तक चलता रहा। लखीमपुर महोत्सव के मुक्ताकाशीय मंच पर विधायक सदर योगेश वर्माए डीएम दुर्गा शक्ति नागपालए एसपी गणेश प्रसाद साहाए सीडीओ अभिषेक कुमारए अध्यक्ष नगर पंचायत ओयल प्रतिभा ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

मेंढक मंदिर ओयल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के बाद गुरुवार देर शाम लखीमपुर महोत्सव का समापन हुआ। समापन समारोह के मौके पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपालए एसपी गणेश प्रसाद साहा ने महोत्सव के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के संयोजकों और सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस दौरान की गई आतिशबाजी ने दर्शकों को रोमांचित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि यह प्रसन्नता का क्षण है कि तराई की मिट्टी का उत्सव लखीमपुर महोत्सव 2024 सफलता के परचम को लहरा रहा है। महोत्सव में अनेक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर जनता का इस शीतलहर में भी मनोरंजन करके उत्साहवर्धन किया। महोत्सव के पीछे की धारणा भी यही है कि हम लोक परंपरा व लोककला को प्रोत्साहित करें। नए कलाकारों को मंच प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ने को प्रेरित करें।

डीएम की पहल परण्ण्खीरी में हुआ अभूतपूर्व व ऐतिहासिक महोत्सव: विधायक सदर

विधायक सदर योगेश वर्मा ने कहा कि डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल पर लखीमपुर खीरी के पांच अलग.अलग स्थानो पर अभूतपूर्व और ऐतिहासिक महोत्सव का आयोजन हुआ। इस तराई की मिट्टी का उत्सव लखीमपुर महोत्सव 2024 की सफलता का राज जिलाधिकारी की परिकल्पना में छिपा है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल पर जिले में पहली बार आयोजित इस लेजर शो में मेंढक मंदिर के महत्व के साथ शिव के बारे में उपस्थित जनसमूह को जानकारी दी गई। इस लेजर शो में अद्भुत नजारा देखने को मिला। इस लाइट एंड लेजर शो के शुरू होने के बाद रंग बिरंगी रोशनी की छटा महोत्सव के आकर्षण का केंद्र रही।अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संगीत नाटक अकादमी राष्ट्रपति सम्मान ;संगीत को समर्पित देश का सर्वोच्च सम्मानद्ध से सम्मानित वरिष्ठ ध्रुपद गायक पंडित विनोद कुमार द्विवेदी ने अपने ध्रुपद गायन से सभी को भाव विभोर किया । ध्रुपद भारतीय संगीत की प्राचीतम विद्या जो सामवेद से जुड़ी है जिसका गायन तानसेन भी किया करते थे। सह गायन में उनके सुपुत्र आयुष द्विवेदी एवं उनके वरिष्ठ शिष्य शिष्याएँ ने संगत की तथा सारंगी संगत पर वाराणसी से अनीश मिश्रा एवं पखावज पर पुणे से मनोज सोलंके अति प्रभावशाली संगत की। गायन की शुभारम्भ जोग में आलाप तथा शिव जी पर आधारित स्वयं की दो रचनाएँ श् आदि देव महादेवण्ण् श् एवं श्बाजत शिव डमरूण्ण्ण्ण्श् प्रस्तुत की।

तेंदुए की चहलकदमी से आधा दर्जन गांवों में दहशत

संडीला;हरदोई। गोमती नदी के किनारे के आधा दर्जन से अधिक गावों में तेंदुए की चहलकदमी को लेकर दहशत पैदा हो गयी है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच तेंदुए की चहलकदमी की पुष्टि की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोमती नदी के तटीय क्षेत्रों में फैले वनक्षेत्र से होकर तेंदुआ इस क्षेत्र में चहलकदमी कर रहा है। इसकी पुष्टि तब हुई जब ग्राम महुआ डांडा में पूर्व प्रधान चंद्रवीर सिंह के आलू के खेत में किसी बड़े जानवर के पंजों के निशान दिखाई पड़े। इसकी सूचना उन्होंनें पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जानकारी वन विभाग के क्षेत्रीय वन रक्षक इरफ़ान अहमद को सूचित किया। इरफ़ान अहमद ने मौके पर पहुंचकर पद् चिह्नों की जांच की। यह पद् चिह्न 7 इंच लंबे और पांच इंच चौड़े थे। इसपर उन्होंनें पुष्टि की कि यह तेंदुए के ही पद् चिह्न हैं। उन्होंनें घटना की सूचना रेंजर सीके पाण्डेय को दी। रेंजर भी मौके पर पहुंचे और काफ़ी दूर तक इन पद् चिह्नों का पीछा किया। यह पद् चिह्न ग्राम पिपरी पर जाते हुए दिखाई दिए। वन कर्मियों का कहना है कि तेंदुआ वापस अपने क्षेत्र में चला गया है। क्षेत्र में तेंदुए की चहलकदमी से ग्राम महुआ डांडाए बसहियाए हाजीपुरए युवराजपुरए भंभुआए कट्काए किसनापुरए पिपरी नारायनपुरए डेवरी आदि में दहशत फ़ैल गयी है। किसान घरों से बहुत कम निकल रहे हैं और बच्चों का घर से निकलता बिल्कुद बंद कर दिया गया है। दूसरी ओर वन विभाग ने एडवाइज़री जारी की है कि किसान खेतों में अकेले न जाएं बल्कि समूह में जाएं।

सिद्धरमैया ने पीएम मोदी से की मुलाकात

दो सिंचाई परियोजनाओं के लिए तत्काल मंजूरी मांगी

नई दिल्ली। (भाषा) कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की तथा उनसे अल्पावधि कृषि ऋण सीमा में सुधार, 10,000 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता और मेकेदातु जलाशय एवं कलसा बंडूरी परियोजनाओं के लिए तत्काल मंजूरी देने का अनुरोध किया। संसद भवन परिसर में हुई बैठक में सिद्धरमैया ने कृषि, जल संसाधन और शहरी बुनियादी ढांचे सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई प्रमुख मामलों में हस्तक्षेप किए जाने पर जोर दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री एवं सिंचाई मंत्री डी के शिवकुमार, ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज और शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद सिद्धरमैया ने पत्रकारों से कहा, हम 35 लाख किसानों को ऋण उपलब्ध कराते हैं। अल्पकालिक कृषि ऋण सीमा में भारी कटौती से कृषि क्षेत्र पर असर पड़ेगा और किसानों को निजी ऋणदाताओं पर निर्भर होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) ने कर्नाटक के लिए अल्पकालिक कृषि ऋण सीमा 2023-24 के 5,600 करोड़ रुपए से घटाकर 2024-25 में केवल 2,340 करोड़ रुपए कर दी है। उन्होंने कहा कि 58 प्रतिशत की इस कटौती से किसानों की सस्ते कर्ज तक पहुंच गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। सिद्धरमैया ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री से इस पर गौर करने और वित्त मंत्रालय को इस स्थिति को सुधारने का निर्देश देने का अनुरोध किया है ताकि कर्नाटक में किसानों को सस्ता कृषि ऋण मिलता रहे। उन्होंने कहा कि इससे न केवल कर्नाटक में बल्कि पूरे देश में किसान प्रभावित हुए हैं क्योंकि नाबार्ड ने देशभर में अल्पकालिक कृषि ऋण सीमा घटा दी है।उन्होंने अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपए दिए जाने का अनुरोध किया। इस परियोजना का उद्देश्य मध्य कर्नाटक के सूखाग्रस्त कृषि क्षेत्र की सिंचाई करना है। यह परियोजना 2023-24 के केंद्रीय बजट के बाद से लंबित है। सिद्धरमैया ने दो महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं - कावेरी नदी पर मेकेदातु जलाशय और महादई नदी पर कलसा बंडूरी परियोजना - को अनुमति देने पर भी जोर दिया। दोनों ही परियोजनाएं जल शक्ति और पर्यावरण मंत्रालयों से मंजूरी का बाट जोह रही हैं। कर्नाटक ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शीर्ष योगदान देने वाले और प्रौद्योगिकी केंद्र बेंगलुरु की स्थिति को रेखांकित करते हुए शहरी और सार्वजनिक परिवहन के लिए विशेष सहायता का अनुरोध किया है। इसके अतिरिक्त, कर्नाटक ने 13 उभरते नगर निगमों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए मांगे हैं। राजकोषीय आवंटन के मामले में मुख्यमंत्री ने 15वें वित्त आयोग द्वारा प्रतिकूल सिफारिश किए जाने की शिकायत की, जिसके तहत इसके कर हिस्से में एक प्रतिशत की कमी कर दी गई है। सिद्धरमैया ने केंद्र सरकार से मुआवजा अनुदान प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने की अपील की कि भविष्य का वित्त आयोग कर में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वाले राज्यों को दंडित न करे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा से भी मुलाकात की और उन्हें वायनाड से सांसद चुने जाने पर बधाई दी।

काव्य संग्रह *आवारा सड़कें* पर परिचर्चा हुई आयोजित

नई दिल्ली। अमित कुमार मल्ल के काव्य संग्रह आवारा सड़कें पर साहित्य अकादमी में परिचर्चा आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही ने की। मुख्य वक्ता जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. सुधीर प्रताप सिंह थे। लेडी श्रीराम कालेज की प्रो. सारिका कालरा ने विशिष्ट वक्ता की भूमिका निभायी। बीज व्यक्तव्य दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. प्रदीप सिंह ने दिया। वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के डॉ. ज्ञानेंद्र, खालसा कालेज के डॉ. अमरेंद्र पांडे, और रामजस कालेज की शुभ्रा दुबे ने अपने विचार रखे। उल्लेखनीय है कि अमित कुमार मल्ल का यह छठा काव्य संग्रह है। वक्ताओं ने इसकी रचनाओं पर प्रकाश डालते हुए इसे आम आदमी के दैनिक जीवन संघर्ष का काव्य बताया। इस कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजक कस्तूरी के पदाधिकारियों द्वारा सभी पैनल व रचनाकार का स्वागत किया। चर्चा की शुरुआत डॉ. प्रदीप ने करते हुए, इस काव्य संग्रह की अन्य काव्य संग्रहों की तुलना करते हुए, आम जीवन का संघर्ष बताया। शुभ्रा दुबे ने काव्य संग्रह में अप्रत्यक्ष लय की बात कही। अमरेन्द्र पांडे ने तेरे हाथ कविता का विश्लेषण किया। ज्ञानेंद्र ने इसे सामान्य बताया, जो विशिष्ट है। सारिका कालरा ने पहले के काव्य संग्रहों की तुलना में इसे मैच्योर बताया। सुधीर प्रताप में शीर्षक से विश्लेषण से, अपना वक्तव्य शुरू किया। राज शरण शाही ने सामान्य जीवन का विशिष्ट संघर्ष बताते हुए, परिचर्चा समाप्त की।

जेपी इंटर कॉलेज मोहम्मदी में शिक्षक सम्मान समारोह

मोहम्मदी खीरी। आज नारायण कॉलेज बरेली द्वारा मोहम्मदी के जेपी इंटर कॉलेज में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मोहम्मदी के सभी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं इंटरमीडिएट में पढ़ने वाले शिक्षकों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गुरुजनों को सम्मानित करना एवं उन क्षेत्रों के बारे में जानकारी देना था जिनके बारे में लोग जानते नहीं। नारायण कॉलेज के चेयरमैन शशि भूषण द्वारा कुछ नये कोर्सेज की जानकारी दी गई जो रोजगार परक हैं। उन्होंने कहा आज केवल बीएए बीएससीए बीकॉमएबीटेकए जीटीआईए वीवीए आदि के बाद जॉब केवल टॉपर्स को मिल पा रही है। क्योंकि यह कोर्स कर निकलने वाले अधिक और नौकरियां कम हैं। परंतु कुछ क्षेत्रों में नौकरियां ज्यादा हैं और काम करने वाले ट्रेंड लोग कम। क्योंकि यह कोर्स कराने वाले कॉलेज काम हैंए जैसे होटलए एयरलाइनए टूरिज्मए मीडियाए फैशनए नैनो टेक्नोलॉजी आदि इनमें जॉब खाली पड़ी हैं।

पश्चिम बंगाल स्कूल भर्ती घोटाले में कुंतल घोष को मिली जमानत

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल प्राथमिक स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के पूर्व युवा नेता कुंतल घोष को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि इस मामले में निकट भविष्य में सुनवाई पूरी होने की संभावना नहीं है, जबकि घोष पिछले 19 महीनों से हिरासत में हैं। घोष एक साल से अधिक समय बाद जेल से बाहर आएंगे, क्योंकि उन्हें घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में 20 नवंबर को जमानत दे दी गई थी। पीठ ने कहा, मुकदमे के निष्कर्ष के बारे में पूर्वानुमान लगाना अभी जल्दबाजी होगी। मौजूदा परिस्थितियों में, आरोपी को अनिश्चितकाल के लिए हिरासत में रखना कानून में स्थापित व्यवस्था के अनुरूप नहीं होगा। पीठ ने घोष को जमानत दे दी और उनसे कहा कि वह अदालत या जांच एजेंसी की पूर्व अनुमति के बिना पश्चिम बंगाल से बाहर नहीं जाएं। पीठ ने कहा है कि घोष कोई सार्वजनिक पद भी नहीं संभालेंगे और मीडिया में जांच के गुण-दोष से संबंधित कोई बयान नहीं देंगे। न्यायालय ने कहा, हम उन्हें राजनीतिक पार्टी में कोई भी पद लेने से नहीं रोक सकते। पीठ ने उन्हें मामले में साक्ष्यों को प्रभावित या उनसे छेड़छाड़ न करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान घोष की ओर से पेश अधिवक्ता एम.एस. खान ने अपनी दलील के समर्थन में निचली अदालत के दो आदेश प्रस्तुत किए कि निकट भविष्य में सुनवाई पूरी नहीं हो पाएगी, क्योंकि सीबीआई ने अब तक मामले में अंतिम आरोपपत्र दाखिल नहीं किया है। खान ने कहा कि निचली अदालत ने 16 जनवरी और जुलाई में पारित अपने आदेश में संकेत दिया था कि जांच जारी है और निकट भविष्य में सुनवाई शुरू करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, मैं (मुवक्किल) पिछले 19 महीनों से हिरासत में हूं और मेरे खिलाफ अभी तक आरोप तय नहीं किए गए हैं। इसके अलावा, मामले को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने के लिए एक अर्जी दायर की गई है।

संभल में मस्जिद सर्वेक्षण विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का दोनों पक्षों ने स्वागत किया

संभल। (भाषा) संभल में मस्जिद सर्वेक्षण से जुड़े विवाद पर उच्चतम न्यायालय के आदेश का दोनों पक्षों ने स्वागत किया है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को संभल की निचली अदालत से कहा कि वह मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण से संबंधित कोई आदेश पारित न करे। इसने उत्तर प्रदेश सरकार को हिंसा प्रभावित शहर में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने का निर्देश दिया।

इस आदेश का स्वागत करते हुए मस्जिद कमेटी के वकील शकील अहमद वारसी ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा से कहा कि उच्चतम न्यायालय का यह आदेश बेहतर है। वहीं, हिन्दू पक्ष के वकील श्रीगोपाल शर्मा ने कहा, शीर्ष अदालत का निर्णय सिर आंखों पर है। उन्होंने कहा कि चाहे निचली अदालत का फैसला हो, चाहे उच्च न्यायालय का फैसला हो या शीर्ष अदालत का आदेश हो, उसका पालन सभी को करना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को मुस्लिम पक्ष की याचिका दाखिल होने के तीन कार्य दिवसों के भीतर मामला सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। इसने कहा, हमें उम्मीद और भरोसा है कि निचली अदालत इस मामले पर तब तक आगे नहीं बढ़ेगी जब तक कि उच्च न्यायालय इस पर सुनवाई नहीं करता और इस मामले में कोई आदेश पारित नहीं करता। संभल में अदालत के आदेश पर 19 नवंबर को जामा मस्जिद के पहली बार किए गए सर्वेक्षण के बाद से ही तनाव की स्थिति बनी हुई है। अदालत ने यह आदेश जिस याचिका पर दिया उसमें दावा किया गया है कि जिस जगह पर जामा मस्जिद है वहां पहले कभी हरिहर मंदिर था। गत 24 नवंबर को मस्जिद का दोबारा सर्वेक्षण किए जाने के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई थी तथा 25 अन्य घायल हुए थे।

आयुष्मान कार्ड से गर्भाशय की सर्जरी की अनुमति देने से नोडल अधिकारी का इंकार

हमीरपुर। ब्रजरानी हास्पिटल द्वारा आयुष्मान कार्ड से एक साथ कई महिलाओं की गर्भाशय की सर्जरी करने व स्पष्ट उल्लेख न होने के कारण आयुष्मान कार्ड के नोडल अधिकारी व डिप्टी सीएमओ ने सर्जरी करने की अनुमति देने से साफइंकार कर दिया है। उन्होने रिपोर्ट में सभी पांच महिलाओं की अल्ट्रासाउन्ड रिपोर्ट देने को कहा है। वही सरकारी अस्पताल के डाक्टरों द्वारा महिलाओं के गर्भाशय निकालने की सर्जरी को सरकारी महिला अस्पताल के बजाय प्रायवेट अस्पताल को रिफर करने पर डाक्टरों पर आशंका जाहिर की है।जानकारी के मुताबिक आयुष्मान कार्ड द्वारा पांच लाख की सुविधा के चलते डिप्टी सीएमओ व कार्ड के नोडल अधिकारी डा.संजय कुमार ने कार्ड के दुरुपयोग की आशंका जाहिर की है। राठ स्थित ब्रजरानी हास्पिटल के संचालिका द्वारा अक्सर कई कई महिलाओं के गर्भाशय निकालने की सर्जरी की अनुमति मांगती रहती है। जबकि नियमानुसार एक महिला की सर्जरी होने के बाद ही दूसरी महिला की सर्जरी की अनुमति मांगनी चाहिये,अस्पताल प्रबंधन ने सीएमओ को भेजे गये पत्र में राठ व महोवा क्षेत्र की पांच महिलाओं के गर्भाशय सर्जरी करने के लिये आयुष्मान कार्ड के नोडल अधिकारी व सीएमओ से अनुमति मांगी है, नोडल अधिकारी का तर्क है कि ब्रजरानी हास्पिटल के पिछले साल इतनी बडी तादाद में आपरेशन करने पर लखनऊ की जांच टीम आयी थी इसके कुछ दिन बाद आपरेशन कार्य बंद रहा है। इधर फिर चालू हो गया है इतनी बडी संख्या में गर्भाशय की सर्जरी करने से संदेह उत्पन्न हो गया है। नोडल अधिकारी ने अनुमति देने से साफइंकार कर दिया है। उनका कहना है कि यहजांच का मामला है उनका तर्क है कि अस्पताल में कोई डाक्टर बाहर से आकर आपरेशन करता है जो नियमविरुद्ध है इसकी जांच पड़ताल की जायेगी। सरकारी अस्पताल के डाक्टरों द्वारा नियमानुसार महिला अस्पताल को रिफर करना चाहिये प्रायवेट अस्पताल के लिये रिफर करना गाइड लाइन के विपरीत है इस मामले की जानकारी डिप्टी सीएमओ डा.संजय कुमार ने सीएमओ डा.गीतम सिंह को दे दी है।मामला चर्चा का विषय बनाहुआ है।

पेज 1 का शेष

महाराष्ट्र...

चौंका दिया है। सामान्य तौर पर, मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे आगे चल रहे देवेंद्र फडणवीस को अब तक भाजपा का नेता चुन लिया जाना चाहिए था। हालांकि महायुति को चुनावों में ऐतिहासिक जीत दिलाने के छह दिन बीत चुके हैं, लेकिन भाजपा विधायक दल की बैठक अभी तक नहीं हुई है। भाजपा के सूत्रों ने भाजपा विधायक दल की बैठक में देरी के लिए मुंबई में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों के पहुंचने में देरी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक रविवार को मुंबई पहुंच रहे थे। इस देरी ने राज्य के राजनीतिक हलकों में अटकलों को हवा दे दी है कि क्या जेपी नड्डा के नेतृत्व वाली पार्टी हाल ही में मध्य प्रदेश में किए गए आश्चर्य की तरह कुछ और करेगी, जहां उसने विधानसभा चुनाव के नतीजों के दो हफ्ते से भी अधिक समय बाद शिवराज चौहान की जगह यादव ओबीसी समुदाय के नेता मोहन यादव को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया था। पूरे दिन राज्य के राजनीतिक हलकों में अटकलें चलती रहीं कि शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों ही फडणवीस को एक बार फिर महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाने के खिलाफ हैं। फडणवीस के संभावित प्रतिस्थापन के रूप में नितिन गडकरी और विनोद तावड़े के नामों पर चर्चा हो रही थी, जिनके बारे में कहा जा रहा था कि उन्हें भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाएगा। भाजपा के भीतर कथित तौर पर चल रही जोड़-तोड़ के कारण तावड़े की लोकप्रियता में काफी गिरावट आई, जब राज्य विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले वसई-विरार इलाके में कथित तौर पर पैसे बांटने के विवाद में वे फंस गए। सत्तारूढ़ महायुति के भीतर मौजूदा राजनीतिक स्थिति को देखते हुए, नई सरकार के गठन में अभी कुछ और दिन लगेंगे। हालांकि यह कमोबेश तय है कि एक मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री होंगे, लेकिन महायुति को नई सरकार में मंत्री पद और विभागों के बंटवारे पर कड़ी मेहनत करनी होगी।

संभल...

सर्वेक्षण किया गया था, जिसके बाद यह दावा किया गया था कि उसी स्थान पर कभी हरिहर मंदिर हुआ करता था। 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन बढ़ गया, जिसके कारण पथराव, आगजनी और सुरक्षा बलों के साथ हिंसक झड़पें हुईं। इस जांच के निष्कर्ष से क्षेत्र में शांति बनाए रखने में सहायता मिलने की उम्मीद है, साथ ही भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो इसे लिए भी सिफारिशें करेगा। इस बीच, इस मस्जिद समेत प्रदेश के अन्य स्थानों पर जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं आई है। यह सब कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते हुआ। मुरादाबाद रेंज के उप महानिरीक्षक मुनिराज स्थिति की निगरानी के लिए संभल में मौजूद थे। शुक्रवार की नमाज के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए पुलिस कर्मियों ने छतों से इलाके की निगरानी की। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कानून और व्यवस्था के सख्त पालन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, सरकार सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का सम्मान करती है। निष्पक्ष जांच की जाएगी और शांति भंग करने वाले आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी की आलोचना करते हुए उस पर अशांति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हम सौहार्द को बिगाड़ने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर सपा अपनी रणनीति जारी रखती है, तो यह उनके पतन का कारण बनेगा। शाही जामा मस्जिद में शुक्रवार की नमाज में समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बिर्क के पिता और समुदाय के नेता जफर अली सहित प्रमुख स्थानीय नेताओं ने भाग लिया। अली ने सौहार्द बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, वह शांति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि बिना किसी डर के नमाज अदा की जा सके। 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पों के बाद यह पहली शुक्रवार की नमाज थी, जो मस्जिद के न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के बाद भड़की थी। सरकार की त्वरित कार्रवाई, सख्त न्यायिक निगरानी के साथ, तनाव कम करने और विवाद के निष्पक्ष समाधान का मार्ग प्रशस्त करने की उम्मीद है।

जामा मस्जिद...

2024 के आदेश को उचित मंच पर चुनौती देनी चाहिए। इस बीच, पीठ को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (राज्य सरकार की ओर से पेश केएम नटराज) ने भी शांति और सद्भाव बनाए रखा जाने का आश्वासन दिया है। हम यह भी मानते हैं कि यदि कोई पुनरीक्षण याचिका/विविध याचिका पेश की जाती है, तो उसे तीन कार्य दिवसों की अवधि के भीतर सूचीबद्ध किया जाएगा। आदेश में उल्लेख किया गया है कि मामला 8 जनवरी, 2025 को ट्रायल कोर्ट के समक्ष तय किया गया और कहा कि हमें उम्मीद है और भरोसा है कि ट्रायल कोर्ट मामले को तब तक आगे नहीं बढ़ाएगा जब तक कि मामला उच्च न्यायालय के समक्ष सूचीबद्ध नहीं हो जाता। हम स्पष्ट करते हैं कि हमने मामले की योग्यता पर कोई राय व्यक्त नहीं की है। हम वर्तमान विशेष अनुमति याचिका का निपटारा नहीं कर रहे हैं। इसे 6 जनवरी से शुरू होने वाले सप्ताह में फिर से सूचीबद्ध करें। इससे पहले दिन में, संभल कोर्ट के सिविल जज आदित्य सिंह ने कोर्ट द्वारा नियुक्त कमिश्नर राकेश सिंह राघव को मस्जिद पर सर्वेक्षण रिपोर्ट 10 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने शीर्ष अदालत में मस्जिद समिति का प्रतिनिधित्व किया। शुरुआत में, सीजेआई ने अहमदी से पूछा कि जिला सिविल कोर्ट के विवादित आदेश के खिलाफ सीधे सुप्रीम कोर्ट में याचिका कैसे दायर की गई और उन्हें उच्च न्यायालय में कानूनी सहारा लेने की सलाह दी। अहमदी ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के आदेश से बड़ी गड़बड़ी होने की संभावना है और उन्होंने शीर्ष अदालत से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। हालांकि, पीठ ने समिति को संविधान के अनुच्छेद 227 के तहत उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की सलाह दी, जो निचली अदालतों पर पर्यवेक्षी शक्तियां प्रदान करता है। सीजेआई ने कहा कहा, हमें आदेश पर कुछ आपत्तियां हो सकती हैं, लेकिन क्या यह अनुच्छेद 227 के अधीन नहीं है? आपको उचित मंच से संपर्क करना होगा । उन्होंने सामुदायिक सद्भाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा, शांति और सद्भाव बनाए रखना होगा। हम नहीं चाहते कि कुछ भी हो... हमें पूरी तरह से तटस्थ रहना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि कुछ भी गलत न हो। पीठ ने राज्य प्रशासन से दोनों समुदायों के सदस्यों वाली एक शांति समिति गठित करने को कहा। एएसजी केएम नटराज ने पीठ को क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।19 नवंबर को, संभल के सिविल जज (वरिष्ठ डिवीजन) की अदालत ने हिंदू पक्ष की याचिका पर गौर करने के बाद एक अधिवक्ता आयुक्त द्वारा मस्जिद का सर्वेक्षण करने के लिए एकपक्षीय आदेश पारित किया, जिसमें दावा किया गया था कि मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट बाबर ने 1526 में एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद किया था। 24 नवंबर को, आदेश के बाद, इलाके में हिंसा भड़क उठी, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। संभल की शाही जामा मस्जिद की प्रबंधन समिति ने 28 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसमें जिला अदालत के 19 नवंबर के आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें मुगलकालीन मस्जिद का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया गया था, जबकि सिविल जज द्वारा पारित 19 नवंबर के आदेश के क्रियान्वयन पर एकपक्षीय रोक लगाने की मांग की गई थी। 19 नवंबर के बाद यूपी के संभल में तनाव पैदा हो गया, जब शाही जामा मस्जिद का अदालत द्वारा आदेशित सर्वेक्षण किया गया, यह दावा करने के बाद कि स्थल पर पहले हरिहर मंदिर था। 24 नवंबर को प्रदर्शनकारी मस्जिद के पास एकत्र हुए और सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप पथराव और आगजनी हुई, जिसमें चार लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

दिल्ली स्कूल..

विहार में बम विस्फोट हुआ था और आज स्कूल को ही बम की धमकी मिली है। उन्होंने कहा, जैसे ही मुझे स्कूल से बम की धमकी के बारे में संदेश मिला, मैं एकदम से चौंक गई और तुरंत वहां पहुंच गई। उन्होंने आगे कहा कि अपने बच्चे को स्कूल भेजने के बाद भी वह लगातार डरी हुई रहेगी। अवस्थी ने कहा, मैं उसकी पढ़ाई रोक नहीं सकती, लेकिन फिर ऐसी खबरें मुझे डराती हैं। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, रोहिणी के वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल से बम से संबंधित एक ईमेल धमकी के बारे में सुबह करीब 11 बजे कॉल आया, जिस पर डीएफएस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, एक दमकल विभाग को बचाव दल के साथ मौके पर भेजा गया। स्कूल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्कूल परिसर को खाली करा लिया और कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और डीएफएस कर्मियों ने स्कूल के पूरे परिसर की जांच की। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) अमित गोयल ने कहा, यह एक अफवाह थी। बम की धमकी के स्रोत की अभी भी पुष्टि की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और धमकी को अफवाह घोषित कर दिया गया। स्कूल के अधिकारी ने एक बयान में कहा, प्रिय अभिभावकों, एक आपात स्थिति (स्कूल को प्राप्त एक धमकी भरा ईमेल) के कारण छात्रों को जल्दी से जल्दी वापस भेजा जा रहा है। बसों और स्व-निपटान वाले छात्रों को 11 बजे स्कूल छोड़ने की अनुमति दी जाएगी। स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है, वीजीएस की प्रिंसिपल डॉ. नमिता सिंघल ने कहा कि स्कूल को अपने आधिकारिक ईमेल में बम की धमकी मिली थी। उन्होंने कहा, ईमेल मिलने के बाद, हमने सभी छात्रों और कर्मचारियों को वहां से हटा दिया। यह धमकी गुरुवार की सुबह रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में हुए कम तीव्रता वाले विस्फोट के एक दिन बाद आई, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया और निवासियों में दहशत फैल गई। विस्फोट एक पार्क के पास एक मिठाई की दुकान के सामने हुआ, जो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) स्कूल से लगभग 500 मीटर दूर है, जहां लगभग 40 दिन पहले एक और उच्च तीव्रता वाला विस्फोट हुआ था, जो अभी तक अनसुलझा है। इस बीच अधिकारियों ने कहा, दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को रोहिणी में एक सिनेमा हॉल के पास हुए विस्फोट के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की है। उसी क्षेत्र में सीआरपीएफ स्कूल में हुए विस्फोट के लगभग 40 दिन बाद कम तीव्रता वाला विस्फोट हुआ, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया और निवासियों में दहशत फैल गई। पुलिस ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 326 (जी) (सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर परिणाम वाली शरारत), सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम अधिनियम की धारा 4 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3 के तहत प्रशांत विहार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और घटनास्थल पर विस्फोटक सामग्री डालने या लगाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली...

पर भी सवाल उठाया, जो वर्तमान में जेल में बंद है और कथित तौर पर दिल्ली और उसके बाहर जबरन वसूली रैकेट चला रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए पूछा, लॉरेंस बिश्नोई कौन है और क्या उसे भाजपा का संरक्षण प्राप्त है। अन्यथा, वह इन जबरन वसूली रैकेट को कैसे चला रहा है। आप नेता ने केंद्रीय गृह मंत्री पर अपनी जिम्मेदारियों से भागने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि दिल्ली वालों का अधिकारियों पर से विश्वास उठ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल की हत्या सहित विभिन्न अपराधिक मामले शाह के आवास से कुछ किलोमीटर दूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली का आधा शासन दिल्ली सरकार के अधीन है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। यह केंद्रीय गृह मंत्री की जिम्मेदारी है लेकिन दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गई है, खासकर वर्ष 2019 में अमित शाह के केंद्रीय गृह मंत्री बनने के बाद से। दिल्ली विधानसभा के पांच साल के कार्यकाल के अंतिम सत्र के पहले दिन शुक्रवार को केजरीवाल का संबोधन गुरुवार को रोहिणी में हुए कम तीव्रता वाले बम विस्फोट के बाद बढ़े तनाव के बीच आया।

कठिन फैसले...

बेहतर बनानी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी पुराने तरीकों पर चलकर सफलता हासिल नहीं कर सकती। पार्टी को यह देखना होगा कि आपका राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रोजाना क्या कर रहा है। हमें समय पर फैसले लेने होंगे। जवाबदेही तय करनी होगी।

दिल्ली...अब....

पर रखें। ताज ट्रैपोजियम ज़ोन (टीटीज़ेड) में पेड़ों की गणना पर, पीठ ने कहा कि टीटीज़ेड में पेड़ों की गणना के अलावा वह संस्थागत तंत्र विकसित करना चाहती है। उसने कहा, हम एक संस्थागत तंत्र बनाना चाहते हैं जो पेड़ों की कटाई के लिए दी गई अनुमतियों पर गौर कर सके। टीटीज़ेड उत्तर प्रदेश के आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, हाथरस और एटा जिलों और राजस्थान के भरतपुर जिले में फैला हुआ है। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भट्टी ने कहा कि भारतीय वन सर्वेक्षण, जिसके पास इस तरह के सर्वेक्षण के लिए साधन हैं, जनगणना करने के लिए उपयुक्त प्राधिकारी हो सकता है। पीठ ने कहा, टीटीज़ेड में पेड़ों की गणना की जानी है। लेकिन, हमें विभिन्न पक्षों को सुनने की ज़रूरत है और मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर को तय की, जब वह टीटीज़ेड में पेड़ों की गणना पर भी आदेश पारित करेगी।

यमुना...

पार्किंग की जगह के साथ तीन प्रवेश द्वार हैं और नदी तक उतरने के लिए 25 सीढ़ियां हैं। यहां मां यमुना की एक प्रतिमा स्थापित की गई है, साथ ही उत्तर प्रदेश के जलेसर से मंगाई गई 300 किलो की धातु की घंटी से ढकी एक छतरी भी है, जिसे बजाने पर एक अनोखी कंपन और ध्वनि उत्पन्न होती है। एलजी की दूसरी पसंदीदा परियोजना सराय काले खां के पास स्थित बांसेरा पार्क है। यमुना के पश्चिमी तट पर 28 एकड़ क्षेत्र में स्थित बांसेरा में 30,000 से अधिक बांस के पौधों की 15 किस्में हैं। रोशनआरा बाग एक और परियोजना है, जो 57 एकड़ में फैली हुई है, 17वीं शताब्दी का रोशनआरा बाग सम्राट शाहजहां और उनकी बेगम मुमताज महल की दूसरी बेटी द्वारा विकसित एक उद्यान था। मूल उद्यान को 1650 के दशक में राजकुमारी द्वारा डिजाइन और कमीशन किया गया था, जब शाहजहानाबाद का निर्माण किया जा रहा था और बगीचे के केंद्र में बारादरी अब उनके विश्राम स्थल के रूप में कार्य करती है। दिल्ली के सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले हरित स्थलों में से एक बनने के लिए तैयार, यमुना वाटिका राजधानी के नागरिकों के लिए पर्यावरण संरक्षण और सतत शहरी विकास के प्रति एलजी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

लगातार हो रही चुनावी हार के गुस्से में विपक्ष अब देश के खिलाफ साजिश करने में जुटा: मोदी

भाषा। भुवनेश्वर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि लगातार हो रही चुनावी हार ने विपक्षी दलों के भीतर इतना गुस्सा भर दिया है कि वह अब देश के खिलाफ साजिश करने में जुट गए हैं और अपना गुस्सा जनता पर ही निकालने लगे हैं।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि विपक्षी दलों का एकमात्र मकसद किसी तरह देश की जनता को गुमराह कर सत्ता पर कब्जा करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों पर सत्ता हासिल करने के लिए देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि सत्ता के भूखे ए लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं।उन्होंने इस क्रम में साल 2019 के लोकसभा चुनाव में राफेल विमान सौदे में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस की ओर से चलाए गए चौकीदार चोर है अभियान का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जो चौकीदार 2019 में उनके लिए चोर था, वह साल 2024 आते-आते ईमानदार हो गया और अब वे एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं बोल पाते।उन्होंने कहा, इनका (विपक्ष का) मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करने के लिए सत्ता पर कब्जा किया जाए, ताकि देश को लूटा जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि लगातार हो रही चुनावी हार ने विपक्षी दलों के भीतर इतना गुस्सा भर दिया है कि वे अब देश के खिलाफ साजिश करने में जुट गए हैं और अपना गुस्सा जनता पर ही निकालने लगे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा, उनकी झूठ और अफवाह की दुकान

50-60 साल से चल रही है। अब उन्होंने इस अभियान को और तेज कर दिया है। उन्होंने कहा, इनका मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करने के लिए सत्ता पर कब्जा किया जाए, ताकि देश को लूटा जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, सत्ता के भूखे ए लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं। जब इनका एक झूठ लोगों पर काम नहीं करता, तो उससे बड़ा दूसरा झूठ ए गढ़ते हैं। ए अपने कार्यकर्ताओं को भी झूठा दिलासा देने के लिए यही करते हैं। उन्होंने विपक्ष के कारनामों को बहुत बड़ी चुनौती करार दिया और देशवासियों से हर पल सतर्क और जागरूक रहने का आह्वान किया।प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पार्टी कार्यकर्ताओं में विश्वास भर दिया है और यही भाजपा की विशेषता और उसके कार्यकर्ताओं का सामर्थ्य है।उन्होंने कहा, विपक्षी दल भाजपा सरकार के खिलाफ सुबह शाम दुष्प्रचार करते रहते हैं। लेकिन जनता भाजपा सरकार के कामों को देखकर उन्हें आशीर्वाद देने खुद मैदान में दौड़ पड़ती है। ओडिशा विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इसके कुछ महीने पहले तक बड़े-बड़े राजनीतिक विशेषज्ञ भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे और दावा कर रहे थे कि इस पूर्वी राज्य में भाजपा इतनी बड़ी ताकत नहीं हो सकती कि वह अपने बूते सरकार बना ले।उन्होंने कहा, लेकिन जब परिणाम आए, तो सारे के सारे लोग...जो अपने आप को तीसमारखां मानते थे, सब के सब हैरान हो गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि ओडिशा के लोगों ने भाजपा के केंद्र सरकार के कामों को देखा और दिल्ली में बैठे रहने के बावजूद उन्होंने यहां के लोगों के साथ अपनेपन का नाता रखा।

महाराष्ट में सरकारी बस पलटने से 11 यात्रियों की मौत, 25 घायल

भाषा। गोंदिया

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में शुक्रवार दोपहर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस पलट जाने से कम से कम 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिव शाही नाम से सेवा प्रदान करने वाली एमएसआरटीसी की बस 36 यात्रियों को लेकर भंडारा से गोंदिया जिले की ओर जा रही थी, लेकिन सड़क अर्जुनी तालुका के खजरी गांव में अचानक सामने आए दोपहिया वाहन से टकराने से बचने के लिए चालक ने ब्रेक लगाया जिससे बस पलट गई। उन्होंने बताया कि दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुई इस दुर्घटना में 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायल यात्रियों को अस्पताल ले

जाया गया है। उन्होंने कहा कि 11 मृतकों में से अब तक नौ की पहचान हो चुकी है, जबकि 50 वर्षीय दो अन्य की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 32 वर्षीय एक महिला पुलिसकर्मी भी शामिल है, जिसकी पहचान जिले के अर्जुनी मोरगांव की स्मिता विक्की सूर्यवंशी के रूप में हुई है। उनके पति पुलिस विभाग में काम करते थे और कुछ साल पहले किसी बीमारी के कारण उनका निधन हो गया। उन्हें अनुकंपा के आधार पर विभाग में नौकरी दी गई थी और वर्तमान में वह गोंदिया में पुलिस मुख्यालय में तैनात थीं। पुलिस ने बताया कि वह अपने ससुराल वालों और एक बेटे के साथ रहती थीं और अपने परिवार से मिलने के बाद ड्यूटी पर लौट रही थीं। पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की। शिंदे ने गोंदिया के जिलाधिकारी से बात की और निर्देश दिया कि सभी घायल यात्रियों को उचित इलाज और चिकित्सीय देखभाल प्रदान की जाए। एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि जरूरत पड़ने पर उन्हें विशेष उपचार के लिए निजी अस्पतालों में भर्ती कराया जाना चाहिए और इसका खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

कॉलेजियम ने न्यायाधीश चंद्र धारी सिंह को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में भेजने की सिफारिश की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने की सिफारिश की है। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने 28 और 29 नवंबर को हुई अपनी बैठकों में यह निर्णय लिया। उच्चतम न्यायालय के प्रस्ताव में कहा गया है, उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 28 और 29 नवंबर, 2024 को हुई अपनी बैठकों में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह को उनके मूल उच्च न्यायालय यानी इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने की सिफारिश की है। न्यायमूर्ति सिंह ने 1993 में दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 20 जुलाई 1994 को एक वकील के रूप में पंजीकरण कराया।

एयू स्मॉल बैंक व भारती एक्सा में साझेदारी

मुंबई। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू एसएफबी और भारत की लीडिंग प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में शामिल भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस ने आज एक रणनीतिक बैंकाश्योरेंस साझेदारी करने की घोषणा की है। भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस भारती लाइफवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड भारती ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इस साझेदारी का उद्देश्य एयू एसएफबी के ग्राहकों को व्यापक रूप से लाइफ इंश्योरेंस जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के विकल्प प्रदान करना है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और डिप्टी सीईओ उत्तम टिबरेवाल और भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओए पराग राजा ने आज मुंबई में एक कार्यक्रम में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए और इस रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह गठबंधन दोनों संस्थाओं की व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है जिसके अंतर्गत ष्विकसित भारत और सभी के लिए इंश्योरेंसष् उनके लक्ष्य हैं।

बापू के अध्यक्ष चुने जाने की 100वीं वर्षगांठ मनाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को फैसला किया कि महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने की 100वीं वर्षगांठ अगले महीने मनाएगी। पार्टी की कार्य समिति की बैठक में फैसला किया गया कि 26 दिसंबर को बेलगाम मे वर्षगांठ मनाई जाएगी क्योंकि 1924 में महात्मा गांधी को बेलगाम अधिवेशन में ही कांग्रेस अध्यक्ष चुना गया था। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा, पार्टी ने दिसंबर में बेलगाम में 1924 में महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की 100वी वर्षगांठ मनाने का भी फैसला किया है।

मिजोरम सरकार बांग्लादेशी नागरिकों को स्थानांतरित करने की योजना बना रही

आइजोल। मिजोरम सरकार वर्तमान में लॉन्गतलाई जिले के विभिन्न गांवों में शरण लिए हुए 2,000 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को उसी जिले के भीतर एक निर्दिष्ट क्षेत्र में स्थानांतरित करने की योजना बना रही है। एक वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार और पुनर्वास संबंधी अध्ययन समिति के प्रमुख लालमुआनपुइया पुंते ने कहा कि समिति प्रशासनिक सुविधा, बेहतर मानवीय सहायता तथा विस्थापित लोगों की मदद के लिए बांग्लादेश सीमा के निकट चार निर्धारित गांवों में शरणार्थियों को बसाने की व्यवहार्यता का आकलन कर रही है।

सुरक्षा बलों की सहायता के लिए जम्मू में एनएसजी तैनात : एडीजीपी

जम्मू। जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) आनंद जैन ने शुक्रवार को कहा कि सुरक्षा बलों की सहायता के लिए जम्मू में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की तैनाती की गई है। एडीजीपी ने कहा कि आतंकवादी तंत्र और नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जम्मू क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान जारी है। "हमें विशेष बलों से सहायता मिल रही है। एनएसजी की तैनाती हो चुकी है"। जैन ने कहा, "हम किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। देश के प्रमुख आतंकवाद निरोधी बल एनएसजी की एक विशेष इकाई को क्षेत्र में आतंकवादी हमलों में हाल ही में हुई वृद्धि के बाद जम्मू में तैनात किया गया है।

देश में चिकित्सक और जनसंख्या का अनुपात विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से बेहतर : नड्डा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि देश में 811 लोगों के लिए एक चिकित्सक की उपलब्धता है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के 1:1000 के मानक अनुपात से बेहतर है। उन्होंने सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नवंबर 2024 की स्थिति के अनुसार राज्य चिकित्सा परिषदों और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के साथ 13,86,145 एलोपैथिक डॉक्टर पंजीकृत हैं। नड्डा ने कहा, पंजीकृत एलोपैथिक डॉक्टरों की 80 प्रतिशत उपलब्धता

और लगभग 6.14 लाख आयुष डॉक्टरों की संख्या को देखते हुए देश में चिकित्सक-जनसंख्या का अनुपात लगभग 1:811 है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के 1:1000 के मानक से बेहतर है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि की है और इसके बाद एमबीबीएस सीटों में भी वृद्धि की है। मंत्री ने कहा कि 2014 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 थी जिसमें 102 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अब इनकी संख्या 780 हो गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, एमबीबीएस सीटों में 2014 से पहले से लेकर अब तक 130 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना योजना के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉकों के निर्माण द्वारा सरकारी मेडिकल कॉलेजों के उन्नयन के तहत, कुल 75 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 69 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। नड्डा ने कहा कि नए एम्स की स्थापना के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत 22 एम्स को मंजूरी दी गई है और इनमें से 19 में स्नातक पाठ्यक्रम शुरू हो चुके हैं।

बाबर और औरंगजेब ने मंदिरों को तोड़कर मस्जिदें बनाईं: शिक्षा मंत्री दिलावर

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कहा कि मुगल शासक बाबर और औरंगजेब ने मंदिरों को तोड़कर मस्जिदें बनवाई थीं।उन्होंने कहा कि अगर अदालत खुदाई का आदेश देती है तो खुदाई में मिलने वाले अवशेषों के आधार पर फैसला होगा। दिलावर का यह बयान अजमेर स्थित सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शिव मंदिर के ऊपर बने होने के दावे से संबंधित विवाद के बीच आया। अदालत ने बुधवार को वाद को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया और अजमेर दरगाह समिति, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), दिल्ली को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

धार्मिक स्थलों पर हमलों को लेकर भाजपा ने बंगाल विधानसभा से बहिर्गमन किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल मे हाल मे पूजा कार्यक्रमो के दौरान धार्मिक स्थलो पर हुए कथित हमलो के खिलाफ विधानसभा मे स्थगन प्रस्ताव पेश करने की अध्यक्ष द्वारा अनुमति नही दिए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने शुक्रवार को सदन से बहिर्गमन कर दिया।विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व मे भाजपा विधायकों ने जब प्रस्ताव पेश करना चाहा तो विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय ने उनका अनुरोध ठुकरा दिया।उन्होने कहा, (हमलो और अत्याचारों के बारे मे) यह मुद्दा एक दिन पहले ही चर्चा के दौरान उठा था। अलग से किसी स्थगन प्रस्ताव की जरूरत नही है। इस फैसले से नाराज करीब 40 भाजपा विधायकों ने तख्तियां उठाईं जिन पर बांग्ला भाषा मे नारे लिखे थे। कुछ तख्तियो पर लिखा था- बंगाल मे दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा, कार्तिक पूजा के दौरान धार्मिक स्थलो पर हमले किए गए। इसकी अनुमति नही दी जा सकती। राज्य को कार्रवाई करनी चाहिए। अध्यक्ष की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, जिहादी तत्वो द्वारा हाल मे किए गए हमलो पर कल सदन मे कोई चर्चा नही हुई। पता नही, अध्यक्ष ने ऐसा क्यों कहा।विपक्षी पार्टी के सदस्यों ने यह भी मांग की कि यदि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोगो के जीवन और संपत्ति तथा राज्य के प्रत्एक नागरिक के धार्मिक अधिकारों की रक्षा नही कर सकती तो उन्हे इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होने करीब 15 मिनट तक सदन मे नारेबाजी की।अध्यक्ष ने भाजपा सदस्यों से कहा, यदि आप इस तरह से व्यवहार करेंगे तो मै आपको भविष्य मे मुद्दे उठाने की अनुमति नही दूंगा।... इसके बाद भाजपा विधायक सदन से बाहर चले गए। भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम स्थगन प्रस्ताव लाना चाहते थे। हर किसी को पता होना चाहिए कि दुर्गा पूजा और लक्ष्मी पूजा के दौरान मेटियाबुज, फलाकाटा और कार्तिक पूजा के दौरान बेलडांगा मे पूजा पंडालो पर कैसे हमले हुए। स्थिति चिंताजनक है। पश्चिम बंगाल बांग्लादेश नही है।

मंदिरों में प्रसाद: न्यायालय ने गुणवत्ता संबंधी याचिका पर विचार करने से इनकार किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंदिरों मे बांटे जाने वाले प्रसाद की गुणवत्ता पर नियमन की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए शुक्रवार को कहा यह मामला सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 नवंबर को कहा था कि कार्यपालिका अपनी सीमा के भीतर अपने कार्य का निर्वहन कर रही है। पीठ ने कहा, हम वर्तमान याचिका पर विचार करने के इच्छुक नही है क्योंकि याचिका मे की गई प्रार्थना सरकार के नीति क्षेत्र के अंतर्गत आती है। इसने कहा, हम वर्तमान याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं क्योंकि याचिका में जो अनुरोध किया गया है, वह सरकार की नीति के दायरे में आता है। पीठ ने कहा, यदि याचिकाकर्ता चाहे तो वह उचित प्राधिकार के समक्ष निवेदन कर सकता है जिस पर कानून के अनुसार विचार किया जाएगा। याचिकाकर्ता के वकील ने विभिन्न मंदिरों में भोजन या प्रसाद खाने के बाद लोगों के बीमार पड़ने की खबरों का जिक्र करते हुए कहा कि जनहित याचिका प्रचार के लिए दायर नही की गई है। इस पर पीठ ने कहा, इसे केवल प्रसादम तक ही सीमित क्यों रखा जाए? इसे होटलो से संबंधित भोजन, किराना (दुकानो) से हमारे द्वारा खरीदे जाने वाले खाद्य पदार्थो के लिए भी दायर किया जाए। वहां भी मिलावट हो सकती है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि यह मंदिरो मे गलती होने का मामला नही है क्योंकि उनके पास आपूर्ति की गुणवत्ता की जांच करने के लिए साधनो की कमी है। उन्होने कहा कि हालांकि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के पास शक्तियां है, लेकिन उसके दिशानिर्देशो मे दम नही दिखता और याचिका मे केवल इसे विनियमित करने का अनुरोध किया गया है।

गुजरात एटीएस ने पाक एजेंट को तटरक्षक जहाजों की जानकारी देने के आरोपी मजदूर को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाजो की आवाजाही के बारे मे संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी एजेंट के साथ साझा करने के आरोप मे शुक्रवार को एक मजदूर को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एटीएस) के.सिद्धार्थ ने बताया कि तटीय देवभूमि द्वारका जिले मे ओखा जेट्टी पर वेल्डर सह मजदूर के रूप मे काम करने वाले दीपेश गोहेल ने गोदी (जेट्टी) पर आने वाले आईसीजी जहाजो के बारे मे संवेदनशील जानकारी एक पाकिस्तानी महिला के साथ साझा की थी और इसके लिए उसे 200 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान मिलता है। पुलिस अधीक्षक ने संवाददाताओ को बताया कि मजदूर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 61 और 147 के तहत आपराधिक साजिश और सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप मे गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला ने गोहेल को बताया कि वह पाकिस्तानी नौसेना मे काम करती है। महिला ने कहा कि अगर वह गोदी पर आने वाले तटरक्षक जहाजो के नाम और नंबर तथा उनकी आवाजाही के बारे मे बताए तो वह उसे प्रतिदिन 200 रुपए देगी।

तुषार गांधी ने फ्रीडम एट मिडनाइट को सराहा

मुंबई। सोनी लिव का नया ऐतिहासिक ड्रामा फ्रीडम एट मिडनाइट अपनी दमदार कहानी और भारत की आजादी के संघर्ष के मार्मिक चित्रण से लोगों का दिल जीत रहा है। निर्देशक निखिल आडवाणी की सोच ने न केवल दर्शकों बल्कि इंडस्ट्री के दिग्गजों को भी प्रभावित किया है, जिनमें से कई ने अपने प्रशंसा संदेश भेजे हैं।महात्मा गांधी के प्रपौत्र (परपोते) तुषार गांधी ने फ्रीडम एट मिडनाइट की प्रशंसा करते हुए इसे देखने की सिफारिश की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सोनी लिव पर फ्रीडम एट मिडनाइट देखना शुरू किया। मुझे लगा था कि यह बापू और पंडित नेहरू पर आधारित कोई पक्षपाती कहानी होगी और आजादी का हिंदुत्व संस्करण पेश करेगी। लेकिन मैं गलत था। यह सिखाता है कि पूर्वाग्रह नहीं रखना चाहिए। हालांकि, इसमें और सुधार की गुंजाइश है, लेकिन इसे जरूर देखना चाहिए। तुषार गांधी के अलावा, मशहूर निर्देशक सुधीर मिश्रा, जो अपनी विचारोत्तेजक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और निखिल आडवाणी के मेंटर भी रहे हैं, ने भी निखिल की कड़ी मेहनत की सराहना की। फ्रीडम एट मिडनाइट' डोमिनिक लेपिएर और लैरी कॉलिन्स की किताब पर आधारित है। इसमें कई बेहतरीन कलाकार अपने अभिनय का जलवा बिखेर रहे हैं, जिसमें सिद्धांत गुप्ता, चिराग वोहरा, राजेन्द्र चावला, आरिफ ज़कारिया, मलिश्का मेंडोन्सा, राजेश कुमार, केसी शंकर, ल्युक मैकगिबनी, कोर्डेलिया बगेजा, एलिस्टेयर फिनले, एंड्रू कुलम और रिचर्ड टेवरसन शामिल हैं।एमी एंटरटेनमेंट (मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवाणी) ने स्टूडियोनेक्स्ट के सहयोग से इस सीरीज़ को तैयार किया है। इसमें एक शानदार टीम पर्दे के पीछे काम कर रही है और इसके शोरनर व निर्देशक निखिल आडवाणी हैं।

सिद्धरमैया ने तत्काल मंत्रिमंडल विस्तार से इनकार किया

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को तत्काल मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना को खारिज कर दिया साथ ही संकेत दिया कि पूर्व आदिवासी कल्याण मंत्री बी नागेंद्र को बाद मे मंत्रिमंडल मे शामिल किया जाएगा। सिद्धरमैया ने संवाददाताओ से कहा, "हम अभी ऐसा नही कर रहे है" इससे राज्य मंत्रिमंडल मे संभावित बदलावो के बारे मे अटकलो पर विराम लग गया। नागेंद्र को मंत्रिमंडल में शामिल करने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, हम उन्हें शामिल करेंगे, लेकिन तुरंत नही।

अदाणी मामले में भारत ने कहा, यह निजी कंपनियों और अमेरिकी न्याय विभाग से जुड़ा कानूनी मसला है

नई दिल्ली। अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उद्योगपति गौतम अदाणी और कुछ अन्य पर रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का आरोप लगाए जाने के कुछ दिनों बाद भारत ने शुक्रवार को कहा कि यह निजी कंपनियों और कुछ व्यक्तियों तथा अमेरिकी न्याय विभाग से जुड़ा एक कानूनी मामला है।विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार को इस मुद्दे के बारे में पहले से सूचित नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, यह निजी कंपनियों और व्यक्तियों तथा अमेरिकी न्याय विभाग से जुड़ा एक कानूनी मामला है। ऐसे मामलों में स्थापित प्रक्रियाएं और कानूनी तरीके हैं, हमारा मानना है कि उनका पालन किया जाएगा। जायसवाल अपनी साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अदाणी और अन्य के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे।इस सवाल पर कि क्या अमेरिका ने अदाणी मामले पर कोई समन या वारंट भेजा है, उन्होंने कहा कि भारत को ऐसा कोई अनुरोध नहीं मिला है। जायसवाल ने कहा, किसी विदेशी सरकार द्वारा समन या गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए किया गया कोई भी अनुरोध आपसी कानूनी सहायता का हिस्सा है। ऐसे अनुरोधों की जांच गुण-दोष के आधार पर की जाती है। उन्होंने कहा, हमें इस मामले में अमेरिका की ओर से कोई अनुरोध नहीं मिला है।

संसद में अदाणी और संभल मुद्दे पर गतिरोध बरकरार, नही चल पाए दोनों सदन

भाषा। नई दिल्ली

अदाणी समूह पर लगे आरोपों और संभल हिंसा सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर संसद में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण शुक्रवार को भी गतिरोध कायम रहा तथा राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद, जबकि लोकसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत 25 नवंबर को हुई थी और विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण पहले सप्ताह दोनों सदनों में गतिरोध कायम रहने से कोई महत्वपूर्ण विधाई कामकाज नहीं हो पाया।

निचले सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर जैसे ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस सदस्य अदाणी समूह से जुड़े मामले को उठा रहे थे, वहीं सपा सांसद संभल हिंसा का मुद्दा उठाते देखे गए।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और सदन की कार्यवाही चलने देने की अपील की।हंगामे के बीच ही स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कुछ पूरक प्रश्नों के उत्तर भी दिए।बिरला ने इस दौरान नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा, देश की जनता चाहती

है कि सदन चले। कई माननीय विद्वानों ने लिखा है कि संसद चलनी चाहिए, चर्चा-संवाद होना चाहिए। सहमति और असहमति हमारे लोकतंत्र की ताकत है। मैं आग्रह करता हूं कि जनता की भावनाओं और उनकी आशाओं एवं आकांक्षाओं के अनुसार, आप सदन चलाने में सहयोग करें। आज स्वास्थ्य एवं महिलाओं पर प्रश्नकाल में चर्चा हो रही है। प्रश्नकाल आपका समय है। उन्होंने यह भी कहा, देश की जनता सांसदों और संसद के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है। आप सदन चलाने दें। आप अपने स्थान पर जाएं, आपको हर विषय पर नियम-प्रक्रियाओं के तहत चर्चा करने का पर्याप्त अवसर दूंगा। बिरला के बार-बार अपील करने के बाद भी आसन के समीप खड़े कांग्रेस और सपा सांसदों की नारेबाजी जारी रही। हंगामा नहीं थमने पर लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 10 मिनट पर दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।दोपहर 12 बजे निचले सदन की बैठक फिर शुरू हुई तो विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। शोरशराबा जारी रहने पर पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने दोपहर करीब 12 बजकर 10 मिनट पर सदन की बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी।उधर, राज्यसभा में सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि उन्हें विभिन्न मुद्दों पर नियम 267 के तहत चर्चा के लिए कुल 17 नोटिस मिले हैं, लेकिन वह इन्हें स्वीकार करने की स्थिति में नहीं हैं। कांग्रेस के प्रमोद तिवारी, रंजीत रंजन, अनिल कुमार यादव, दिग्विजय सिंह, विवेक तन्खा, रजनी पाटिल, जेबी माथेर हिशाम, अखिलेश प्रताप सिंह और सैयद नासिर हुसैन ने अदाणी समूह के खिलाफ भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और वित्तीय अनियमितताओं सहित अन्य कदाचारों के आरोपों के मुद्दे पर चर्चा के लिए नोटिस दिए थे।

मथुरा शाही ईदगाह परिसर विवाद से संबंधित याचिका पर सुप्रीम नौ को सुनवाई करेगा

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित हिंदू पक्ष के 18 मामलों की विचारणीयता को चुनौती देने वाली मस्जिद समिति की याचिका को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के खिलाफ दायर की गई याचिका पर नौ दिसंबर को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि वह नौ दिसंबर को अपराह्न दो बजे याचिका पर विस्तृत सुनवाई करेगी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, इस पर विस्तार से सुनवाई होगी। हम इस पर नौ दिसंबर को दोपहर दो बजे विचार करेंगे... हमें यह तय करना है कि कानूनी स्थिति क्या है। पीठ की ओर से प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें प्रथम

दृष्टया ऐसा लगता है कि उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ के एक अगस्त के आदेश के खिलाफ अंतर-न्यायालईय अपील की जा सकती है। पीठ ने कहा, हम निश्चित रूप से आपको बहस करने का अवसर देंगे। उच्च न्यायालय ने एक अगस्त को मथुरा में मंदिर-मस्जिद विवाद से संबंधित 18 मामलों की स्थिरता को चुनौती देने वाली प्रबंधन समिति, ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह की याचिका को खारिज कर दिया और फैसला सुनाया कि शाही ईदगाह के धार्मिक चरित्र को निर्धारित करने की आवश्यकता है। मस्जिद समिति का तर्क था कि कृष्ण जन्मभूमि मंदिर और उससे सटी मस्जिद के विवाद से संबंधित हिंदू पक्षकारों द्वारा दायर मुकदमे पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम का उल्लंघन करते हैं और इसलिए वे स्वीकार्य नहीं हैं। संसद से पारित 1991 का अधिनियम देश की आजादी के दिन से किसी भी धार्मिक स्थल के धार्मिक चरित्र को बदलने पर रोक लगाता है। इसने केवल राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद को इसके दायरे से बाहर रखा। हिंदू पक्ष द्वारा दायर मामलों में औरंगजेब के समय की मस्जिद को हटाने का अनुरोध किया गया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि 1991 के अधिनियम में धार्मिक चरित्र शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है और विवादित स्थान का मंदिर और मस्जिद का दोहरा धार्मिक चरित्र नहीं हो सकता है।

महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ रुपए जारी करने का आदेश भाजपा के विरोध के लेकर वापस लिया गया

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड को मजबूत करने के लिए 10 करोड़ रुपए की निधि जारी करने संबंधी एक सरकारी प्रस्ताव जारी किए जाने के एक दिन बाद, राज्य सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोध के बीच शुक्रवार को यह आदेश वापस ले लिया। राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने इस बात की पुष्टि की है कि आदेश वापस ले लिया गया है। महायुति गठबंधन के तहत, हालिया विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाली भाजपा ने सरकारी प्रस्ताव का यह कहते हुए विरोध किया कि निर्णय प्रशासनिक स्तर पर लिया गया था और संविधान में वक्फ बोर्ड का कोई उल्लेख नहीं है। महाराष्ट्र की 288 सदस्ईय विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त होने के बाद एकनाथ शिंदे वर्तमान में कार्यवाहक मुख्यमंत्री हैं। सत्तारूढ़ महायुति ने राज्य में सत्ता बरकरार रखी है। गठबंधन ने 288 सीट में से 230 पर जीत दर्ज की। भाजपा ने 132, शिंदे नीत शिवसेना ने 57 और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने 41 सीट जीती है। बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आदेश में कहा गया कि वित्त एवं नियोजन विभाग ने महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड को मजबूत करने के लिए 10 करोड़ रुपए के अनुदान को मंजूरी दी है। बोर्ड का मुख्यालय छत्रपति संभाजीनगर में है। यह पूछे जाने पर क्या सरकारी प्रस्ताव वापस ले लिया गया, सौनिक ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की। बृहस्पतिवार को जारी सरकारी प्रस्ताव के अनुसार, राज्य वक्फ बोर्ड को मजबूत करने के लिए 2024-25 के लिए 20 करोड़ रुपए मंजूर किए गए थे। इसमें से दो करोड़ रुपए बोर्ड को हस्तांतरित किए जा चुके हैं।

बांग्लादेश ने गिरफ्तार हिंदू नेता के बैंक खातों पर लगाई रोक

●धार्मिक संस्था से संबद्ध 17 और लोगों पर भी रोक

भाषा। ढाका

बांग्लादेश के वित्तीय अधिकारियों ने इस्कॉन के पूर्व सदस्य चिन्मय कृष्ण दास सहित इस धार्मिक संस्था से संबद्ध 17 लोगों के बैंक खातों से लेन–देन पर 30 दिन के लिए रोक लगाने का आदेश दिया है। मीडिया में शुक्रवार को आई खबर में यह जानकारी दी गई। दास को राजद्रोह के आरोप में इस हफ्ते की शुरूआत में गिरफ्तार कर लिया गया था। प्रथम आलो अखबार की खबर के मुताबिक, बांग्लादेश वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों को बृहस्पतिवार को ए निर्देश जारी करते हुए इन खातों से सभी तरह के लेन–देन पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी। बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक के तहत आने वाली बीएफआईयू ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से इन खातों से संबंधित जानकारी तीन कार्य दिवस में भेजने को कहा है। इसमें इन 17 व्यक्तियों के स्वामित्व वाले सभी तरह के कारोबारों के सभी खातों के अद्यतन लेन–देन के विवरण शामिल हैं। दास सहित 19 लोगों के खिलाफ 30 अक्टूबर को चटगांव के कोतवाली पुलिस थाने में राजद्रोह का एक मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उन पर चटगांव के न्यू मार्केट इलाके में हिंदू समुदाय की एक रैली के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्र ध्वज का असम्मान करने का आरोप लगाया गया है। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण ज्योत के प्रवक्ता दास को राजद्रोह के आरोप में सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा से गिरफ्तार किया गया था। उन्हें मंगलवार को चटगांव की एक अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया और जेल भेज दिया, जिसके चलते उनके समर्थकों ने प्रदर्शन किया था। मंगलवार को, नई दिल्ली ने हिंदू नेता की गिरफ्तारी और जमानत से इनकार किए जाने को लेकर चिंता जताई थी तथा बांग्लादेश से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा था। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी इस हिंदू नेता की रिहाई की मांग की है। उन्होंने दास की गिरफ्तारी को लेकर हुए प्रदर्शन में एक वकील के मारे जाने की घटना की निंदा की इस्कॉन बांग्लादेश ने इसे वकील के मारे जाने की घटना से जोड़े जाने के आरोपों का खंडन किया और कहा कि दावे निराधार हैं और एक दुर्भावनापूर्ण अभियान का हिस्सा हैं।

बांग्लादेश ने भारत से उसके राजनयिक मिशन की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा

ढाका। बांग्लादेश ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित उप उच्चायोग पर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन पर गहरी चिंता व्यक्त की और भारत से देश में उसके सभी राजनयिक मिशन की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय के एक बयान में यह भी दावा किया गया कि बृहस्पतिवार को हिंसक हो चुके विरोध प्रदर्शन के दौरान बांग्लादेश का झंडा और अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस का पुतला जलाया गया। बंगीय हिंदू जागरण मंच के सदस्यों ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हमलों और आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग के कार्यालय तक रैली निकाली। बांग्लादेश में इस्कॉन के पूर्व सदस्य दास को सोमवार को राजद्रोह के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और मंगलवार को उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। इसके बाद बांग्लादेश की राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव समेत विभिन्न स्थानो पर हिंदू समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

ब्रिटेन के सांसद ने बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न का मामला संसद में उठाया

लंदन। ब्रिटेन के संसद सदस्य और ब्रिटिश हिंदुओं के ऑल पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप (एपीपीजी) के अध्यक्ष बॉब ब्लैकमैन ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित हमलों को लेकर संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में चिंता जताई। संसद सत्र के दौरान बृहस्पतिवार को, उत्तरी लंदन में हैरो ईस्ट के सांसद ब्लैकमैन ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के कथित उत्पीड़न और हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को जेल भेजने की निंदा की। ब्लैकमैन ने सांसदों को बताया, उन्हें (दास) बांग्लादेश में गिरफ्तार किया गया है और पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या की जा रही है, उनके घरों और मंदिरों को जलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, आज (बृहस्पतिवार) बांग्लादेश के उच्च न्यायालय में यह फैसला लेने का प्रयास किया गया कि इस्कॉन को देश में प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिए, जो हिंदुओं पर सीधा हमला है। विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद ब्लैकमैन ने जोर देकर कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों को इस तरह से सताया जाना अस्वीकार्य है। उन्होंने विश्व स्तर पर धार्मिक स्वतंत्रता को संरक्षित करने का आह्वान किया।

चीन में विशाल पांडा की आबादी बढ़कर1,900 हुई

बीजिंग। कृत्रिम प्रजनन पद्धति के इस्तेमाल के बाद चीन में विशाल पांडा की आबादी बढ़कर लगभग1,900 हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। भालू के परिवार के ए सदस्य गोल चेहरे, मोटे शरीर और शरीर पर सफेद तथा काले बालों के विशिष्ट निशान के लिए पहचाने जाते है। इनकी आबादी बढ़ने के साथ ही ए लुप्तप्राय से संवेदनशील श्रेणी में आ गए है। चीनी विशेषज्ञों का कहना है कि विशाल पांडा का प्रजनन सबसे कठिन प्रक्रिया थी। चीन संरक्षण और अनुसंधान केंद्र के मुख्य विशेषज्ञ ली डेसेंग ने कहा, शुरुआती दिनों में विशाल पांडा का कृत्रिम प्रजनन एक बड़ी समस्या थी। 1980 के दशक के दौरान हमने केवल एक शिशु पांडा का प्रजनन किया जो दो साल तक जीवित रहा। ली ने सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के साथ अब कृत्रिम प्रजनन दर और पांडा शावक के जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है और पांडा के जीवित रहने की औसत अवधि में भी वृद्धि हुई है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि विशाल पांडा की आबादी 1980 के दशक में लगभग1,100 थी जो बढ़कर लगभग1,900 हो गई है। द इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ने विशाल पांडा की आबादी बढ़ने के बाद इसे लुप्तप्राय से संवेदनशील श्रेणी में डाल दिया है।

पाकिस्तान के अधिकारी बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने के लिए कर रहे प्रयास

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अधिकारी 19 करोड़ पाउंड के कथित भ्रष्टाचार मामले में अदालत में पेश नहीं होने पर जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक जवाबदेही अदालत द्वारा 22 नवंबर को सुनाए गए फैसले के बाद सख्ती की जा रही है। बुशरा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे, क्योंकि वह लगातार आठ सुनवाई में अनुपस्थित रही थी। न्यायाधीश नासिर जावेद राणा ने अदालत में पेश होने से छूट देने की उनकी याचिका खारिज कर दी। अधिकारियों ने बताया कि निर्देश के बाद राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने रावलपिंडी की अपनी टीम से बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने को कहा, जो खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की प्रांतीय राजधानी पेशावर में रह रही है। खैबर पख्तूनख्वा मे खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सत्ता में है। खबर में कहा गया है कि एनएबी की एक टीम पुलिस के साथ 23 नवंबर को पेशावर गई थी, लेकिन उन्हे खाली हाथ लौटना पड़ा। अधिकारियो ने बताया कि जब टीम ने बुशरा बीबी के घर पर गिरफ्तारी वारंट दिखाया, तो पता चला कि वह घर पर मौजूद नही थी। खान और बुशरा बीबी दोनो पर 50 अरब पाकिस्तानी रुपए (19 करोड़ पाउंड) के दुरुपयोग का आरोप है, जिसे ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी ने एक संपत्ति कारोबारी के साथ समझौते के तहत पाकिस्तान को लौटा दिया था।

पाकिस्तान की अदालत ने पत्रकार जान को न्यायिक हिरासत में भेजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने आतंकवाद और मादक पदार्थ मामले में वरिष्ठ पत्रकार मतीउल्ला जान की दो दिन की पुलिस हिरासत पर रोक लगाकर शुक्रवार को उन्हें न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेजने का आदेश दिया। इस्लामाबाद मे गिरफ्तारी के बाद बृहस्पतिवार को जान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद रावलपिंडी आतंकवाद रोधी अदालत ने उन्हें दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। हालांकि, पत्रकार ने शुक्रवार सुबह अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में पुलिस हिरासत को चुनौती दी। मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक व न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताहिर ने याचिका पर सुनवाई की और उनके वकीलों की दलीले सुनने के बाद पुलिस हिरासत पर रोक लगाकर न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेजने का आदेश दिया।

अमेजन का पहला ब्लैक फ्राइडे इवेंट लाइव

ग्लोबल। अमेजन इंडिया ने अपने पहले ब्लैक फ्राइडे इवेंट की घोषणा की है, जो 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक आयोजित होगा। वैश्विक स्तर पर एक बेहद लोकप्रिय इवेंट अमेजन इंडिया का पहला ब्लैक फ्राइडे इवेंट होगा, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, एप्लाएंसेस, फैशन औश्र ब्यूटी कैटेगरी में एप्पल, सैमसंग, सोनी, नाइक, कैल्विन क्लेन, एडिडास, टॉमी हिलफिगर, पैनासोनिक, जीन पॉल, डाबर, एलजी, एल्डो, स्वारोवस्की जैसे ब्रांड्स पर डील्स मिलेंगी। सौरभ श्रीवास्तव, वाइस प्रेसिडेंट, कैटेगरीज, अमेजन इंडिया ने कहा, अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2024 की रिकॉर्ड तोड़ सफलता ने भारी बचत के लिए भारतीय ग्राहकों की भूख को प्रदर्शित किया है। अब हम वैश्विक स्तर पर अमेजन के लोकप्रिय शॉपिंग इवेंट ब्लैक फ्राइडे को पहली बार भारत में अमे?न.इन पर लेकर आ रहे हैं, जिसमें भारतीय और इंटरनेशनल दोनों ब्रांड्स के इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्यूटी, होम एप्लाएंसेस और डेकोर पर ब?ी बचत होगी। यह सभी श्रेणियों में ग्राहकों को असाधारण कीमत और शॉपिंग अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

अमेरिका: कनेक्टिकट से डेमोक्रेटिक सांसदों को बम विस्फोट की धमकी मिली

वेस्ट पाम बीच (अमेरिका)। अमेरिकी के कनेक्टिकट से डेमोक्रेटिक पार्टी के कम से कम चार सांसदों को बृहस्पतिवार को उनके घरों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सांसदों एवं उनके कार्यालयों ने यह जानकारी दी। प्रतिनिधि सभा के सदस्यों जिम हिम्स, जो कोर्टनी, जॉन लार्सन और जहाना हेस ने उन्हें धमकियां मिलने की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि उसे सांसदों की संपत्तियों पर विस्फोटक सामग्री से संबंधित कोई सबूत नही मिला। अभी यह पता नही चल पाया है कि राज्य से प्रतिनिधि सभा के पांचवें डेमोक्रेटिक सदस्य रोसा डेलाउरो और कनेक्टिकट से डेमोक्रेटिक पार्टी के दो सीनेटर को भी धमकियां मिली है या नही। इससे एक दिन पहले, अमेरिका में कैबिनेट स्तर के कई मनोनीत और शीर्ष प्रशासनिक पदों पर नियुक्त लोगों तथा उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां मिलने की जानकारी मिली थी।

खैबर पख्तूनख्वा में चार आतंकवादियों को मार गिराया

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को एक अभियान के दौरान चार आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले के बाग इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया। इस अभियान में आतंकी नेता बटूर समेत चार लोगों की मौत हो गई और तीन आतंकवादी घायल हो गए।

ब्रिटेन की परिवहन मंत्री ने धोखाधड़ी मामले में दोषी पाए जाने के बाद इस्तीफा दिया

लंदन। ब्रिटेन की परिवहन मंत्री लुइस हेग ने एक दशक पुराने सेलफोन धोखाधड़ी मामले में दोषी पाए जाने के बाद शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री कीअर स्टार्मर को लिखे एक पत्र में हेग ने कहा, मैं अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं, लेकिन अब मेरा मानना है कि पद से इस्तीफा देना ही सबसे उपयुक्त होगा। हेग के इस्तीफे से कुछ घंटे पहले स्काई न्यूज और द टाइम्स ऑफ लंदन समाचार पत्रों में खबरें आई थीं, जिनमें कहा गया है कि हेग पर धोखाधड़ी का आरोप तय हुआ है।

उपराष्ट्रपति पर महाभियोग चलाना समय की बर्बादी है: फिलीपीन के राष्ट्रपति

मनीला। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें जान से मारने की सार्वजनिक रूप से धमकी देने के बाद से कानूनी संकट में घिरीं उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते के खिलाफ महाभियोग की शिकायत दर्ज करने से संसद के समय की बर्बादी होगी।

भारत फिर बना संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग का सदस्य

न्यूयॉर्क। भारत को 2025–2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग के सदस्य के रूप में फिर से चुना गया है। आयोग में भारत का वर्तमान कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत को 2025–2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग (पीबीसी) के लिए फिर से चुना गया है। संस्थापक सदस्य और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में भारत वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में काम करने के वास्ते पीबीसी के साथ अपना जुड़ाव जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। पीबीसी में 31 सदस्य देश हैं जो संयुक्त राष्ट्र महासभा, सुरक्षा परिषद और आर्थिक एवं सामाजिक परिषद से चुने जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में शीर्ष वित्तीय योगदान देने वाले देश और शीर्ष सैन्य योगदान देने वाले देश भी इसके सदस्य हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में वर्दीधारी कर्मियों के रूप में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है।संयुक्त राष्ट्र के अभियानों के तहत वर्तमान में भारत के लगभग 6,000 सैन्य और पुलिसकर्मी अबेई, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, साइप्रस, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लेबनान, पश्चिम एशिया, सोमालिया, दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा में तैनात हैं। शांति अभियानों में लगभग 180 भारतीय शांति सैनिकों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया है, जो योगदानकर्ता के रूप में किसी अन्य देश के मुकाबले अब तक की सबसे अधिक संख्या है।

अरबपति मलेशियाई उद्यमी आनंद कृष्णन का 86 वर्ष की आयु में निधन

कुआलालंपुर। मलेशिया के सबसे अमीर लोगो मे शामिल दूरसंचार, मीडिया, पेट्रोलियम और रियल इस्टेट उद्यमी आनंद कृष्णन का निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। कृष्णन की निवेश कंपनी उसाहा टेगास ने बताया कि उनका बृहस्पतिवार को निधन हो गया और उनके परिवार ने लोगो से निजता का सम्मान करने का अनुरोध किया है। बयान मे निधन का कारण नही बताया गया। इसके अनुसार, आनंद ने राष्ट्र निर्माण और कॉर्पोरेट जगत मे बड़ा योगदान दिया है। उनके परोपकार के कार्यो ने कई लोगो की जिंदगियो को प्रभावित किया है। फोर्ब्स पत्रिका ने आनंद को मलेशिया का छठा सबसे अमीर व्यक्ति बताया थाजिनकी कुल संपदा 5.1 अरब डॉलर की है। एक अप्रैल, 1938 को जन्मे आनंद ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से स्नातक की पढ़ाई की थी। उन्होंने तेल व्यापार से अपना करियर शुरू किया और फिर अन्य क्षेत्रों मे भी व्यापार को बढ़ाया। दूरसंचार कंपनियो मैक्सिस, मीडिया कंपनी एस्ट्रो, उपग्रह सेवा कंपनी मीसेट और तेल सेवा प्रदाता कंपनी बूमी आर्मदा समेत अन्य कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी थी।

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई संसद ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाने वाले एक विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी, जिसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया दुनिया में ऐसा कानून बनाने वाला पहला देश बन गया है। इस कानून के अनुसार टिकटॉक, फेसबुक, स्नैपचैट, रेडिट और एक्स समेत विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अगर 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अकाउंट बनाने से रोकने में विफल रहे तो उन पर पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (3.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। संसद के उच्च सदन सीनेट ने बृहस्पतिवार को विधेयक को मंजूरी दी। विधेयक के पक्ष में 34 जबकि विरोध में 19 वोट पड़े। निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को विधेयक को मंजूरी दी थी, जहां विधेयक के पक्ष में 102 जबकि विरोध में 13 वोट डाले गए थे। प्रतिनिधि सभा ने सीनेट में किए गए विपक्ष के संशोधनों को शुक्रवार को स्वीकार कर लिया, जिसके साथ ही विधेयक कानून बन गया।

2028 तक वैश्विक बीज बाजार में 1.4 बिलियन हिस्सेदारी हासिल करने की ओर अग्रसर

मुंबई। राष्ट्रीय बीज कांग्रेस में भारत के वैश्विक बीज बाजार में 10प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के फसल उत्पादन में योगदान को 15-20प्रतिशतसे बढ़ाकर 45प्रतिशत तक ले जाने की संभावना पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बीज उत्पादकों के लिए अनुकूल तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने अनुमान लगाया कि भारत 2028 तक वैश्विक 14 बिलियन बीज बाजार में से 1.4 बिलियन (10,000 करोड़) का योगदान दे सकता है।भारत वैश्विक बीज बाजार में एक प्रमुख भागीदार है और सब्जियों, मसालों तथा अनाज एवं दालों के निर्यात में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। उच्च उत्पादन वाले और रोग प्रतिरोधी किस्मों के निर्यात को बढ़ावा देने की महत्वत्ता को रेखांकित करते हुए, भारतीय बीज उद्योग महासंघ (एफएसआईआई) के चेयरमैन और सवाना सीड्स के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक अजय राणा ने कहा, भारत के विविध कृषि-जलवायु क्षेत्र इसे पारंपरिक और हाइब्रिड बीज उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाते हैं। निर्यात बाजार को सार्वजनिक-निजी भागीदारी और अनुकूल नीतिगत ढांचे के माध्यम से और मजबूत किया जा सकता है। बीज निर्यात प्रोत्साहन योजना% और कृषि निर्यात क्षेत्र की स्थापना जैसी सरकारी पहल इस विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं। उच्च गुणवत्ता वाले बीज सतत कृषि की रीढ़ हैं, जो कुल फसल उत्पादन में 15-20त्न तक योगदान देते हैं, और अन्य इनपुट के कुशल प्रबंधन के साथ यह आंकड़ा 45प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

नोट्रे डेम कैथेड्रल ने विनाशकारी आग के पांच साल बाद नवनिर्मित आंतरिक सज्जा की झलक दिखलाई

पेरिस। पांच साल से अधिक के अथक पुनर्निर्माण कार्य के बाद नोट्रे डेम कैथेड्रल ने शुक्रवार को दुनिया के सामने अपनी नई साज-सज्जा की झलक दिखाई। पुनर्निर्माण के तहत बनी ऊंची छत और पत्थर की नक्काशी का काम वर्ष 2019 में हुई विनाशकारी आग की घटना की दुखद यादों को मिटा देता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा इस स्थल के दौरे के सीधे प्रसारण में दिखाई गई तस्वीरों मे प्रतिष्ठित कैथेड्रल के अंदर का जो दृश्य दर्शाया गया है, वह कुछ ऐसा है जो श्रद्धालुओं को इसकी मध्ययुगीन भव्यता का अनुभव कराएगा। इसके विस्तृत और खुले मैदान मे सर्दियों के दिन मे कड़ी धूप ओर रोशनी पसरी थी। सूर्य के प्रकाश से इसकी कांच की खिड़कियों के रंग आभा बिखेर रहे थे। मैक्रों ने कैथेड्रेल कैथेड्रल के विशाल और जटिल नक्काशीदार सामने के दरवाजो से प्रवेश किया और आश्चर्य से छत को देखा। उनके साथ उनकी पत्नी ब्रिगिट, पेरिस के आर्कबिशप और अन्य लोग भी थे।

हर साल की तरह इस वर्ष भी खुशियां लेकर आई सांता ट्रेन

सांता ट्रेन से (अमेरिका)। वर्ष 1943 से, एपलाचियन केंटुकी, वर्जीनिया और टेनेसी के लोग सांता के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे है। अपनी छतो पर नही, बल्कि ट्रेन मे। सांता ट्रेन इस वर्ष अपनी 82वी यात्रा पर निकली है, जो सुदूर नदी घाटियो से गुजर रही सीएसएक्स रेल लाइन के 110-मील हिस्से से लगे छोटे शहरो के लिए उपहार और खुशियां लेकर आई है। ट्रेन पहुंचने से पहले शनिवार को पटरी पर कतार लगाकर सांता का इंतजार करने वाले कई बच्चे ऐसा करने वाली तीसरी, चौथी या पांचवी पीढ़ी के बच्चे है। हेसी, वर्जीनिया की सैंड्रा ओवेन्स ने कहा मै हर साल इसकी प्रतीक्षा करती हूं। मै दिन गिनती हूं। ओवेंस के हाथ मे तकिए का गिलाफ है, जिसपर लिखा है, सांता ट्रेन के लिए सीएसएक्स और स्वयंसेवको को धन्यवाद। 82 ओवेन्स 55 साल पहले शादी के बाद डेलावेयर से केंटुकी चली गईं थी और उन्होंने अपनी पहली सांता ट्रेन का अनुभव कुछ साल बाद किया, जब उनका बेटा तीन साल का हो गया। वह अब 46 साल का है, और इन दिनो वह अपने पोते-पोतियो को लेकर आती है। कुछ और वर्षो मे, शायद वह परपोते और परपोतियां लेकर आएं। उन्होंने कहा, बच्चो के चेहरे ही मुझे खुश कर देते है। आप इससे बेहतर कुछ नही देख सकते। ट्रेन शेल्बियाना, केंटुकी से शुरू होती है, जहां लोग सुबह होने से पहले इंतजार करते है। प्रत्यक स्टॉप पर दर्जनों से सैकड़ो लोग होते है। इस बीच, स्वयंसेवको के समूह उपहारो से भरे बैग लेकर बाहर निकलते है और यह सुनिश्चित करते है कि हर बच्चा कुछ न कुछ लेकर घर जाए। हर साल वे 15 टन से अधिक उपहार देते है जिनमे टोपी, दस्ताने, कंबल, बोर्ड गेम, स्केट बोर्ड और टेडी बियर शामिल है। स्नोफ्लेक, वर्जीनिया की डोना डोगेट्री को याद है कि वह बचपन मे पास के फोर्ट ब्लैकमोर मे सांता ट्रेन देखने आती थी। उन्होंने कहा, वर्षो पहले, हमे बहुत कुछ नही मिलता था। तो उस समय हमे जो कुछ मिलता था हमे उस पर गर्व होता था।

ईरान हजारों सेंट्रीफ्यूज के साथ यूरेनियम संवर्धन शुरू करेगा: संरा निगरानी एजेंसी

दुबई। संयुक्त राष्ट्र (संरा) की एक निगरानी एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि ईरान अपने दो मुख्य परमाणु संयंत्रों (फोर्डो और नतानज) में हजारों उन्नत सेंट्रीफ्यूज के साथ यूरेनियम संवर्धन का काम शुरू कर देगा। तेहरान के इस कार्यक्रम को लेकर तनाव फिर से बढ़ गया है। संयुक्त राष्ट्र के तहत कार्यरत अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के नोटिस में कहा गया है कि केवल पांच प्रतिशत शुद्धता और नए सेंट्रीफ्यूज के साथ ईरान द्वारा यूरेनियम का संवर्धन किया जा रहा है, जो उसकी संवर्धन करने की मौजूदा क्षमता (60 प्रतिशत) से काफी कम है। यह संभवत: संकेत है कि वह अब भी पश्चिम और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से बातचीत करना चाहता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि सत्ता संभालने के बाद ट्रंप ईरान के प्रति क्या रुख अपनाएंगे खासकर तब जब वह गाजा पट्टी में हमास से युद्ध के बीच इजराइल पर हमला करने की धमकी दे रहा है। यह धमकी इजराइल द्वारा लेबनान में युद्धविराम शुरू होने के ठीक बाद दी गई है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने आईएईए की रिपोर्ट पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। नवंबर में एक बैठक में एजेंसी के साथ पूर्ण सहयोग करने में विफल रहने के लिए आईएईए द्वारा ईरान की निंदा करने के बाद तेहरान ने अपने कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाने की धमकी दी थी।

समोआ तट के पास न्यूजीलैंड नौसेना का जहाज चालक दल की गलतियों के कारण डूबा था: जांच

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। समोआ के तट के पास न्यूजीलैंड की नौसेना के जहाज के एक चट्टान से टकराने के बाद उसमें आग लगने और उसके डूबने की घटना को लेकर की गई जांच में सामने आया कि यह हादसा चालक दल के सदस्यों की गलतियों के कारण हुआ। शुक्रवार को जारी की गई सेना की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी में इसकी पुष्टि की गई है। जांच की पहली रिपोर्ट के निष्कर्ष में कहा गया कि जहाज के चालक दल को यह एहसास नहीं हुआ कि जहाज स्वचालित स्थिति में था, उन्हें लगा कि जहाज में कुछ और गड़बड़ है और चूंकि जहाज जमीन की ओर

बढ़ रहा था ऐसे में उन्होंने यह भी नहीं जांचा कि नौसेना का जहाज एचएमएनजेडएस मनावनुई मैन्युअल था या नहीं।पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है।घटना अक्टूबर की है जब उपोलू, समोआ के तट से लगभग 1.6 किलोमीटर (एक मील) दूर नौसेना का जहाज डूब गया। हालांकि उस पर सवार सभी 75 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। इस जहाज के डूब जाने के बाद न्यूजीलैंड की नौसेना के पास सिर्फ आठ जहाज रह गए हैं।

नाइजीरिया में नौका पलटी सौ लोग लापता

नाइजीरिया। उत्तरी नाइजीरिया मे नाइजर नदी मे एक नौका पलट जाने के बाद कम से कम 100 लोग लापता हो गए है। यह जानकारी अधिकारियो ने दी।

रूस के रक्षा मंत्री उत्तर कोरिया पहुंचे

सैन्य अधिकारियों और नेताओं से बातचीत करेंगे

भाषा। सियोल

रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव सैन्य अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के साथ वार्ता के लिए शुक्रवार को उत्तर कोरिया पहुंचे। रूस के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। रूस की समाचार एजेंसी तास ने मंत्रालय के हवाले से दी गई अपनी खबर में हालांकि यह नहीं बताया कि बेलौसोव किससे मिलेंगे या बातचीत का उद्देश्य क्या है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने इस यात्रा की पुष्टि नहीं की है। पूर्व अर्थशास्त्री बेलौसोव ने मई में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सत्ता में पांचवां कार्यकाल शुरू करने के बाद रक्षा मंत्री के रूप में सर्गेई शोइगू का स्थान लिया था। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई तस्वीरों में बेलौसोव को उत्तर कोरियाई रक्षा मंत्री नो क्वांग चोल के साथ प्योंगयांग हवाई अड्डे पर रेड कार्पेट पर चलते हुए दिखाया गया है। उत्तर कोरियाई सैन्य अधिकारियों को एक बैनर के तले ताली बजाते देखा गया, जिस पर लिखा था, रही रूस की सेना और उसके लोगों के प्रति पूर्ण समर्थन और एकजुटता। बेलौसोव ने अपने आगमन के बाद कहा कि दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग का विस्तार हो रहा है। उन्होंने प्योंगयांग में जून की बैठक के बाद पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन द्वारा हस्ताक्षरित रणनीतिक साझेदारी समझौते की सराहना की, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखना और युद्ध के जोखिम को कम करना है। उत्तर कोरियाई रक्षा मंत्री नो ने भी दोनों देशों की सेनाओं के बीच बढ़ते सहयोग की प्रशंसा की और यूक्रेन में रूस के युद्ध के प्रति उत्तर कोरिया के समर्थन को दोहराया। नो ने इसे देश के संप्रभु अधिकारों और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए न्यायपूर्ण संघर्ष करार दिया। बेलौसोव की यह यात्रा दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक एओल द्वारा रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव के नेतृत्व में यूक्रेन के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें एओल ने दोनों देशों से उत्तर कोरिया द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में सहायता के लिए हजारों सैनिकों को रूस भेजने पर जवाबी कदम की तैयारी का आह्वान किया था। अमेरिका और उसके सहयोगियों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने हाल में 10,000 से अधिक सैनिक रूस भेजे हैं और उनमें से कुछ सैनिक युद्ध में शामिल हो चुके हैं। उत्तर कोरिया पर रूस को हथियार प्रणाली, मिसाइल और अन्य सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करने का भी आरोप है, जो रूसी राष्ट्रपति पुतिन को लगभग तीन साल से जारी युद्ध को और आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है। दक्षिण कोरिया में यह भी चिंता जताई गई कि उत्तर कोरिया अपने सैनिकों और हथियारों की आपूर्ति के बदले रूस से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्राप्त कर सकता है, जो नेता किम जोंग उन के परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रम द्वारा उत्पन्न खतरे को बढ़ा सकता है। एओल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिन वॉनसिक ने पिछले सप्ताह एक टीवी साक्षात्कार में कहा था कि सियोल का मानना है कि रूस ने उत्तर कोरिया के सैनिक भेजने के बदले उसे वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली प्रदान की है। शिन ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि रूस ने उत्तर कोरिया को आर्थिक सहायता और विभिन्न सैन्य प्रौद्योगिकियां दी हैं, जिनमें विश्वसनीय अंतरिक्ष–आधारित निगरानी प्रणाली बनाने के उत्तर कोरिया के प्रयासों के लिए आवश्यक तकनीकें भी शामिल हैं।

वार्ताकार प्लास्टिक प्रदूषण संधि पर सहमति बनाने के और करीब पहुंचे

बुसान (दक्षिणकोरिया)। प्लास्टिक प्रदूषण के वैश्विक संकट से निपटने के लिए काम कर रहे वार्ताकार शुक्रवार को एक संधि पर सहमति बनाने के और करीब पहुंच गए क्योंकि और भी देशों ने कहा है कि वे इस समस्या का समाधान करना चाहते हैं। वार्ता का सबसे विवादास्पद मुद्दा यह है कि क्या प्लास्टिक के उत्पादन की सीमा तय की जाए। बृहस्पतिवार को पनामा ने प्लास्टिक उत्पादन के समाधान के लिए संधि के वास्ते एक मसौदे का प्रस्ताव किया। पनामा के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख जुआन कारलोस मोंटेरी ने कहा कि संधि के वास्ते आम सहमति बनाने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया है और इसमें उत्पादन की सीमा शामिल नहीं की गई है। पनामा के प्रस्ताव को 100 से अधिक देशों का समर्थन मिला है। वहीं, कुछ प्लास्टिक उत्पादक और सऊदी अरब सहित तेल एवं गैस उत्पादक देशों ने प्लास्टिक उत्पादन को संधि में शामिल किए जाने का विरोध किया। रूस के प्रतिनधिमंडल ने कहा कि यदि विश्व इस संधि को लेकर गंभीर है तो वार्ताकारों को सभी प्रतिनिमंडल के लिए स्वीकार्य प्रावधानों पर ध्यान देना चाहिए।

मैक्रों ने 1944 में पश्चिमी अफ्रीकी सैनिकों की हत्या को नरसंहार करार दिया

डकार(सेनेगल)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बृहस्पतिवार को पहली बार माना कि 1944 मे पश्चिम अफ्रीकी सैनिकों की फ्रांसीसी सेना द्वारा की गई हत्या नरसंहार थी। मैक्रों ने सेनेगल के प्राधिकारियो को लिखे एक पत्र मे यह बात कही। सेनेगल की राजधानी डकार के बाहरी इलाके मे स्थित मछुआरो के गांव थियारोए मे द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान हुई हत्याओं की 80वी बरसी से एक दिन पहले फ्रांसीसी राष्ट्रपति की यह स्वीकारोक्ति ऐसे समय सामने आई है जब इस क्षेत्र पर फ्रांस का प्रभाव कम हो रहा है। फ्रांस के 1940 मे हुए युद्ध के दौरान फ्रांसीसी सेना की तरफ से लड़ने वाले पश्चिम अफ्रीका के 35 से 400 सैनिको को फ्रांसीसी सैनिको ने ही एक दिसंबर 1944 को मार डाला था। फ्रांस के लोगों ने इसे वेतन से जुड़े भुगतान को लेकर किया गया विद्रोह बताया था। पश्चिमी अफ्रीका के लोग तिरालेउर्स सेनेगलैस नाम की एक इकाई के सदस्य थे, जो फ्रांसीसी सेना मे औपनिवेशिक पैदल सेना की एक टुकड़ी थी। इतिहासकारो के अनुसार, नरसंहार से कुछ दिन पहले वेतन से जुड़े भुगतान को लेकर विवाद था, लेकिन एक दिसंबर को फ्रांसीसी सैनिकों ने पश्चिम अफ्रीकी सैनिको को घेर लिया और गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू डियोमाए फे ने कहा कि उन्हे मैक्रों का पत्र मिला है।

चीन ने ताइवान के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान हवाई और गुआम में रुकने की उनकी योजना की आलोचना की

ताइपे (ताइवान)। ताइवान के राष्ट्रपति लाइ चिंग-ते दक्षिण प्रशांत की अपनी यात्रा के दौरान हवाई और गुआम मे ठहरेंगे। उनकी इस योजना की चीन ने आलोचना की है।लाइ शनिवार को ताइवान से मार्शल द्वीप समूह, तुवालु और पलाऊ की यात्रा के लिए रवाना होंगे जो ताइवान के तीन राजनयिक सहयोगी हैं।लाइ के कार्यालय ने शुक्रवार को पुष्टि की कि वह अमेरिका के प्रांत हवाई और अमेरिकी क्षेत्र गुआम मे रुकेंगे। उनकी इस योजना की चीन ने आलोचना की है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि अगर अमेरिका ताइवान जलडमरूमध्य मे शांति बनाए रखना चाहता है तो उसके लिए ताइवान मुद्दे को ताइवान के स्वतंत्र देश होने का सीधे तौर पर विरोध करते हुए और चीन के शांतिपूर्ण एकीकरण का समर्थन करते हुए बेहद सावधानी से संभालना महत्वपूर्ण है।माओ ने कहा कि चीन अमेरिका और ताइवान के बीच किसी भी तरह की आधिकारिक बातचीत और किसी भी कारण से ताइवान के नेताओं की अमेरिका की यात्रा का विरोध करता है। जब उनकी पूर्ववर्ती, साइ इंग-वेन पिछले साल मध्य अमेरिका की यात्रा के दौरान अमेरिका में रुकी, तो चीन ने कहा कि वह गहरी नजर रखे हुए है और वह अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की दृढ़ता से रक्षा करेगा। चीनी सेना ने पिछले साल ताइवान के आसपास अभ्यास भी शुरू किया था,।

गुलाबी गेंद से बल्लेबाजी संयोजन तय करना चाहेगी भारतीय टीम

अभ्यास मैच मे आज दिखाएगी दम

भाषा। कैनबरा

आस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ शनिवार से मानुका ओवल पर शुरू हो रहे दो दिवसीय अभ्यास मैच में भारतीय टीम एडीलेड में दिन रात के टेस्ट से पहले अपना बल्लेबाजी संयोजन तय करने के इरादे से उतरेगी। भारत ने अब तक दिन रात के चार टेस्ट खेले हैं और एकमात्र पराजय चार साल पहले एडीलेड में मिली जब टीम 36 रन पर आउट हो गई थी। इसके बाद हालांकि भारत ने वापसी करके चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला जीती थी। गुलाबी गेंद सूर्यास्त के समय खेलना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। चूंकि अभ्यास मैच को प्रथम श्रेणी मैच का दर्जा नहीं है लिहाजा भारत के अधिकांश बल्लेबाज अभ्यास करना चाहेंगे। पर्थ टेस्ट 295 रन से जीतने के बाद भारतीय टीम का मनोबल उंचा है। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहे कप्तान रोहित शर्मा और अंगूठे के फ्रेक्चर से उबरे शुभमन गिल टीम में लौटे हैं जिससे छह दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हो सकता है। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज हैं लेकिन पर्थ टेस्ट में जायसवाल और केएल राहुल ने अच्छा प्रदर्शन किया। ऐसे में रोहित बल्लेबाजी क्रम में नीचे भी उतर सकते हैं। ऐसा होने पर गिल का क्रम भी बदलेगा। भारत को अभ्यास मैच में ही ए प्रयोग करने होंगे। यह दो दिवसीय मैच ही है जिसमें गेंदबाजों की बजाय बल्लेबाजों को अधिक अभ्यास की जरूरत है। सरफराज जैसे बल्लेबाज भी हाथ आजमाना चाहेंगे हालांकि किसी के चोटिल होने की दशा में ही उन्हें मौका मिल सकता है। गिल ने नेट्स पर टीम के साथ अभ्यास किया। भारतीय टीम इस दौरे पर अभ्यास मैच नहीं खेल रही है क्योंकि अमूमन वे प्रतिस्पर्धी नहीं होते। प्रधानमंत्री एकादश टीम की कमान जैक एडवडर्स के हाथ में है।

अंगूठे की चोट से उबरकर नेट्स पर लौटे गिल, कहा रिक्वरी अपेक्षा से बेहतर रही

कैनबरा। अंगूठे की चोट के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट से बाहर रहे शुभमन गिल ने फिट होने के बाद शुक्रवार को भारतीय टीम के साथ नेट्स पर अभ्यास किया। पहले टेस्ट में गिल की कमी महसूस नही हुई क्योंकि भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की। पिछले दौरे पर उनके शानदार फॉर्म को देखते हुए हालांकि टीम को उसकी जरूरत है। शीर्षक्रम के बल्लेबाजो ने नेट्स पर यश दयाल और आकाश दीप की गेंदो का सामना किया।भारत को कल से आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलना है। गिल ने अभ्यास सत्र के बाद बीसीसीआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा , मै देख रहा था कि चोट से कितना उबर गया हूं। किसी तरह की सूजन तो नही है लेकिन मैने और कमलेश भाई (कमलेश जैन, फिजियो) की अपेक्षा से बेहतर रिक्वरी है। मै बहुत खुश हूं। पहले टेस्ट से बाहर रहने से निराश गिल ने कहा , हर गेंद को बल्ले से पीटने का अनुभव शानदार होता है और मै उसी के लिए खेलता हूं। जब मुझे चोट के बारे में पता चला तो पहले कुछ दिन काफी निराशाजनक रहे। उन्होंने कहा , पर्थ मे हमने पिछली बार 2020 .21 के दौरे पर नही खेला था। यह शानदार मैदान है और टीम के प्रदर्शन से मै काफी खुश था। गिल की गैर मौजूदगी में तीसरे नंबर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल प्रभाव नही छोड़ सके।

टीम क्या चाहती है, जडेजा और अश्विन को यह समझाना मुश्किल नहीं: सहायक कोच नायर

कैनबरा। भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि ऐसी भी टीम है जिनमे सीनियर खिलाड़ियों के लिए जूनियर खिलाड़ियों के लिए अंतिम एकादश से बाहर होने की बात स्वीकार करना मुश्किल हो जाता है लेकिन अगर आपके पास रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी हो तो ऐसा करना कठिन नही है। जडेजा और अश्विन के नाम कुल मिलाकर 855 विकेट हैं। दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहले टेस्ट मैच की अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था जबकि मौजूदा फॉर्म और उछाल भरी पिचो पर बल्लेबाजी करने की काबिलियत को देखते हुए वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया था। ऐसा नही है कि दोनों को खिलाया जाना था लेकिन आमतौर पर जडेजा अपनी बल्लेबाजी काबिलियत की वजह से विदेशी टेस्ट मैच मे निश्चित तौर पर शुरुआती खिलाड़ी होते है। मुंबई के पूर्व रणजी खिलाड़ी नायर ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भारत के दो दिवसीय अभ्यास मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, यह तब मुश्किल होता है जब आपके पास ऐसे वरिष्ठ खिलाड़ी हो जो यह बात नही समझते। लेकिन जब आपके पास जड्डू (जडेजा) और ऐश (अश्विन) जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी हो जो समझते है कि टीम क्या करने की कोशिश कर रही है तो यह बहुत आसान हो जाता है क्योंकि टीम की प्रथम नीति पर रोहित और गौती भाई विश्वास करते है। नायर का मानना है कि पूरी टीम रोहित और गंभीर की रणनीति के अनुसार चलती है जिसमे ए दो महान स्पिन खिलाड़ी भी शामिल है। पूर्व आल राउंडर ने कहा, मुझे लगता है कि वे सभी इसे अपना चुके है। इसलिए मुझे बहुत खुशी हुई कि जड्डू और अश्विन युवा खिलाड़ियों की मदद करने जा रहे है ताकि वे यहां अच्छा प्रदर्शन करें। उन्हे समझाना बहुत मुश्किल नही था और हर कोई चाहता है कि टीम इंडिया जीते। जब उनसे पूछा गया कि क्या स्पिनरो की कोई भूमिका होगी तो उन्होने सामान्य सा जवाब देते हुए कहा, मुझे हमेशा लगता है कि क्रिकेट के खेल मे किसी की भी भूमिका कम नही होती, फिर चाहे आप स्पिनर हो या तेज गेंदबाज, आपके पास हमेशा मौका रहता है। उन्होंने कहा, हां, योजनाएं बदल सकती है। आप गेंद कैसे छोड़ते है और किस गति से गेंदबाजी करते है, इसमे बदलाव हो सकता है। यही वजह है कि आप गुलाबी गेंद के साथ तैयारी करना चाहते है।

चैंपियंस ट्रॉफी: पीसीबी को हाइब्रिड मॉडल मंजूर नहीं, बैठक शनिवार तक स्थगित

दुबई-कराची। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कार्यकारी बोर्ड की चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर बुलाई गई आपात बैठक में कोई सहमति नहीं बन पाई क्योंकि पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल में इस प्रतियोगिता की मेजबानी नहीं करना चाहता है। बैठक शनिवार को फिर से होगी। बैठक संक्षिप्त रही क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने स्पष्ट किया कि भारतीय टीम को पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी सरकार से मंजूरी नहीं मिलने के बावजूद उन्हें हाइब्रिड मॉडल मंजूर नहीं है। हाइब्रिड मॉडल के अनुसार भारतीय टीम प्रतियोगिता के अपने मैच किसी अन्य स्थान पर खेलती।आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य देश के अधिकारी और बोर्ड के सदस्य ने पीटीआई से कहा , कार्यकारी बोर्ड की आज संक्षिप्त बैठक हुई। सभी पक्ष 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के सकारात्मक समाधान के लिए काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि बोर्ड शनिवार को फिर से बैठक करेगा और समाधान निकलने तक इसे जारी रखेगा। इस बीच दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के रुख को दोहराया कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर सकती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से जब नियमित संवाददाता सम्मेलन में भारतीय टीम के चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, बीसीसीआई ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि वहां सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं हैं और इसलिए यह संभावना नहीं है कि टीम वहां जाएगी। नकवी ने बैठक में व्यक्तिगत रूप से भाग लिया क्योंकि वह पाकिस्तान का पक्ष रखने के लिए गुरुवार से दुबई में डटे हुए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह बैठक में ऑनलाइन सम्मिलित हुए। शाह एक दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभालेंगे ।यह पता चला है की हाइब्रिड मॉडल को एकमात्र समाधान के रूप में देखा जा रहा है और अगर टूर्नामेंट को स्थगित किया जाता है तो पीसीबी को 60 लाख डॉलर के मेजबानी शुल्क और गेट राजस्व से हाथ धोना पड़ेगा।

महिला सब जूनियर हॉकी : चंडीगढ़, मिजोरम, मध्य प्रदेश और हरियाणा जीते

सिकंदराबाद। चंडीगढ़, मिजोरम, मध्य प्रदेश और हरियाणा ने शुक्रवार को यहां 14वी हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में अपने मुकाबले जीत लिए। पूल ई मे चंडीगढ़ ने केरल को 3-2 से मात दी। मिजोरम ने इसी पूल में अरुणाचल प्रदेश पर 11-0 से जीत दर्ज की। पूल एफ मे दिल्ली और बिहार ने गोलरहित ड्रॉ खेलकर अंक बांटे। मध्य प्रदेश ने पूल एच मे आंध प्रदेश को 11-। से रौंद दिया। पूल ए के मुकाबले मे हरियाणा ने दादर एवं नगर हवेली और दमन दीव को 9-। से मात दी जबकि महाराष्ट्र और पंजाब के बीच पूल जी मे मैच 2-2 से ड्रॉ रहा।

गोकुलम केरला ने रीयल कश्मीर से ड्रॉ खेला

श्रीनगर। पूर्व चैम्पियन गोकुलम केरला एफसी ने शुक्रवार को यहां आईलीग फुटबॉल चैम्पियनशिप के मैच मे मेजबान रीयल कश्मीर एफसी से।-। से ड्रॉ खेलकर अंक बांटे। मेजबान टीम ने कैमरून के बौबा अमिनोऊ के पहले हाफ मे किए गए गोल से बढ़त हासिल की। गोकुलम केरला एफसी ने 76वे मिनट मे अथुल उन्नीकृष्णन के गोल से बराबरी हासिल की जो अंत तक जारी रही।

प्रणवी उर्स मालागा गोल्फ के दूसरे दौर के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर

मालागा (स्पेन)। भारत की प्रणवी उर्स ने एंडालुशिया कोस्टा डेल सोल ओपन डे एस्पाना गोल्फ के पहले दौर के बाद बोगीरहित छह अंडर 66 स्कोर करके संयुक्त दूसरा स्थान हासिल कर लिया। वह फिनलैंड की नूरा कोमुलेनेन से एक शॉट पीछे है। लेडीज यूरोपीय टूर पर पहली बार खेल रही प्रणवी ने छह बर्डी लगाए। उनके साथ जर्मनी की हेलेन ब्रीम, पैट्रीशिया इसाबेल एस और स्पेन की अना पालेज ट्रविनो दूसरे स्थान पर है। भारत की अदिति अशोक संयुक्त 20वें , दीक्षा डागर संयुक्त 32वे और त्वेसा मलिक संयुक्त 41वे स्थान पर है।

डब्ल्यूबीबीएल में चोटिल हुई जेमिमा, वनडे में भागीदारी पर संदेह

ब्रिस्बेन। भारत की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स शुक्रवार को यहां महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) मैच मे ब्रिस्बेन हीट को सिडनी थंडर पर जीत दिलाने के बाद रिटायर हर्ट हो गईं और संभावना है कि उनके बाएं हाथ की कलाई की चोट गंभीर हो गई है। इस चोट के कारण पांच दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचो की वनडे श्रृंखला के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ गई है। ब्रिस्बेन हीट ने सिडनी थंडर को नौ विकेट से हराकर रविवार को मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ एमसीजी पर होने वाले खिताबी मुकाबले मे जगह बनाई।

हरमनप्रीत ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की वनडे जर्सी का अनावरण किया

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने शुक्रवार को यहां बोर्ड मुख्यालय मे टीम की वनडे के लिए नई जर्सी का अनावरण किया। महिला टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 22 दिसंबर से वडोदरा मे खेली जाने वाली तीन मैचो की एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान नई जर्सी पहनेगी। जर्सी का अनावरण करना सम्मानजनक है और वास्तव मे खुशी है कि हम पहली टीम है जो वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ यह जर्सी पहनने जा रही है।

सिंधू और लक्ष्य सेमीफाइनल में

सैयद मोदी इंटरनेशनल

लखनऊ। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला और पुरूष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त दो बार की चैम्पियन सिंधू ने चीन की दाइ वांग को 48 मिनट तक चले महिला एकल क्वार्टर फाइनल में 21-15, 21-17 से हराया। वहीं 2021 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में मेराबा लुवांग मेस्नाम को 21- 8, 21-19 से शिकस्त दी। दूसरे वरीय प्रियांशु राजावत ने भी पुरुष एकल में हांगकांग के एनगुएन हाई डांग को 21-13 21-8 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सिंधू ने जीत के बाद कहा , आज का मैच अहम था। वह भले ही निचली रैंकिंग वाली खिलाड़ी है लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

मैने अपनी गलतियां सुधार ली हैं और उन्हें नहीं दोहराऊंगी। मैंने शुरू से आक्रामक खेल दिखाया। सिंधू विश्व रैंकिंग में 18वें और वांग 118वें स्थान पर हैं। अब उनका सामना भारत की ही उन्नति हुड्डा से होगा जबकि लक्ष्य जापान के शोगो ओगावा से खेलेंगे। प्रियांशु का सामना चौथे वरीय सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह से होगा। लक्ष्य

ने कहा , यह अच्छा मैच था। मैं प्रदर्शन से खुश हूं। दूसरा गेम कठिन था लेकिन यह अच्छी बात है कि मैं जीत सका। ओडिशा ओपन 2022 विजेता हुड्डा ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 21-16, 21-9 से हराया। मिश्रित युगल में पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने मलेशिया के लू बिंग कुन और हो लो इ को 21- 16, 21- 13 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष युगल में पी कृष्णामूर्ति रॉय और सा प्रतीक के का सामना सेमीफाइनल में हमवतन ईशान भटनागर और एस प्रसाद उदयकुमार की जोड़ी से होगा। आठवीं वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी पुरूष एकल में ओगावा से 7- 21, 14 - 21 से हारकर बाहर हो गए। महिला एकल में तसनीम मीर और श्रियांशी वी भी क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो गई।

क्रास्टो-पोनप्पा जीतीं

शीर्ष वरीय तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने भी महिला युगल के अंतिम चार में जगह बना ली। उन्होंने हमवतन प्रिया कोंजेगबाम और श्रुति मिश्रा पर 21-12 17-21 21-16 से जीत दर्ज की। महिला युगल मे दूसरी वरीयता प्राप्त त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने छठी वरीयता प्राप्त गो पेइ की और तियो मेइ शिंग को 21-8, 21-15 से शिकस्त दी।

ब्रूक ने शतक जड़कर मैच का रुख इंग्लैंड की तरफ मोड़ा

क्राइस्टचर्च। हैरी ब्रूक ने अपना सातवां टेस्ट शतक लगाया और ओली पोप के साथ पांचवें विकेट के लिए 151 रन की साझेदारी की, जिससे इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच का रुख अपनी तरफ मोड़ दिया।दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ब्रूक 132 और बेन स्टोक्स 37 रन पर खेल रहे थे। यह दोनों छठे विकेट के लिए अभी तक 97 रन जोड़ चुके हैं। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 319 रन बनाए हैं और वह न्यूजीलैंड से केवल 29 रन पीछे है जिसने अपनी पहली पारी में 348 रन बनाए थे।ब्रूक और पोप के बीच साझेदारी कितनी महत्वपूर्ण रही इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जब ब्रूक ने क्रीज पर कदम रखा तब इंग्लैंड तीन विकेट पर 45 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था। जल्द ही यह स्कोर चार विकेट पर 71 रन हो गया। पोप ने यहां से ब्रूक का अच्छा साथ निभाया और वे स्कोर को 222 रन तक ले गए।

क्विक न्यूज

बोपन्ना, नागल ने आईओसीएल के लिए पीएसपीबी अंतर इकाई टेनिस खिताब जीता

पुणे। इंडियन ऑयल कोरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की पुरुष और महिला टीमों ने शुक्रवार को यहां क्रमशः ओएनजीसी और गेल को हराकर पीएसपीबी अंतर इकाई लॉन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। आईओसीएल ने ओएनजीसी को पुरुष टीम के फाइनल में 2-। से हराया जबकि मिला टीम ने गेल को 2-0 से मात दी। डेविस कप खिलाड़ी दिविज शरण और रोहन बोपन्ना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए विष्णु वर्धन और युकी भांबरी के खिलाफ तीन सेट का रोमांचक मुकाबला 6-7(5), 7-6(5), 10-7 से जीत लिया। दोनों टीमों ने एकएकएकल मुकाबले जीते थे। ओएनजीसी के वर्धन ने शुरूआती एकल में दिविज को 6-3, 6-3 से हराया जिसके बाद सुमित नागल ने युकी को 6-2, 6-3 से हराकर आईओसीएल को बराबरी पर ला दिया। महिलाओ की टीम स्पर्धा में आईओसीएल की रिया भाटिया ने गेल की लक्ष्मीसिरी दांडू को 6-3, 6-3 से ओलंपियन प्रार्थना थोम्बरे ने भी सोहिनी मोहंती को समान अंतर से मात दी।

मैक्स्वीनी पूरी तरह से तैयार है: हैरिस

मेलबर्न। नाथन मैक्स्वीनी भले ही अपने टेस्ट पर्दापण में संघर्ष करते दिखे हो लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज रेयान हैरिस ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में इस युवा सलामी बल्लेबाज के अच्छे प्रदर्शन का भरोसा जताते हुए कहा कि वह इस भूमिका के लिए पूरी तरह तैयार है। डेविड वॉर्नर की जगह मैक्स्वीनी को टीम मे जगह मिली थी लेकिन वह पर्थ में पहले टेस्ट में भारत के गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ महज 10 रन और शून्य ही बना सकेाहैरिस दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की प्रथम श्रेणी टीम में मैक्स्वीनी को कोचिंग देते हैं। उन्होंने सेन से कहा, मुझे लगता है कि वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है लेकिन हर किसी की तरह उसे भी रन बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना और पारी का आगाज करना थोड़ा अलग है। लेकिन ऐसा नही है कि वह तैयार नही है। नाथन इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। हैरिस ने कहा, भले ही उसकी शुरुआत अच्छी नही रही, लेकिन वह पर्थ में दो अच्छी गेंद से निपटने में सफल रहा। उन्होने सुझाव दिया कि मैक्स्वीनी अभी भले ही सलामी बल्लेबाज की भूमिका के लिए उपयुक्त है लेकिन लंबे समय मे उसके लिए बल्लेबाजी क्रम मे तीसरा नंबर अच्छा रह सकता है।मैक्स्वीनी आमतौर पर दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते है। उन्होंने टीम के लिए पिछली चार पारियो मे 291 रन बनाए है।

अजीब गेंदबाजी एक्शन, कौशल बुमराह को पूरा पैकेज बनाता है : स्टीव स्मिथ

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का विचित्र गेंदबाजी एक्शन और असाधारण कौशल उन्हे संपूर्ण पैकेज बनाता है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी मे कप्तानी करते हुए बुमराह ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मे आठ विकेट लिए और प्लेयर आफ द मैच चुने गए। स्मिथ ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा , उसके रनअप की शुरूआत से ही उसका गेंदबाजी एक्शन अजीब है। वह अलग ही तरह से दौड़ता है और उसके एक्शन का आखिरी मूवमेंट भी विचित्र है। मैने उसका सामना काफी बार किया है और हर बार उसके खिलाफ क्रीज पर जमने मे समय लगता है। पहले टेस्ट की पहली पारी मे स्मिथ को बुमराह ने ही आउट किया था। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा कि बुमराह जब गेंद को छोड़ते है तो दूसरे गेंदबाजो की तुलना मे बल्लेबाज से कम से कम एक फुट करीब होते है जिससे गेंद की लैग्थ को पकड़ना मुश्किल हो जाता है। स्मिथ ने कहा , वह आपके करीब आकर गेंद छोड़ता है जिससे आपको समय ही नही मिल पाता। इसके अलावा वह गेंद को दोनो ओर से स्विंग करा सकता है। रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर , उसके पास सब कुछ है। वह एक गेंदबाज के तौर पर पूरा पैकेज है।

रॉयल की नई रफ्तार भरेगा रोमांच

कानपुर। रॉयल एनफील्ड ने गोअन क्लासिक 350 लॉन्च की है। यह बॉबर-स्टाइल मोटरसाइकिल आजादी, मस्ती और खुली सोच वाले लाइफस्टाइल की पहचान है। यह भारत की खास गोअन मोटो-संस्कृति से जुड़ी है, जिसने 70-80 के दशक में गोवा की आजाद और रंगीन लाइफस्टाइल को जन्म दिया। इसका दमदार फोर-स्ट्रोक इंजन और स्टाइलिश लुक इसे हर सफर के लिए परफेक्ट बनाते हैं। हर कर्व और कंटूर के साथ, गोअन क्लासिक गोवा के कस्टम बिल्डर्स की स्ट्रिप्ड-डाउन और 'ट्रिप-अप' क्रिएशन से प्रेरित है, चॉप्ड फेंडर्स, मिड-एप हैंडलबार्स, एर्गोनॉमिक रूप फिट की गईं लो-स्लंग सीटें और रियर सिलहॅटे उन दिनों की याद दिलाती हैं जब राइडर्स अपनी मशीनों को केवल ज़रूरी चीज़ों तक सीमित कर देते थे और उनमें उनका व्यक्तित्व नजर आता था। नई गोअन क्लासिक 350 के बारे में बात करते हुए, आयशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, सिद्धार्थ लाल ने कहा, गोअन क्लासिक स्वतंत्रता और व्यक्तित्व की भावना के लिए एक हार्दिक सम्मान है, जिसका रॉयल एनफील्ड ने दशकों से समर्थन किया है।

जायसवाल के साथ पारी का आगाज करें राहुल, रोहित तीसरे नंबर पर उतरें : पुजारा

कैनबरा। चेतेश्वर पुजारा चाहते है कि केएल राहुल आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मे यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरूआत करें और कप्तान रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर उतरें। रोहित की गैर मौजूदगी मे पर्थ मे पहले टेस्ट मे राहुल ने मध्यक्रम की बजाय शीर्षक्रम पर बल्लेबाजी की थी। आस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों पर भारतीय बल्लेबाजी की रीढ रहे पुजारा का मानना है कि पहले टेस्ट मे 295 रन से मिली जीत के बाद सलामी जोड़ी मे बदलाव नही होना चाहिए। जायसवाल ने पहले टेस्ट मे शतक जमाया जबकि राहुल ने 26 और 77 रन की पारियां खेली। पुजारा ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा , मुझे लगता है कि बल्लेबाजी क्रम मे बदलाव नही होना चाहिए। केएल और यशस्वी पारी का आगाज करें और रोहित तीसरे, शुभमन पांचवे नंबर पर उतरें।

आस्ट्रेलिया ने पर्थ में कोहली को शतक बनाने का मौका खुद दिया : एलेन बॉर्डर

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलेन बॉर्डर ने पर्थ मे पहले टेस्ट के दौरान विराट कोहली के बल्ले पर अंकुश लगाने मे उनकी टीम की असमर्थता पर निराशा जताते हुए कहा कि इससे मेजबान को पांच मैचो की श्रृंखला गंवानी पड़ सकती है। पिछले डेढ साल मे एक भी टेस्ट शतक नही लगा सके कोहली आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी मे फॉर्म मे लौटे और नाबाद 100 रन बनाए। भारत ने वह टेस्ट 295 रन से जीता। बॉर्डर ने सेन रेडियो से कहा , जिस तरह से उन्होने कोहली को शतक बनाने दिया, मै बहुत निराश हूं। हम नही चाहते कि पूरी श्रृंखला मे वह (कोहली) इस तरह आत्मविश्वास के साथ खेले। बॉर्डर ने कप्तान पैट कमिंस की रणनीति पर भी सवाल उठाए। उन्होने कहा कि न्यूजीलैड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला मे जूझते नजर आए कोहली को उन्होने फॉर्म मे लौटने का मौका दिया।

हार्दिक का बल्ले से चमकदार प्रदर्शन जारी

मुश्ताक अली ट्रॉफी शार्दुल के नाम सबसे खराब गेंदबाजी रिकॉर्ड

भाषा। इंदौर

हार्दिक पंड्या ने बाएं हाथ के स्पिनर परवेज सुल्तान के एक ओवर में 28 रन और पांच छक्के जड़कर अपनी शानदार बल्लेबाजी फॉर्म जारी रखी जिससे बड़ौदा ने शुक्रवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में त्रिपुरा को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। महज 110 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने हार्दिक के 23 गेंद में 47 रन की मदद से सिर्फ 11.2 ओवर में इसे हासिल कर लिया। इससे पहले उनके बड़े भाई कृणाल पंड्या ने नई गेंद से 22 रन देकर दो विकेट झटके।मैदान में बैठे दर्शकों का हार्दिक ने पूरा मनोरंजन किया। उन्होंने सुल्तान पर लांग ऑफ और एक्सट्रा कवर पर तीन जबकि काउ कॉर्न पर दो छक्के जड़े।हार्दिक के लिए अभी तक सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट शानदार रहा है और उन्होंने बड़ौदा की सभी

चार जीत में योगदान दिया है। उन्होंने इन मैच में नाबाद 74 रन, नाबाद 41 रन, 69 रन और 47 रन बनाए। उन्होंने साथ ही दो विकेट भी झटके हैं। वहीं हैदराबाद में ग्रुप ई के मैच में केरल ने मुंबई को 43 रन से शिकस्त दी जिसमें शार्दुल ठाकुर ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 के इतिहास में सबसे खराब गेंदबाजी रिकॉर्ड बनाया। इंडियन प्रीमियर लीग नीलामी में अनदेखी किए जाने के बाद ठाकुर ने चार ओवर में 69 रन लुटाए।
ठाकुर ने मैच के शुरू में संजू सैमसन (04) का विकेट झटका लेकिन फिर उनकी गेंदों पर छह छक्के और पांच चौके लगे। सलमान निजार ने 49 गेंद में आठ छक्कों की मदद से नाबाद 99 रन बनाए जिससे अजिंक्य रहाणे की 35 गेंद में 68 रन की पारी भी फीकी पड़ गई। केरल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलमान और रोहन कुन्नुम्मल (48 गेंद में 87 रन, सात छक्के) के बीच तीसरे विकेट के लिए महज 13.2 ओवर में 140 रन की साझेदारी से पांच विकेट पर 234 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में मुंबई की टीम रहाणे की पारी के बावजूद नौ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। पृथ्वी साव ने 13 गेंद में 23 रन बनाकर अच्छी शुरूआत की लेकिन श्रेयस अय्यर अच्छी शुरूआत के बावजूद 18 गेंद में केवल 32 रन ही बना सके।

विश्व शतरंज में गुकेश और लिरेन ने चौथी बाजी ड्रॉ खेली

सिंगापुर। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और गत चैंपियन डिंग लिरेन ने किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझा और शुक्रवार को यहां विश्व शतरंज चैंपियनशिप की चौथी बाजी ड्रॉ खेली जिससे दोनों खिलाड़ी बराबरी पर बने हुए हैं।दोनों खिलाड़ियों ने 42 चाल के बाद बाजी ड्रॉ कराने पर सहमति जताई। इस तरह से 14 दौर के इस मुकाबले में चार दौर के बाद दोनों खिलाड़ी दो-दो अंक लेकर बराबरी पर हैं। जो भी खिलाड़ी पहले 7.5 अंक हासिल करेगा वह विश्व चैंपियन बनेगा। विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला खेल रहे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी 18 वर्षीय गुकेश ने बुधवार को तीसरी बाजी जीतकर बराबरी की थी। गुकेश ने मैच के बाद कहा, बाजी जब समाप्ति की ओर बढ़ रही थी तब मेरे पास कुछ मौके थे लेकिन काले मोहरों से खेलते हुए आप इसी तरह के परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। गुकेश से जब सबसे कम उम्र का विश्व चैंपियन बनने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अभी मैं केवल अच्छी चाल चलने पर ध्यान दे रहा हूं। चीन के 32 वर्षीय खिलाड़ी लिरेन ने पहली बाजी जीतकर अच्छी शुरुआत की थी। दूसरी बाजी ड्रॉ रही थी। लिरेन ने कहा, मैं किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता था। इससे मैं थोड़ा फायदे की स्थिति में रहा। अभी स्कोर बराबरी पर है काफी बाजियां खेली जानी बाकी हैं। पिछली बाजी में हार से उबरने के लिए मुझे एक दिन के विश्राम का मौका मिला। मैं बहुत अच्छे मूड में हूं। विश्राम मिलने से मुझे फायदा हुआ। अब जबकि क्लासिकल टाइम कंट्रोल से खेली जा रही इस प्रतियोगिता में 10 बाजियां बची हैं तब गुकेश पांचवें दौर में सफेद मोहरों से खेलने के कारण फायदे की स्थिति में हैं।लिरेन ने शुक्रवार को रानी के पास स्थित उंट को निशाना बनाकर जता दिया था कि वह गुकेश से अपनी तैयारी नहीं बल्कि कौशल के आधार पर मुकाबला करना चाहते हैं।

शमशेर और वेटन दिल्ली एसजी पाइपर्स के सह कप्तान, नवनीत महिला टीम की कप्तान होंगी

नई दिल्ली। आलंपिक पदक विजेता मिडफील्डर शमशेर सिंह और अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई जैकब वेटन को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के पहले सत्र के लिए अपनी पुरुष टीम का सह कप्तान नियुक्त करने की घोषणा की। दिल्ली की फ्रेंचाइजी ने भारतीय उप कप्तान और स्ट्राइकर नवनीत कौर को महिला टीम का कप्तान नियुक्त किया। चार टीम की महिला एचआईएल इस सत्र से अपना पदार्पण करेगी जो 12 जनवरी 2025 से रांची में शुरू होगी। पुरुषों की एचआईएल 28 दिसंबर से राउरकेला में शुरू होगी। वेटन ने सह कप्तान बनाए जाने के बाद वेटन ने कहा, हॉकी इंडिया हर दिन प्रतिस्पर्धी माहौल में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलने का शानदार मौका प्रदान करती है। तीन बार के ओलंपियन वेटन उस ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे जिसने 2020 तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था।शमशेर भी खुद को दी गई जिम्मेदारी से काफी रोमांचित थे, उन्होंने कहा, जैकब वेटन के साथ सह कप्तान बनाने के लिए मैं दिल्ली एसजी पाइपर्स का धन्यवाद करना चाहूंगा।

केसीसी फाइटनाइट के लिए पहुंचे फाइटर्स

30 नवंबर को होगा वजन व आमना.सामना

लखनऊ। नवाबों के शहर में होने वाले मिक्स्ड मार्शल आर्ट एमएमए के रोमांचक मुकाबले केसीसी फाइटनाइट की तैयारियां पूरी हो चुकी है। इस फाइट में अपनी चुनौती पेश करने को तैयार देश के शीर्ष एमएमए फाइटर में शुमार राना रूद्र प्रताप सिंह सहित अन्य विश्व स्तरीय फाइटर लखनऊ पहुंच गए और 1 दिसंबर 2024 को चौक स्टेडियम के बहुउद्देश्यीय हाल में होने वाले मुकाबले को लेकर सर्वश्रेष्ठ एक्शन का लखनऊ वासियों से वादा किया। मार्शल आर्ट के प्रति समर्पण और जुनून से प्रेरित संस्था कॉम्बैट क्रीड चैंपियनशिप के तत्वावधान में होने वाली चैंपियनशिप में शनिवार 30 नवंबर 2024 को शाम पांच बजे से इन सभी 16 फाइटर्स का वजन किया जाएगा और फाइटर एक.दूसरे से रूबरू होंगे। इस फाइट में अंकों के अलावा नाकआउट और सबमिशन के आधार पर विजेता का फैसला हो सकता है। केसीसी फाइटनाइट में मार्शल आर्ट की विभिन्न शैलियों जैसे कराटेए किकबॉक्सिंगए जि.जित्सुए ताइक्वांडो आदि के फाइटर्स के रोमांचक फाइटिंग स्टाइल और तकनीक से फाइटर्स लोगो को रोमांचित करने के लिए तैयार है।

जूनियर राष्ट्रीय खो खो : महाराष्ट्र ने दो स्वर्ण पदक जीते

अलीगढ़। महाराष्ट्र के लड़कों और लड़कियों की टीम ने शुक्रवार को यहां समाप्त हुई 43वीं जूनियर राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते। लड़कों की टीम का यह लगातार 19वां और कुल 35वां स्वर्ण पदक था। बालिकाओं की टीम ने लगातार 10वां और कुल 26वां खिताब अपने नाम किया। लड़कों के फाइनल में महाराष्ट्र ने ओडिशा को 33-29 से मात दी जबकि लड़कियों के वर्ग में महाराष्ट्र ने ओडिशा को 24-20 से शिकस्त दी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001